www.tamsasanket.com
वर्षः 06 || अंक 73 || लखनऊ
शनिवार
13 जून 2026 || पृष्ठः 08 || मूल्यः ₹ 2
आज़ादी का अमृत महोत्सव
समूह संपादक- डॉ. ओ.पी. मिश्रा

दैनिक
तमसा संकेत

https://epaper.tamsasanket.com
लखनऊ व अम्बेडकर नगर से एक साथ प्रकाशित
» डॉ. लोहिया की जन्म भूमि से सर्वप्रथम प्रकाशित समाचार पत्र

मौसम
सूर्योदयः 05:12
सूर्यास्तः 07:00
अधिकतमः 36°00
न्यूनतमः 29°00

» पेज 07

विशेष समाचार | गृहिणी राष्ट्रनिर्माता है तो हिंसा... » पेज 04 | चढ़ावे पर डकैती पड़ रही... » पेज 06 | फिल्म 'काला हिरण' को लेकर ...

मोदी राज में बदली भारत की नीतिः योगी

सुरक्षा नीति में बदलाव, डिफेंस कॉरिडोर को मिली रफ्तार और मजबूत हुई अर्थव्यवस्था

सीएम ने कहा कि स्वतंत्रता के बाद लंबे समय तक योजनाएं बनती रहीं, लेकिन उनके प्रभावी क्रियान्वयन पर अपेक्षित ध्यान नहीं दिया गया। प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में पहली बार योजनाओं को जन आंदोलन का स्वरूप मिला।

महिला सशक्तीकरण पर मुख्यमंत्री ने कहा कि 'बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ', मातृ वंदन योजना, नारी शक्ति वंदन अधिनियम और विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं ने महिलाओं को नई पहचान दी है।

विकास

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने केंद्र सरकार के 12 वर्ष पूरे होने के अवसर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व की सराहना करते हुए कहा कि बीते वर्षों में देश की सुरक्षा नीति, अर्थव्यवस्था और रक्षा क्षेत्र में व्यापक परिवर्तन देखने को मिला है। उन्होंने कहा कि आज भारत किसी भी चुनौती का मजबूती से सामना करने में सक्षम है और दुश्मन के दुस्साहस का जवाब उसी की भाषा में देने की क्षमता रखता है। योगी आदित्यनाथ ने राष्ट्रीय सुरक्षा के मुद्दे पर विपक्षी दलों पर भी निशाना साधा। उन्होंने कहा कि अतीत में सीमा पार से होने वाली घटनाओं पर अपेक्षित कठोर प्रतिक्रिया नहीं दी जाती थी। उन्होंने आरोप लगाया कि उस समय राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़े गंभीर मामलों पर चर्चा तक से बचा जाता था। उन्होंने कहा कि अब स्थिति बदल चुकी है और यदि कोई देश भारत की सुरक्षा को चुनौती देता है, तो उसे उसके परिणाम भुगतने पड़ते हैं। योगी आदित्यनाथ ने कहा कि उत्तर प्रदेश को देश के रक्षा उत्पादन मानचित्र पर महत्वपूर्ण स्थान मिला है। उन्होंने बताया कि राज्य में स्थापित डिफेंस कॉरिडोर के तहत 35 हजार करोड़ रुपये से अधिक के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुए हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि लखनऊ में BrahMos Missile के निर्माण का कार्य शुरू होना प्रदेश के लिए गर्व की बात है। इसके साथ ही ड्रोन निर्माण और अन्य रक्षा उपकरणों के उत्पादन में भी उत्तर प्रदेश तेजी से आगे बढ़ रहा है।

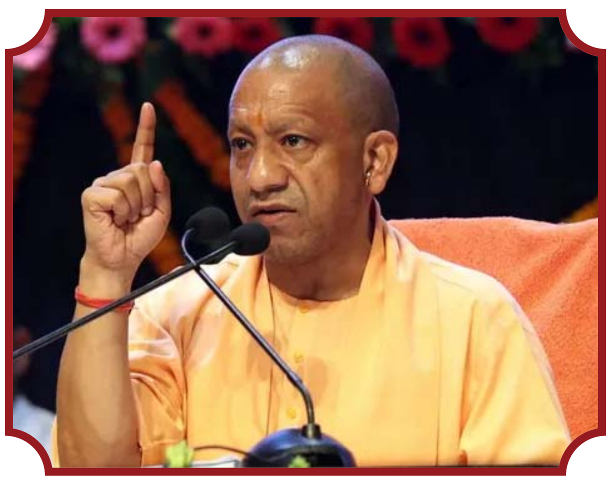

2030 तक हासिल होगा एक ट्रिलियन डालर का लक्ष्य

मुख्यमंत्री ने विश्वास जताया कि प्रधानमंत्री मोदी के मार्गदर्शन में उत्तर प्रदेश वर्ष 2030 तक एक ट्रिलियन डालर और 2036 तक दो ट्रिलियन डालर की अर्थव्यवस्था बनने का लक्ष्य हासिल करेगा तथा 2047 तक विकसित भारत के साथ विकसित उत्तर प्रदेश की संकल्पना को साकार करेगा। उन्होंने प्रदेश की 25 करोड़ जनता की ओर से प्रधानमंत्री मोदी को बधाई देते हुए उनके दीर्घ और यशस्वी नेतृत्व की कामना की।

> "मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार की नीतियों का सकारात्मक प्रभाव देश की अर्थव्यवस्था पर भी दिखाई दे रहा है। भारत आज दुनिया की प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं में शामिल है और वैश्विक चुनौतियों के बावजूद मजबूती से आगे बढ़ रहा है।"

पॉलिसी पैरालिसिस से निर्णायक नेतृत्व तक का सफर

लखनऊ में आयोजित प्रेस वार्ता के दौरान मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि पहले देश ऐसे दौर से गुजर रहा था, जब महत्वपूर्ण राष्ट्रीय मुद्दों पर निर्णय लेने में हिचकिचाहट दिखाई देती थी। उन्होंने कहा कि वर्तमान सरकार के नेतृत्व में भारत की कार्यशैली और सुरक्षा नीति में बड़ा बदलाव आया है। मुख्यमंत्री ने कहा, आज भारत किसी भी देश की आंख में आंख डालकर बात करने की स्थिति में है। यह मजबूत नेतृत्व, स्पष्ट नीति और निर्णायक निर्णय क्षमता का परिणाम है।

सबसे तेज उभरती अर्थव्यवस्था के रूप में स्थापित हो रहा भारत

योगी आदित्यनाथ ने कहा कि भारत आज दुनिया की सबसे तेजी से उभरती अर्थव्यवस्थाओं में अपनी मजबूत पहचान बना रहा है।

प्रधानमंत्री मोदी के विजन और नीतियों का असर देश के विकास के विभिन्न क्षेत्रों में दिखाई दे रहा है।

उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश ने भी इसी दृष्टि को अपनाते हुए निवेश, आधारभूत संरचना, औद्योगिक विकास और रोजगार सृजन के क्षेत्र में उल्लेखनीय प्रगति की है। मुख्यमंत्री ने विश्वास जताया कि आने वाले वर्षों में भारत और उत्तर प्रदेश विकास की नई ऊंचाइयों को छुएंगे।

सर्जिकल स्ट्राइक और एयर स्ट्राइक का किया उल्लेख

मुख्यमंत्री ने कहा कि भारत ने पिछले वर्षों में कई अवसरों पर अपनी सुरक्षा नीति की दृढ़ता दिखाई है। उन्होंने सर्जिकल स्ट्राइक, एयर स्ट्राइक और हालिया सैन्य अभियानों का उल्लेख करते हुए कहा कि भारत ने यह स्पष्ट कर दिया है कि वह अपनी संप्रभुता और नागरिकों की सुरक्षा से कोई समझौता नहीं करेगा। उन्होंने कहा कि दुश्मन के दुस्साहस का जवाब अब केवल कूटनीतिक स्तर पर नहीं, बल्कि आवश्यकता पड़ने पर निर्णायक कार्रवाई के माध्यम से भी दिया जाता है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रक्षा उत्पादन के क्षेत्र में हुए बदलावों को भी उल्लेखनीय बताया।
उन्होंने कहा कि पहले भारत रक्षा उपकरणों के लिए बड़े पैमाने पर विदेशों पर निर्भर था, लेकिन अब देश आत्मनिर्भरता की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है।
उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में रक्षा निर्माण को नई दिशा मिली है और देश के भीतर अत्याधुनिक सैन्य उपकरणों के निर्माण पर विशेष जोर दिया गया है।

ममता बनर्जी के खिलाफ कोलकाता में एफआईआर

कोलकाता। पश्चिम बंगाल की पूर्व मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के खिलाफ कोलकाता के हेयर स्ट्रीट थाने में FIR दर्ज की गई है। ममता पर आरोप है कि उन्होंने 9 मार्च को चुनाव प्रचार के दौरान भड़काऊ भाषण दिया था। यह शिकायत तुषार कांती दास ने की है। उनका कहना है कि ममता के बयान से सांप्रदायिक सौहार्द और राज्य की लोकतांत्रिक व्यवस्था को नुकसान पहुंच सकता था। इधर, फर्जी हस्ताक्षर मामले में शुक्रवार को CID की टीम TMC सांसद और पार्टी महासचिव अभिषेक बनर्जी के घर पहुंची। इस दौरान अभिषेक के वकील भी वहां पहुंचे। एडवोकेट देबाशीष राय ने कहा कि CID ने हमें कोई सूचना नहीं दी है। फिलहाल हमें नहीं पता कि CID टीम यहां क्यों आई है। सदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने 27 मई को ममता बनर्जी का भाषण X पर शेयर किया था।

हर शहर और गांव को ग्रीन मोबिलिटी इलेक्ट्रिक सेवा से जोड़ेंगे : योगी

मुख्यमंत्री योगी ने राज्य सड़क परिवहन निगम की 45 इलेक्ट्रिक बसों व 3 हाइड्रोजन बसों को दिखाई हरी झंडी

ऊर्जाक्रांति

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में स्वच्छ ऊर्जा और पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा देने की दिशा में उत्तर प्रदेश सरकार ने एक और महत्वपूर्ण कदम उठाया है। सीएम योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार को यमुना एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण (यीडा) क्षेत्र में इलेक्ट्रिक बसों के साथ 3 हाइड्रोजन बसों को भी हरी झंडी दिखाई। यह पहल प्रदेश को हरित परिवहन की दिशा में आगे ले जाएगी। इससे प्रतिदिन 2080 किलोग्राम ऑक्सीजन का उत्पादन होगा। एनटीपीसी दादरी द्वारा विकसित ग्रीन हाइड्रोजन आधारित मोबिलिटी परियोजना के तहत इन बसों का निर्माण किया गया है। ग्रीन हाइड्रोजन भविष्य का ईंधन है।

डीजल व पेट्रोल आधारित वाहनों की तुलना में हाइड्रोजन फ्यूल सेल बसें पूरी तरह पर्यावरण अनुकूल हैं। इन बसों से उत्सर्जन के रूप में केवल पानी निकलता है, जिससे वायु प्रदूषण की समस्या नहीं होती। यही कारण है कि दुनिया के विकसित देश भी हाइड्रोजन आधारित परिवहन को बढ़ावा दे रहे हैं और अब उत्तर प्रदेश भी इस दिशा में अग्रणी भूमिका निभाता दिखाई देगा। इस परियोजना की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि इसमें सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट (एसटीपी) के जल का उपयोग किया जा रहा है।

» (शेष पेज 06 पर)

पश्चिम बंगाल में बड़ा हादसा 4000 ईवीएम जलकर राख

10 सीटों पर इस्तेमाल हुई थीं मशीनें, मंत्री बोले- साजिश की आशंका से इनकार नहीं

घटना

तमसा संकेत, एजेंसी

कोलकाता। पश्चिम बंगाल के कोलकाता में एक सरकारी बिल्डिंग में आग लगने से करीब 4 हजार EVM जल गईं। ये मशीनें इसी साल हुए विधानसभा चुनाव में 10 सीटों पर इस्तेमाल की गई थीं। घटना के बाद TMC, कांग्रेस और आम आदमी पार्टी ने सवाल उठाए हैं। वहीं, पश्चिम बंगाल सरकार के मंत्री कौशिक चौधरी ने कहा कि आग सामान्य नहीं लगती। FIR दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है। बिल्डिंग में दक्षिण 24 परगना जिला परिषद समेत कई सरकारी दफ्तर हैं।

टीएमसी ने एक्स पर आग का वीडिया शेयर कर लिखा, "4 हजार कंट्रोल यूनिट, 4 हजार बैलेट यूनिट और 4 हजार वीवीपीएटी मशीनें नष्ट हो गईं। ये मशीनें कस्बा, जादवपुर, बेहाला ईस्ट, बेहाला वेस्ट, मेटियाबुरुज, सतगछिया और डायमंड हार्बर सब-डिवीजन की कई विधानसभा सीटों से जुड़ी थीं।"

» (शेष पेज 06 पर)

फास्ट न्यूज

हिमाचल में अगले 24 घंटे फ्लैश फ्लड का अलर्ट

शिमला। हिमाचल प्रदेश में फ्लैश फ्लड की चेतावनी जारी की गई है। मौसम विभाग (IMD) ने शिमला और सिरमौर जिला के कुछ क्षेत्रों में अगले 24 घंटे के दौरान बाढ़ का पूर्वानुमान लगाया है। इसे देखते हुए लोगों को सावधानी बरतने की सलाह दी गई है। शिमला और सिरमौर के कई भागों में दोपहर बाद तीन बजे के बाद हल्की बारिश शुरू हो गई है।

कॉकरोच पार्टी के प्रदर्शन में जाने वाली लेडी टीचर बहाल

सोनीपत। रोहतक की गेस्ट टीचर सुलेखा दलाल को शिक्षा विभाग ने बहाल कर दिया है। वह रैनकपुरा कॉलोनी स्थित गवर्नमेंट मिडिल स्कूल में पीआरटी गेस्ट टीचर हैं। 10 जून को जारी जिला मौलिक शिक्षा अधिकारी (DEEO) के ऑर्डर में उन्हें 8 जून से सस्पेंड बताया गया था। विभाग ने सस्पेंशन के कारणों का खुलासा नहीं किया था। धरने के दौरान मीडिया से बातचीत में सुलेखा ने NEET समेत विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं के पेपर लीक मामलों पर नाराजगी जताई थी। उनका वीडियो भी सोशल मीडिया पर वायरल हुआ था।

एमपी-हादसे में रक्षा मंत्री राजनाथ के रिश्तेदार की मौत

इंदौर/बलिया। इंदौर में सड़क हादसे में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह के रिश्तेदार की मौत हो गई। एक्सीडेंट शिप्रा थाना इलाके में गुरुवार रात करीब 11 बजे हुआ। शुक्रवार सुबह शव को एयरलिफ्ट कर दिल्ली भेज दिया गया है। अंतिम संस्कार उत्तर प्रदेश के वाराणसी में मणिकर्णिका घाट पर किया गया। मुखाग्नि मृतक के बड़े भाई विक्रम सिंह उर्फ झाबर ने दिया।

आंदोलन करना सबसे बड़ी देशभक्ति : अभिजीत दीपके

पेपर लीक के जिम्मेदारों को इस्तीफा देना होगा, लखनऊ में छात्रों के प्रदर्शन में पहुंचे

- **वामपंथी छात्र संगठनों ने केवल सरकार के खिलाफ नारेबाजी करने के लिए कहा तो यूपीएसआई अभ्यर्थी उनसे भिड़ गए।**
- **युवा 'पेपर लीक बंद करो, बंद करो' और 'यूपीएसआई स्कोर कार्ड जारी करो, जारी करो' के नारे लगाए गए।**

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। लखनऊ के इको गार्डन में शुक्रवार को छात्रों और वनडे एग्जाम की तैयारी कर रहे करीब 6 हजार अभ्यर्थियों ने प्रदर्शन किया। कॉकरोच जनता पार्टी के चीफ अभिजीत दीपके भी इसमें शामिल हुए। वह करीब 40 मिनट तक रुके। भाषण दिया, 20 जून को दिल्ली आने का आह्वान किया। इसके बाद निकल गए। दीपके ने संबोधन में कहा- हमारा देश एक आंदोलन से बना था। आंदोलन नहीं हुआ होता तो आज आजादी भी नहीं मिलती। अगर देश में इमरजेंसी के खिलाफ आंदोलन ना होता तो आज लोकतंत्र ना होता। आंदोलन करना सबसे बड़ी देशभक्ति है। चाहे लेखपाल हो, UPSI हो, NEET हो या CBSE, जो-जो भी इनके पेपर लीक करने के दोषी होंगे, सबको रिजाइन करना होगा। सुबह 10 बजे प्रदर्शन शुरू हुआ।

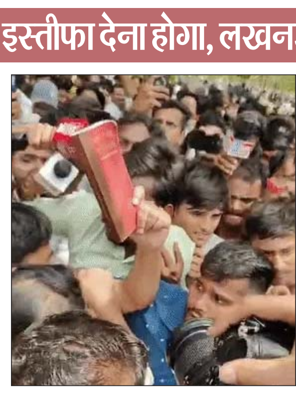

» (शेष पेज 06 पर)

सुप्रीम कोर्ट के फैसले के बाद बोलीं- पहले वोट चोरी होती थी, इस बार सीट चोरी हुई

राज्यसभा नामांकन रद्द होने के खिलाफ मीनाक्षी की याचिका हुई खारिज

रद्द

तमसा संकेत, एजेंसी

विजय सिंह बघेल। दिल्ली/भोपाल। सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को कांग्रेस नेता मीनाक्षी नटराजन की याचिका खारिज कर दी। उन्होंने राज्यसभा चुनाव के लिए उनका नामांकन रद्द किए जाने के फैसले को चुनौती दी थी। कोर्ट ने कहा कि इस मामले में सीधे रिट याचिका नहीं सुनी जा सकती। अगर उन्हें फैसले पर आपत्ति है तो वे चुनाव याचिका दायर करें। जस्टिस प्रशांत कुमार मिश्रा और जस्टिस एएस चंदूरकर की बेंच ने कहा कि संविधान का अनुच्छेद 329 चुनाव प्रक्रिया में अदालतों के हस्तक्षेप को सीमित करता है। इसलिए सुप्रीम कोर्ट इस मामले में रिट पिटीशन पर सुनवाई नहीं कर सकता।

नामांकन रद्द करने का फैसला सही था या गलत, अदालत ने इस पर कोई टिप्पणी नहीं की। कोर्ट ने कहा- चुनाव से जुड़े ऐसे विवादों का समाधान चुनाव याचिका के जरिए किया जाना चाहिए। मीनाक्षी नटराजन चाहें तो चुनाव याचिका दाखिल कर इस फैसले को चुनौती दे सकती हैं।

कांग्रेस नेताओं ने दिल्ली में प्रेस कॉन्फ्रेंस की। इसमें भाजपा पर सीट चोरी का आरोप लगाया।

» (शेष पेज 06 पर)

मीनाक्षी ने कहा था- चुनाव लड़ने दिया जाए

सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई के दौरान मीनाक्षी के वकील अभिषेक मनु सिंघवी ने कहा था, 'रिटर्निंग ऑफिसर ने उन्हें शुरुआती चरण में ही बाहर कर दिया। उन्हें चुनाव लड़ने दिया जाए, अगर उन्हें वोट नहीं मिलते हैं तो वे हार जाएंगी, यही लोकतंत्र की प्रक्रिया है।' मध्य प्रदेश की तीसरी राज्यसभा सीट के लिए कांग्रेस के पास पर्याप्त संख्या बल था।

सिंघार ने कहा- चुनाव आयोग ने लोकतंत्र का गला घोंटा

शुक्रवार को कांग्रेस ने दिल्ली में प्रेस कॉन्फ्रेंस भी की। इसमें मीनाक्षी नटराजन ने कहा– मेरे खिलाफ मात्र एक लीगल नोटिस है। उसकी पूरी जानकारी मैंने मेरे ईसीआई मेमोरेंडम में दी है।

दावा : कीचड़ और जलभराव में तब्दील हुआ रामपुर बनेथू दुबे का पूरा का रास्ता

पहली बारिश में खुली विकास की पोल

तमसा संकेत, संवाददाता

अम्बेडकरनगर। एक ओर उत्तर प्रदेश सरकार ग्रामीण विकास, स्वच्छता और आधारभूत सुविधाओं के विस्तार के लिए करोड़ों रुपये खर्च करने का दावा कर रही है, वहीं दूसरी ओर जमीनी हकीकत कई गांवों में इन दावों की पोल खोलती नजर आ रही है। विकास खंड कटेहरी की ग्राम पंचायत रामपुर बनेथू दुबे का पूरा इसका ताजा उदाहरण बनकर सामने आया है, जहां मानसून की पहली बारिश ने गांव की बदहाल तस्वीर उजागर कर दी है। मानसून की पहली ही झड़ी के बाद गांव का मुख्य संपर्क मार्ग दलदल जैसा दिखाई देने लगा। सड़क पर जगह-जगह पानी भर गया है और कीचड़ के कारण पैदल चलना तक मुश्किल हो गया है। दोपहिया वाहन चालक फिसलकर गिर रहे हैं, जबकि बुजुर्गों और महिलाओं को आवागमन में भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। ग्रामीणों के मुताबिक, जनपद अम्बेडकरनगर के गठन के बाद से लेकर आज तक इस मार्ग के निर्माण या सुधार के लिए कोई ठोस कार्य नहीं कराया गया। न तो खड़ंजा बिछाया गया, न इंटरलॉकिंग सड़क बनाई गई और न ही जल निकासी के लिए नालियों का निर्माण हुआ।

"कागजों में विकास, जमीन पर बदहाली"

गांव के लोगों का आरोप है कि पंचायत स्तर पर विकास कार्यों के प्रस्ताव बनते हैं, बजट भी स्वीकृत होता है, लेकिन उसका लाभ धरातल पर दिखाई नहीं देता। उनका कहना है कि कई योजनाएं केवल सरकारी अभिलेखों तक सीमित रह जाती हैं। एक ग्रामीण ने नाराजगी जताते हुए कहा, "बच्चों को स्कूल जाने के लिए रोज कीचड़ से होकर गुजरना पड़ता है। उनके कपड़े गंदे हो जाते हैं और कई बार वे गिरकर चोटिल भी हो जाते हैं। बीमार व्यक्ति को अस्पताल ले जाना भी चुनौती बन जाता है। रात के समय इस रास्ते पर चलना जोखिम भरा है।"

» (शेष पेज 06 पर)

सरकारी दावों और जमीनी सच्चाई में बड़ा अंतर

स्वच्छ भारत मिशन, मनरेगा, 15वें वित्त आयोग और पंचायत निधि जैसी योजनाओं के तहत हर वर्ष करोड़ों रुपये खर्च किए जाते हैं। सरकारी अभिलेखों में गांवों को बेहतर सड़क, नाली, स्वच्छता और अन्य मूलभूत सुविधाओं से युक्त दिखाया जाता है। लेकिन रामपुर बनेथू दुबे का पूरा की स्थिति इन दावों पर सवाल खड़े कर रही है। ग्रामीणों का कहना है कि गांव को मुख्य मार्ग से जोड़ने वाला रास्ता वर्षों से उपेक्षा का शिकार है। बरसात शुरू होते ही यह मार्ग कीचड़, जलभराव और गहरे गड्ढों में तब्दील हो जाता है, जिससे आवागमन पूरी तरह प्रभावित हो जाता है।

मनाली-लेह मार्ग में 3 टनल प्रोजेक्ट मंजूर

लद्दाख का पूरे साल साल सड़क संपर्क रहेगा बहाल

मंजूरी

तमसा संकेत, एजेंसी

मनाली/कुल्लू। केंद्र सरकार ने मनाली-लेह सामरिक मार्ग को पूरे साल बहाल रखने के लिए तीन टनल प्रोजेक्ट को मंजूरी दी है। इन तीन टनल का निर्माण 15 हजार 550 करोड़ रुपए की लागत से होगा। प्रस्तावित सुरंगें हिमाचल के बारालाचा, लाचुंगला और लद्दाख के तंगलंग ला दर्रों के नीचे निर्मित की जाएंगी। केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने इसकी जानकारी देते हुए बताया कि इन सुरंगों के निर्माण से लद्दाख को पूरे वर्ष सड़क संपर्क उपलब्ध होगा, यात्रा समय में कमी आएगी और सीमावर्ती क्षेत्रों में सेना की आवाजाही तथा रसद आपूर्ति को अभूतपूर्व मजबूती मिलेगी। सामरिक दृष्टि से तीनों प्रोजेक्ट महत्वपूर्ण है।

15,550 करोड़ की लागत से बनेगी

» (शेष पेज 06 पर)

इंडिगो फ्लाइट को बम से उड़ाने की धमकी

टॉयलेट में टिशू पेपर पर मिला मैसेज, 5 घंटे बाद उड़ान भरी

अलर्ट

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ । दिल्ली जाने वाली इंडिगो फ्लाइट को शुक्रवार को उड़ान भरने से पहले चौधरी चरण सिंह इंटरनेशनल एयरपोर्ट, लखनऊ पर इमरजेंसी कॉल के बाद होल्ड कर दिया गया। फ्लाइट टेकअप करने वाली ही थी, तभी टॉयलेट में एक टिशू पेपर मिला, जिस पर बम लिखा था। इसके बाद पायलट ने एयर ट्रैफिक कंट्रोल (ATC) को सूचना दी और फ्लाइट इमरजेंसी में रोक दी गई।

ATC ने एयरपोर्ट अथॉरिटी और सुरक्षा एजेंसियों को अलर्ट किया, फिर लैंडिंग की अनुमति दी। इसके बाद सुबह 11:15 बजे फ्लाइट (6E-2111) को लखनऊ एयरपोर्ट पर उतारा गया। सभी 184 यात्रियों और उनके सामान को नीचे उतारा गया। करीब 3 घंटे तक चेकिंग चली। बम निरोधक दस्ता और अन्य एजेंसियों के जवानों ने फ्लाइट की जांच की। डॉग स्क्वायड ने यात्रियों के एक-एक सामान की चेकिंग की। हालांकि, किसी प्रकार की संदिग्ध वस्तु नहीं मिली। इसके बाद सभी यात्रियों को फ्लाइट में बैठा दिया गया। फ्लाइट दिल्ली के लिए शाम 4:28 बजे रवाना हो गया।

इसी फ्लाइट से पूर्व आईपीएस बीपी अशोक समेत कई लोगों को दिल्ली जाना था। यह फ्लाइट सुबह 9:41 बजे अहमदाबाद से आई थी। सुबह 11:00 बजे दिल्ली के लिए उड़ान भरी थी। इंडिगो एयरलाइन के प्रवक्ता का कहना है कि फ्लाइट के उड़ान भरने से पहले ही सिक्योरिटी थ्रेट मिली। नियम के अनुसार संबंधित अधिकारियों को सूचना दी गई और सुरक्षा जांच कराई गई।

> इंडिगो के प्रवक्ता ने कहा-लखनऊ से दिल्ली जाने वाली इंडिगो की फ्लाइट 6ई 2111 में उड़ान भरने से ठीक पहले सुरक्षा संबंधी खतरे की सूचना मिली। निर्धारित सुरक्षा प्रोटोकॉल का पालन करते हुए संबंधित अधिकारियों को तुरंत जानकारी दी गई और सुरक्षा में सहयोग किया गया।

एविएशन विभाग की भेजी जाएगी रिपोर्ट

इस मामले को लेकर सीआईएसएफ और ATC की तरफ से एक रिपोर्ट एवियशन डिपार्मेंट को भेजी जाएगी। अगर जांच में टिशू पर बम लिखने वाले की जानकारी होती है तब फिर उसको ट्रेस करके मुकदमा दर्ज किया जाएगा।

19 अक्टूबर 2024: स्टार एयर की फ्लाइट को धमकी

इससे पहले 19 अक्टूबर 2024 को लखनऊ से अजमेर के किशनगढ़ जा रही स्टार एयर की फ्लाइट में बम की धमकी मिली थी। धमकी के बाद विमान को तुरंत रोक दिया गया। कार्गो समेत चप्पे-चप्पे की तलाशी ली गई, लेकिन कुछ भी नहीं मिला था।

एयरपोर्ट रनवे पर सुरक्षा जवान स्नीफर डॉग लेकर पहुंचे। वहां एक-एक बैग को चेक किया गया।

खराब मौसम के चलते दिल्ली की तीन उड़ानें भी लखनऊ डायवर्ट

इससे पहले दिल्ली में खराब मौसम और प्रतिकूल परिस्थितियों के कारण तीन उड़ानों को भी लखनऊ एयरपोर्ट की ओर डायवर्ट किया गया।

6E1054 बैंकॉक-दिल्ली उड़ान रात 12:18 बजे लखनऊ पहुंची और सुबह 7:56 बजे दिल्ली के लिए रवाना हुई।

6E6317 गुवाहाटी-दिल्ली उड़ान रात 12:26 बजे लखनऊ पहुंची और 3:21 बजे दिल्ली के लिए रवाना हुई।

6E6573 नागपुर-दिल्ली उड़ान रात 12:42 बजे लखनऊ पहुंची और 3:12 बजे दिल्ली के लिए रवाना हुई।

एयरपोर्ट प्रशासन के अनुसार, लखनऊ में ठहराव के दौरान यात्रियों और चालक दल को सभी आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराई गईं।

कैबिनेट मंत्री बनने पर मनोज पांडेय का लखनऊ में सम्मान

राष्ट्रीय ब्राह्मण सभा ने गदा-चांदी का मुकुट भेंट किया

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। उत्तर प्रदेश सरकार में खाद्य एवं रसद तथा नागरिक आपूर्ति विभाग का कैबिनेट मंत्री बनाए जाने पर डॉ. मनोज कुमार पांडेय के सम्मान में शुक्रवार को चारबाग स्थित रविंद्रालय सभागार में भव्य ₹आशीर्वाद समारोह₹ का आयोजन किया गया। राष्ट्रीय ब्राह्मण सभा की ओर से आयोजित कार्यक्रम में संत-महात्माओं, आचार्यों, समाज के गणमान्य लोगों और बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने हिस्सा लिया।

समारोह के दौरान ब्राह्मण समाज के पदाधिकारियों ने मनोज पांडेय का पारंपरिक तरीके से स्वागत और सम्मान किया। उन्हें प्रतीक स्वरूप गदा भेंट की गई तथा चांदी का मुकुट पहनाकर आशीर्वाद प्रदान किया गया। कार्यक्रम में उपस्थित बड़ी संख्या में बटुकों का भी मंत्री ने सम्मान कर उनका उत्साहवर्धन किया। अपने संबोधन में मनोज पांडेय ने कहा कि उन्हें प्रदेश भर के आचार्यों, संतों और महामंडलेश्वरों का सम्मान करने का अवसर मिला है, जो उनके लिए सौभाग्य की बात है। उन्होंने कहा कि भारत की संस्कृति, विरासत और परंपराओं को संरक्षित एवं आगे बढ़ाने में संत समाज और विद्वानों की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। उन्होंने कहा कि समाज को उन लोगों के प्रति सम्मान और आदर की भावना रखनी चाहिए, जिन्होंने भारतीय संस्कृति और आध्यात्मिक परंपराओं को जीवित रखने में योगदान दिया है। ऐसे व्यक्तित्वों का सम्मान नई पीढ़ी को अपनी जड़ों से जोड़ने का कार्य करता है।

फास्ट न्यूज

बाप से झगड़ रहे बेटे के बीच आईं मां, मौत

लखनऊ। लखनऊ के सआदतगंज थाना क्षेत्र में गुरुवार रात बाप से झगड़ा कर रहे बेटे को हटाने आई मां गिर पड़ीं, जिससे उनकी मौत हो गई। इसके बाद मोहल्ले के लोगों ने बेटे को हैंडपंप से बांधकर पुलिस बुला ली। पुलिस जब उसे हिरासत में ले जाने लगी तो चिल्लाने लगा- मुझे अम्मा का मुंह तो दिखा दो। घटना कटरा बिजन बेग चौकी क्षेत्र के तकिया पीर ज्ञान मोहल्ले की है।

गत्ते में 7 दिन की बच्ची लावारिस मिली

लखनऊ। लखनऊ के गाजीपुर थाना क्षेत्र में कन्वेंशन सेंटर के पास आधी रात को गत्ते में 7 दिन की मासूम मिली है। बच्ची रो रही थी। रोने की आवाज सुनकर बच्ची के पास राहगीर पहुंचे और पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने डिब्बा खोला तो बच्ची कॉटन के बीच रखी गई थी।

बच्ची को गुलाबी टॉप और डायपर पहनाया गया था। सूचना मिलते ही पीआरवी, गाजीपुर थाना पुलिस और सर्वोदय नगर चौकी की टीम मौके पर पहुंची और बच्ची को अपनी सुरक्षा में लिया। यही वो छोटा सा बॉक्स है, जिसमें किसी ने 7 दिन की मासूम को कॉटन के बीच रखकर बेसहारा छोड़ दिया।

लुलु मॉल के सामने बनेगा फुट ओवरब्रिज

लखनऊ । लखनऊ में शहीद पथ पर स्थित लुलु मॉल के पास जल्द ही 100 मीटर लंबा और 5 मीटर चौड़ा अत्याधुनिक स्काई वॉक (फुट ओवरब्रिज) बनाया जाएगा। करीब 18 करोड़ रुपये की लागत वाली यह परियोजना पीपीपी मॉडल पर विकसित होगी, जिसका पूरा खर्च निजी कंपनी वहन करेगी। गुरुवार को एलडीए उपाध्यक्ष प्रथमेश कुमार की अध्यक्षता में हुई बैठक में परियोजना के प्रस्तुतीकरण के बाद निर्माण कार्य को मंजूरी दे दी गई।

राजधानी में डिप्टी सीएम ने 14 पॉलीक्लीनिक का लोकार्पण किया

यूपीएचसी अपग्रेड हुए, एक्सपर्ट डॉक्टर करेंगे इलाज

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ । लखनऊ के शहरी क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूत करने के लिए 14 नगरीय प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों को पॉलीक्लीनिक के रूप में अपग्रेड किया गया है। इन पॉलीक्लीनिक का लोकार्पण शुक्रवार को उपमुख्यमंत्री एवं स्वास्थ्य मंत्री ब्रजेश पाठक ने किया। कार्यक्रम में चिकित्सा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण राज्यमंत्री मयंकेश्वर शरण सिंह भी मौजूद रहे। स्वास्थ्य विभाग के अनुसार, इन पॉलीक्लीनिक के शुरू होने से मरीजों को विशेषज्ञ चिकित्सकों की सुविधा अपने घर के नजदीक ही मिल सकेगी और उन्हें छोटी-बड़ी बीमारियों के इलाज के लिए बड़े सरकारी अस्पतालों की दौड़ नहीं लगानी पड़ेगी। विभागीय योजना के मुताबिक सभी पॉलीक्लीनिक में आठ विशेषज्ञ चिकित्सकों की सेवाएं उपलब्ध कराई जाएंगी। इनमें स्त्री एवं प्रसूति रोग विशेषज्ञ, शिशु रोग विशेषज्ञ, जनरल फिजिशियन, नेत्र रोग विशेषज्ञ, अस्थि रोग विशेषज्ञ, त्वचा रोग विशेषज्ञ, ईएनटी सर्जन और मनोचिकित्सक शामिल हैं। पॉलीक्लीनिक में मरीजों के लिए आधुनिक सुविधाएं भी उपलब्ध रहेंगी। यहां एक्स-रे, अल्ट्रासाउंड, मिनी पैथोलॉजी लैब और ईसीजी जांच की सुविधा मिलेगी। साथ ही 63 प्रकार की डायग्नोस्टिक सेवाएं और 195 प्रकार की आवश्यक दवाएं भी उपलब्ध कराई जाएंगी। स्वास्थ्य विभाग के अनुसार, प्रत्येक पॉलीक्लीनिक में प्रतिदिन करीब 500 ओपीडी मरीजों को सेवाएं देने की क्षमता विकसित की गई है।

डबल इंजन सरकार का नया फॉर्मूला: मंत्री 'लाचार', अफ़सर 'सच्चे सरकार'! : वंशराज दुबे

'जब मंत्री की नहीं सुनी गई तो आम जनता की कौन सुनेगा'

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ । आम आदमी पार्टी उत्तर प्रदेश के मुख्य प्रदेश प्रवक्ता वंशराज दुबे ने ऊर्जा मंत्री एके शर्मा और पावर कॉर्पोरेशन के अध्यक्ष के बीच सार्वजनिक रूप से सामने आए विवाद को योगी सरकार की प्रशासनिक विफलता, भ्रष्टाचार और अफसरशाही के वर्चस्व का सबसे बड़ा प्रमाण बताते हुए कहा कि जब प्रदेश का ऊर्जा मंत्री अपने ही विभाग में हो रही कथित अनियमितताओं, जाति-धर्म के आधार पर भर्ती, अनुभवी कर्मचारियों की छंटनी और बिजली उपभोक्ताओं पर अतिरिक्त आर्थिक बोझ डालने जैसे मामलों में पत्र लिखकर गुहार लगाने को मजबूर हो जाए तो यह स्पष्ट हो जाता है कि उत्तर प्रदेश में लोकतांत्रिक सरकार नहीं बल्कि अफसरशाही का शासन चल रहा है। उन्होंने कहा कि डबल इंजन सरकार का पूरा मॉडल फेल हो चुका है और जनता के चुने हुए प्रतिनिधियों को केवल शोपीस बनाकर रखा गया है। वंशराज दुबे ने कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ प्रदेश में रामराज्य का दावा करते हैं, लेकिन ऊर्जा मंत्री की बेबसी ने उस दावे की सच्चाई उजागर कर दी है। सवाल यह है कि सरकार में बड़ी किसकी है—मंत्री की कुर्सी या अफसर की कलम? यदि मंत्री के आदेशों का पालन नहीं हो रहा, यदि उनकी आपत्तियों को लगातार नजरअंदाज किया जा रहा है, तो फिर सरकार चल कौन रहा है? यह स्थिति लोकतांत्रिक व्यवस्था के लिए बेहद चिंताजनक है।

उन्होंने कहा कि सबसे शर्मनाक तथ्य यह है कि ऊर्जा मंत्री को बिजली उपभोक्ताओं पर लगाए गए 10 प्रतिशत अतिरिक्त फ्यूल एंड पावर परचेज एडजस्टमेंट सरचार्ज की जानकारी भी विभाग से नहीं बल्कि मीडिया रिपोर्टों के माध्यम से मिली। यह किसी हास्य व्यंग्य का विषय नहीं बल्कि शासन व्यवस्था की गंभीर विफलता है।

डबल इंजन नहीं, अफसरों और भ्रष्टाचार की सरकार बन चुकी है भाजपा सरकार : वंशराज दुबे

निगम में जाति और धर्म के आधार पर फैसले लिए जा रहे

वंशराज दुबे ने कहा कि मीडिया में प्रकाशित रिपोर्टों के अनुसार ऊर्जा मंत्री एके शर्मा ने स्वयं पावर कॉर्पोरेशन के अध्यक्ष को पत्र लिखकर आरोप लगाया है कि निगम में जाति और धर्म के आधार पर फैसले लिए जा रहे हैं, अनुभवी कर्मचारियों को हटाया जा रहा है और उनकी जगह अकुशल लोगों की नियुक्तियां की जा रही हैं। मंत्री ने यह भी लिखा कि कई बार निर्देश देने के बावजूद उनकी बात नहीं मानी गई। इससे बड़ा दुर्भाग्य और क्या हो सकता है कि प्रदेश का एक कैबिनेट मंत्री अपने ही विभाग में असहाय दिखाई दे रहा है।

- ऊर्जा विभाग की अंतर्कलह पर आप मुख्य प्रवक्ता वंशराज दुबे का हमला, मंत्री के आरोपों ने योगी सरकार की पोल खोली
- साहब की 'कुर्सी' बड़ी या अफ़सर की 'कलम'? ऊर्जा मंत्री की बेबसी ने खोली 'रामराज्य' की पोल!: वंशराज दुबे
- मंत्री जी अखबार पढ़कर जानते हैं विभाग का हाल, वाह री डबल इंजन सरकार की बेमिसाल चाल!: वंशराज दुबे

अंतर्राष्ट्रीय बालश्रम निषेध दिवस के अवसर पर विशेष जन जागरूकता कार्यक्रम संपन्न

'2027 तक होगा बालश्रममुक्त प्रदेश'

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ । अंतर्राष्ट्रीय बालश्रम निषेध दिवस के अवसर पर इन्दिरा गांधी प्रतिष्ठान लखनऊ में श्रम एवं सेवा योजन विभाग उत्तर प्रदेश द्वारा एक विशेष जन जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य बालश्रम उन्मूलन के प्रति जन जागरूकता बढ़ाना तथा बच्चों की शिक्षा सुरक्षा एवं समग्र विकास के अधिकारों के प्रति समाज को संवेदनशील बनाना है। इसके साथ ही प्रदेश सरकार के संकल्प पत्र के क्रम में वर्ष 2027 तक उत्तर प्रदेश को बालश्रम मुक्त बनाने के लक्ष्य के प्रति जनसहभागिता को प्रोत्साहित किया गया और बालश्रम निषेध संबंधी विधिक प्रावधानों की जानकारी भी उपलब्ध करायी गई। इस अवसर पर प्रदेश के 15 जनपदों के 141 हॉट-स्पॉट-क्षेत्रों को बाल श्रम मुक्त घोषित किया गया। बाल श्रम में संलिप्त बच्चों को मुक्त कराकर विद्यालयों में प्रवेश दिलाया जा रहा है तथा उनके परिवारों को विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं से जोड़ा जा रहा है, ताकि उनके बच्चे बालश्रम की ओर उन्मुख न होकर अपने भविष्य के लिए ही चिन्तित रहे। उन्होंने कहा कि श्रम विभाग एवं सहयोगी संस्थाओं के संयुक्त प्रयासों से प्रदेश के 15 जनपदों को दिसंबर 2026 तक बाल श्रममुक्त बनाए जाने की कार्यवाही चल रही है तथा सरकार ने वर्ष 2027 तक पूरे उत्तर प्रदेश को बाल श्रम मुक्त बनाने का संकल्प लिया है। प्रमुख सचिव, श्रम एवं सेवायोजन, डॉ० एम० के० शन्मुगा सुन्दरम ने कहा कि आज 141 शहरी वार्डों एवं ग्राम पंचायतों को बाल श्रम मुक्त घोषित किया जा रहा है।

15 जनपदों को दिसंबर 2026 तक बाल श्रम मुक्त किया जाएगा-प्रमुख सचिव

- बतौर मुख्य अतिथि, श्रम एवं सेवायोजन मंत्री अनिल राजभर ने कहा कि प्रदेश सरकार बाल श्रम उन्मूलन के लिए प्रतिबद्ध है। प्रत्येक बच्चे को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध कराना तथा उनके शैक्षिक, बौद्धिक एवं शारीरिक विकास को सुनिश्चित करना सरकार की प्राथमिकता है।

वर्ष 2027 तक प्रदेश को बालश्रम मुक्त करना लक्ष्य

मंत्री जी ने कहा कि सरकार का संकल्प है कि वर्ष 2027 तक प्रदेश को बालश्रम मुक्त कर देना है। इसके लिए हरसंभव प्रयास किये जायेंगे, ताकि हमारे देश के भविष्य नौनिहालों का भविष्य उज्ज्वल हो सके। यही कारण है कि सरकार द्वारा अटल आवसीय विद्यालय संचालित किये जा रहे है, जिसमें वो समस्त सुविधाएं उपलब्ध करायी जा रही है जो उच्चकाटि के विद्यालयों में है, जहाँ श्रमिक का बच्चा शिक्षा प्राप्त

2 तस्कर गिरफ्तार 60 लाख की खेप बरामद

नेपाल से लाते थे, मुंबई-पुणे में सप्लाई करते थे

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ । उत्तर प्रदेश एसटीएफ ने लखनऊ से ब्राउन शुगर सप्लाई करने वाले दो तस्करों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों के कब्जे से 600 ग्राम ब्राउन शुगर बरामद हुई है, जिसकी अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमत करीब 60 लाख रुपए है। दोनों आरोपी नेपाल से ब्राउन शुगर लाकर महाराष्ट्र के शहरों में सप्लाई करते थे।

एसटीएफ ने बुधवार रात इटौंजा टोल प्लाजा के पास कार्रवाई करते हुए लखीमपुर खीरी निवासी प्रकाश सिंह और आकाशदीप सिंह को गिरफ्तार किया। टीम को सूचना मिली थी कि दोनों तस्कर ब्राउन शुगर की खेप लेकर लखनऊ आ रहे हैं। प्रदेश के विभिन्न जिलों में मादक पदार्थों की तस्करी की सूचनाओं के बाद एसटीएफ की बरेली यूनिट लगातार निगरानी कर रही थी। इसी दौरान मिले इनपुट के आधार पर इटौंजा टोल प्लाजा पर जाल बिछाया गया। रात करीब 8:50 बजे दोनों आरोपियों को पकड़ लिया गया।

तलाशी में 600 ग्राम ब्राउन शुगर के अलावा एक मोटरसाइकिल, दो मोबाइल फोन, चार एटीएम कार्ड, एक आधार कार्ड और 150 नेपाली रुपये बरामद किए गए। पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि वे नेपाल से हेरोइन (ब्राउन शुगर) खरीदकर लाते थे और उसे मुंबई व पुणे में ऊंचे दामों पर बेचते थे।

एलयू में निष्कासित छात्रों को परीक्षा से रोका तीखी नोकझोंक

छात्रों का धरना 11वें दिन भी धरना जारी, माता प्रसाद पांडेय भी पहुंचे

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय में निष्कासित छात्रों को परीक्षा में शामिल होने से रोके जाने पर शुक्रवार को नया विवाद खड़ा हो गया। परीक्षा केंद्र पर पहुंचे निष्कासित छात्रों और प्रॉक्टोरियल बोर्ड के सदस्यों के बीच तीखी नोकझोंक हुई।

छात्र परीक्षा देने की मांग पर अड़े रहे, जबकि प्रॉक्टोरियल बोर्ड ने परीक्षा नियंत्रक के आदेश का हवाला देते हुए उन्हें प्रवेश देने से इनकार कर दिया। इस दौरान परीक्षा केंद्र के बाहर काफी देर तक हंगामे की स्थिति बनी रही। छात्रों का कहना था कि परीक्षा में शामिल होने का अवसर उनका शैक्षणिक अधिकार है, जबकि विश्वविद्यालय प्रशासन अनुशासनात्मक कार्रवाई के आधार पर उन्हें परीक्षा से वंचित कर रहा है। काफी देर तक चले विवाद के बाद छात्रों को परीक्षा केंद्र में प्रवेश नहीं मिला।

हमारी हत्या कर दो- का लगाया पोस्टर

बैनर के सामने छात्रों द्वारा हाथों में लिए गए पोस्टरों पर लिखा था "या तो निष्कासन वापस लो, या हमारी हत्या कर दो, हम छात्र हैं अपराधी नहीं।" इस संदेश के जरिए छात्रों ने अपनी नाराजगी और मानसिक पीड़ा को व्यक्त करने का प्रयास किया। छात्रों ने धरना स्थल पर "अनिश्चितकालीन धरना, निष्कासन नहीं न्याय चाहिए" का बैनर भी लगाया। बैनर में तीनों निष्कासित छात्र नेताओं की बहाली, छात्रहितों की बात करने पर हुई अनुशासनात्मक कार्रवाई वापस लेने और फीस वृद्धि को निरस्त करने की मांग की गई है।

डील : यूपी के 1.5 लाख से अधिक युवाओं को मिलेगी नि :शुल्क फाइनेंशियल स्किल्स की ट्रेनिंग

उत्तर प्रदेश कौशल विकास मिशन और एनएसई के बीच हुआ एमओयू

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ । प्रदेश के युवाओं को हुनरमंद बनाकर रोजगार से जोड़ना ही अब योगी सरकार का लक्ष्य नहीं है, बल्कि अपनी प्राथमिकताओं का दायरा बढ़ाते हुए युवाओं को आर्थिक रूप से सशक्त, जागरूक और भविष्य की चुनौतियों के लिए तैयार नागरिक बनाना भी प्राथमिकता है। मुख्यमंत्री के इसी विजन को धरातल पर उतारते हुए उत्तर प्रदेश कौशल विकास मिशन (यूपीएसडीएम) और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) के बीच शुक्रवार को एमओयू हुआ। योगी सरकार की इस पहल पर पहली बार कौशल प्रशिक्षण को वित्तीय शिक्षा से जोड़ा जा रहा है। इस साझेदारी के तहत यूपीएसडीएम तथा दीन दयाल उपाध्याय ग्रामीण कौशल्य योजना (डीडीयू जीकेवाई) के अंतर्गत प्रदेश भर में 1000 से अधिक ट्रेनिंग सेंटर में प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे 1.5 लाख से अधिक युवाओं को अगले हफ्ते से फाइनेंशियल स्किलिंग की विशेष ट्रेनिंग दी जाएगी। प्रदेश के व्यावसायिक शिक्षा, कौशल विकास एवं उद्यमशीलता राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) कपिल देव अग्रवाल ने कहा कि यह एमओयू प्रदेश के युवाओं के जीवन में एक महत्वपूर्ण बदलाव लेकर आएगा। कौशल प्रशिक्षण के बाद रोजगार पाने वाले युवा अब केवल आय अर्जित नहीं करेंगे, बल्कि यह भी समझेंगे कि पहली सैलरी का सही उपयोग कैसे करें, बजट और बचत कैसे शुरू करें, इन्वेस्टमेंट कब और कहां करना चाहिए, लोन से कैसे बचना है, भविष्य की आर्थिक सुरक्षा कैसे तैयार करनी है।

वर्कशॉप का आयोजन

एमओयू से पहले मिशन मुख्यालय स्थित सभागार में फाइनेंशियल लिटरेसी एंड अवेयरनेस वर्कशॉप का आयोजन किया गया, जिसमें विभागीय अधिकारियों, कर्मचारियों को वित्तीय जागरूकता एवं आर्थिक निर्णय क्षमता का महत्व बताया गया। मिशन निदेशक भी वर्कशॉप में मौजूद रहे। उन्होंने कहा कि आज के समय में ऑनलाइन फ्रॉड, फर्जी निवेश योजनाओं और वित्तीय अनिश्चितताओं के दौर में युवाओं को वित्तीय शिक्षा देना समय की सबसे बड़ी आवश्यकता बन गया है। इसी को ध्यान में रखते हुए हमने फाइनेंशियल स्किलिंग की ट्रेनिंग देने का निर्णय लिया है ।

- यूपीएसडीएमयू और डीडीयू-जीकेवाई के 1000 से अधिक केन्द्रों में कौशल प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे युवा होंगे लाभांवित
- रोजगार के साथ-साथ युवाओं को 'स्किल + फाइनेंशियल इंटेलीजेंस' मॉडल पर आत्मनिर्भर बनाएगा मिशन
- मिशन मुख्यालय में वर्कशॉप का आयोजन, अधिकारियों और कर्मचारियों ने भी जानें फाइनेंस मैनेजमेंट के 12 मूल मंत्र

सपा से वीरेंद्र शुक्ला का निष्कासन रद्द

प्रदेश अध्यक्ष के निर्देश पर पार्टी में हुई वापसी, बोले- अनुशासन में काम करना प्राथमिकता

कार्रवाई

तमसा संकेत, एजेंसी

उन्नाव। समाजवादी पार्टी ने उन्नाव में एक महत्वपूर्ण संगठनात्मक फैसला लेते हुए पूर्व जिला उपाध्यक्ष वीरेंद्र शुक्ला का निष्कासन रद्द कर दिया है। प्रदेश अध्यक्ष श्याम लाल पाल के निर्देश पर यह कार्रवाई की गई, जिसके बाद वीरेंद्र शुक्ला की पार्टी में औपचारिक रूप से वापसी हो गई। इस निर्णय के बाद जिले के राजनीतिक गलियारों में नई चर्चाएं शुरू हो गई हैं और सपा कार्यकर्ताओं में उत्साह का माहौल देखा जा रहा है। शुक्लागंज निवासी वीरेंद्र शुक्ला लंबे समय से समाजवादी पार्टी से जुड़े रहे हैं। उन्होंने संगठन में विभिन्न जिम्मेदारियों का निर्वहन किया है और पूर्व में जिला उपाध्यक्ष पद की जिम्मेदारी भी संभाल चुके हैं।

प्रदेश नेतृत्व के निर्देश पर लिया गया निर्णय

समाजवादी पार्टी के जिलाध्यक्ष राजेश यादव ने प्रदेश नेतृत्व के निर्देशों का पालन करते हुए वीरेंद्र शुक्ला के निष्कासन संबंधी आदेश को निरस्त कर दिया। इसके साथ ही उन्हें दोबारा पार्टी की गतिविधियों में सक्रिय रूप से भाग लेने का अवसर मिल गया है। पार्टी सूत्रों के अनुसार यह फैसला संगठन को मजबूत करने और पुराने व अनुभवी कार्यकर्ताओं को फिर से सक्रिय भूमिका में लाने की रणनीति का हिस्सा माना जा रहा है।

पार्टी नेतृत्व का जताया आभार

निष्कासन आदेश निरस्त होने के बाद वीरेंद्र शुक्ला ने समाजवादी पार्टी नेतृत्व के प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि समाजवादी पार्टी उनकी राजनीतिक विचारधारा का केंद्र रही है उन्होंने प्रदेश अध्यक्ष श्याम लाल पाल और जिलाध्यक्ष राजेश यादव का धन्यवाद करते हुए कहा कि पार्टी ने उन पर जो विश्वास जताया है।

राजनीतिक हलकों में चर्चा तेज

राजनीतिक जानकारों का मानना है कि वीरेंद्र शुक्ला की वापसी से शुक्लागंज और आसपास के क्षेत्रों में समाजवादी पार्टी को संगठनात्मक लाभ मिल सकता है। साथ ही यह फैसला पार्टी नेतृत्व के उस संदेश को भी मजबूत करता है कि संगठन में पुराने और समर्पित कार्यकर्ताओं को उचित सम्मान और अवसर दिया जाएगा। उन्नाव की राजनीति में इस घटनाक्रम को समाजवादी पार्टी की संगठनात्मक रणनीति के रूप में देखा जा रहा है, जिसका असर आने वाले समय में स्थानीय राजनीतिक गतिविधियों और चुनावी समीकरणों पर भी पड़ सकता है।

बताया जा रहा है कि प्रदेश अध्यक्ष श्याम लाल पाल के नेतृत्व में समाजवादी पार्टी संगठन विस्तार और मजबूती पर विशेष ध्यान दे रही है। इसी क्रम में ऐसे कार्यकर्ताओं को फिर से संगठन से जोड़ने की पहल की जा रही है, जिन्होंने लंबे समय तक पार्टी के लिए काम किया है। पार्टी नेतृत्व का मानना है कि अनुभवी नेताओं और कार्यकर्ताओं की सक्रिय भागीदारी से संगठन को जमीनी स्तर पर मजबूती मिलेगी तथा आगामी राजनीतिक कार्यक्रमों और चुनावी तैयारियों में बेहतर परिणाम हासिल करने में मदद मिलेगी।

रायबरेली के डलमऊ गंगा घाट पर बाढ़ आपदा मॉकड्रिल संपन्न

प्रशासन और स्थानीय जांबाजों ने दिखाई तैयारी

तमसा संकेत, एजेंसी

रायबरेली। रायबरेली के डलमऊ स्थित रानी जी शिवाला घाट पर बाढ़ आपदा प्रबंधन की मॉकड्रिल आयोजित की गई। प्रदेश सरकार की जीरो टॉलरेंस नीति के तहत यह अभ्यास संभावित आपदाओं में आमजन की सुरक्षा और त्वरित बचाव कार्य सुनिश्चित करने के उद्देश्य से किया गया। मुख्यमंत्री की प्राथमिकताओं के अनुरूप, डलमऊ का प्रशासनिक अमला सुबह 10 बजे से ही गंगा तट पर मुस्तैद था। एसडीएम सत्येंद्र सिंह, नायब तहसीलदार वीरेंद्र सिंह, एआरटीओ और कोतवाली प्रभारी राघवन सिंह सहित वरिष्ठ अधिकारियों ने इस कार्यक्रम का नेतृत्व किया, जिससे प्रशासन की उच्च स्तरीय सतर्कता प्रदर्शित हुई। मॉकड्रिल के दौरान बाढ़ या जलभराव जैसी आपातकालीन

स्थितियों में फंसे नागरिकों को सुरक्षित निकालने के लिए आधुनिक और पारंपरिक बचाव तकनीकों का प्रदर्शन किया गया। स्थानीय स्तर पर आपदा मित्रों को तैयार करने के लिए बड़ी संख्या में नाविकों और गोताखोरों को इस अभियान में शामिल किया गया। इन स्थानीय जांबाजों ने प्रशासनिक मार्गदर्शन में संकट से निपटने का असाधारण कौशल और साहस दिखाया। घाट पर मौजूद ग्रामीणों और स्थानीय नागरिकों ने इस अभ्यास की सराहना की और आपदा प्रबंधन की बारीकियों को सीखा। एसडीएम सत्येंद्र सिंह ने बताया कि जन-धन की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि रानी जी शिवाला घाट पर हुई यह मॉकड्रिल पूरी तरह सफल रही है, जो स्थानीय प्रशासन की बाढ़ आपदा से निपटने और प्रभावी राहत कार्य संचालित करने की क्षमता को दर्शाती है।

फास्ट न्यूज

ससुर पर शारीरिक संबंध बनाने का दबाव डालने का आरोप

हरदोई। हरदोई के शाहाबाद कोतवाली क्षेत्र की एक विवाहिता ने अपने ससुर पर जबरन शारीरिक संबंध बनाने का दबाव डालने का गंभीर आरोप लगाया है। पीड़िता का कहना है कि इस मामले में उसका पति भी ससुर का साथ दे रहा था। पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर शाहाबाद पुलिस ने पति समेत पांच लोगों के खिलाफ विभिन्न धाराओं में मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

बाराबंकी में 25 वर्षीय युवक का शव मिला

बाराबंकी। बाराबंकी जिले के बदोसराय कोतवाली क्षेत्र के बरदरी गांव में एक 25 वर्षीय युवक का शव उसके घर के अंदर फांसी के फंदे से लटका हुआ मिला। इस घटना से इलाके में सनसनी फैल गई। सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस तुरंत मौके पर पहुंची और शव को फंदे से उतारकर अपने कब्जे में ले लिया। पुलिस के अनुसार, प्रारंभिक जांच में यह आत्महत्या का मामला प्रतीत हो रहा है। हालांकि, ग्रामीणों के बीच चर्चा है कि युवक किसी प्रेम प्रसंग के चलते तनाव में था, जिसके कारण उसने यह कदम उठाया।

अनियंत्रित ट्रैक्टर पलटने से ड्राइवर की मौत

हरदोई। हरदोई के हरपालपुर कोतवाली क्षेत्र में एक सड़क हादसे में ट्रैक्टर चालक की मौत हो गई। सामने से आ रहे वाहन को बचाने के प्रयास में ट्रैक्टर अनियंत्रित होकर खंती में पलट गया। इस दुर्घटना में फर्रुखाबाद निवासी चालक वीरेंद्र सिंह की मौके पर ही मौत हो गई। हादसा गुरवार देर रात हुआ है। मृतक की पहचान फर्रुखाबाद जनपद के शमशाबाद थाना क्षेत्र के हरसिंहपुर तराई गांव निवासी 57 वर्षीय वीरेंद्र सिंह के रूप में हुई है।

नहरों-माइनरों में पानी नहीं, किसानों की फसल प्रभावित

कांग्रेस नेता ने रायबरेली जिलाधिकारी को ज्ञापन सौंपा

तमसा संकेत, एजेंसी

रायबरेली। रायबरेली में 12 जून 2026 को 'दिशा' की सदस्य किरन देवी ने जिलाधिकारी सर नीत कौर ब्रोका को ज्ञापन सौंपा। यह ज्ञापन अमेठी संसदीय क्षेत्र के सलोन विधानसभा के अंतर्गत आने वाली नहरों और माइनरों में पानी की कमी को लेकर दिया गया।

किसानों की धान की फसल की बुवाई में देरी हो रही है, जिससे वे परेशान हैं।ज्ञापन में विकास खंड डीह के डीह रजबहा और उदयपुर रजबहा, साथ ही विकास खंड छतोंह के घाटमपुर माइनर, छतोंह माइनर, बभनपुर माइनर और सुलईपुर जैसी नहरों व माइनरों का उल्लेख किया गया। इन जलस्रोतों में पानी न आने के कारण किसानों को धान की नर्सरी डालने और फसल की रोपाई करने में भारी कठिनाई का सामना करना पड़ रहा

है।किसानों की इस गंभीर समस्या पर जिलाधिकारी रायबरेली ने तत्काल संज्ञान लिया। उन्होंने नहर विभाग के अधिकारियों से फोन पर बात की और उन्हें नहरों व माइनरों में तुरंत जल प्रवाहित करने का निर्देश दिया।

जिलाधिकारी ने कांग्रेस नेता किरन देवी को आश्वासन दिया कि 20 जून 2026 तक सलोन विधानसभा क्षेत्र की सभी नहरों और माइनरों में पानी पहुंच जाएगा। इससे किसान समय पर अपनी धान की नर्सरी डाल सकेंगे और फसल की रोपाई भी कर पाएंगे।

डीएम ने अंतरराष्ट्रीय योग दिवस की तैयारियों की समीक्षा की

उन्नाव में 21 को परेड ग्राउंड में गूंजेगा योग का संदेश

तमसा संकेत, एजेंसी

उन्नाव। उन्नाव में 12वें अंतरराष्ट्रीय योग दिवस की तैयारियों को लेकर जिलाधिकारी घनश्याम मीणा ने अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की। उन्होंने 15 जून से शुरू होने वाले योग सप्ताह और 21 जून को आयोजित होने वाले मुख्य कार्यक्रम के लिए व्यापक जनभागीदारी के साथ भव्य आयोजन के निर्देश दिए। बैठक में इस वर्ष के अंतरराष्ट्रीय योग दिवस की थीम ₹Yoga for Healthy Aging₹ पर चर्चा की गई। जिलाधिकारी ने बताया कि 15 जून से योग सप्ताह का शुभारंभ होगा, जिसके तहत विभिन्न स्तरों पर योग संबंधी कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। उन्होंने योग को स्वस्थ जीवनशैली का महत्वपूर्ण आधार

बताते हुए अधिक से अधिक लोगों को इससे जोड़ने पर जोर दिया। जिलाधिकारी ने निर्देश दिए कि जनपद स्तर पर 21 जून को उन्नाव के परेड ग्राउंड में एक भव्य सामूहिक योगाभ्यास कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। इस कार्यक्रम में एनसीसी, स्काउट-गाइड, विद्यालयों और महाविद्यालयों के छात्र-छात्राएं, अधिकारी, जनप्रतिनिधि और बड़ी संख्या में आमजन भाग लेंगे। उन्होंने सभी योग क्रियाओं का सामूहिक अभ्यास सुनिश्चित करने और कार्यक्रम को उत्सव के रूप में मनाने को कहा। कार्यक्रमों के सफल संचालन के लिए जनपद स्तर पर अपर जिलाधिकारी (वित्त एवं राजस्व), तहसील स्तर पर उप जिलाधिकारियों तथा विकासखंड स्तर पर खंड विकास अधिकारियों को नोडल अधिकारी नामित किया गया। साथ ही, प्रत्येक ग्राम पंचायत, तहसील और विकासखंड में योग दिवस कार्यक्रम आयोजित करने के निर्देश दिए गए। योग प्रशिक्षकों की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित करने को भी कहा गया। जिलाधिकारी ने जिला विद्यालय निरीक्षक को विद्यालयों में रंगोली, भाषण, निबंध और अन्य प्रतियोगिताएं आयोजित कराने के निर्देश दिए।

बाल विकास एवं पुष्टाहार विभाग की सेक्टर मीटिंग

आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं को केंद्र संचालन और पोषण ट्रैकर पर कार्य करने के निर्देश

तमसा संकेत, एजेंसी

रायबरेली। बाल विकास एवं पुष्टाहार विभाग की ओर से शिवगढ़ ब्लॉक सभागार में सेक्टर स्तरीय बैठक का आयोजन किया गया। बैठक का उद्देश्य आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं को विभागीय योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन और कार्यप्रणाली को बेहतर बनाने के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान करना था। बैठक की अध्यक्षता मुख्य सेविका आकांक्षा पाण्डेय ने की। उन्होंने आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं को केंद्रों के नियमित संचालन, लाभार्थियों को समयबद्ध पुष्टाहार वितरण तथा पोषण ट्रैकर के माध्यम से किए जाने वाले विभिन्न कार्यों के संबंध में विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने कहा कि सरकार की योजनाओं का लाभ पात्र लाभार्थियों तक पारदर्शी और प्रभावी तरीके से पहुंचाना सभी कार्यकर्ताओं की प्राथमिक जिम्मेदारी

बाल विकास एवं पुष्टाहार विभाग की सेक्टर मीटिंग।

है। मुख्य सेविका ने आंगनबाड़ी केंद्रों पर संचालित गतिविधियों की समीक्षा करते हुए कार्यकर्ताओं को रिकॉर्ड संधारण, बच्चों एवं गर्भवती महिलाओं की निगरानी तथा पोषण संबंधी आंकड़ों को समय पर पोषण ट्रैकर में अपडेट करने के निर्देश दिए। उन्होंने कार्यों में गुणवत्ता, समयबद्धता और दक्षता बनाए रखने पर विशेष बल दिया। बैठक में नेरथुवा सेक्टर की आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों ने सक्रिय सहभागिता की।

एक्सप्रेसवे पर अज्ञात वाहन की टक्कर से मजदूर की मौत

उन्नाव में पैदल घर लौट रहे थे अधेड़, सीसीटीवी खंगाल रही पुलिस

तमसा संकेत, एजेंसी

उन्नाव। उन्नाव में आगरा-लखनऊ एक्सप्रेसवे पर सड़क हादसे में मजदूर की मौत हो गई। वह देर शाम पैदल घर लौट रहे थे, तभी किसी अज्ञात वाहन ने उन्हें टक्कर मार दी। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजकर मामले की जांच शुरू कर दी है। उन्नाव के औरास थाना क्षेत्र में आगरा-लखनऊ एक्सप्रेसवे पर अज्ञात वाहन की टक्कर से एक अधेड़ की मौत हो गई। हादसे के बाद परिवार में कोहराम मच गया। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और अज्ञात वाहन की तलाश शुरू कर दी है। मृतक की पहचान जमालनगर गांव निवासी रामचंद्र (55) पुत्र

स्वर्गीय श्रीराम के रूप में हुई है। वह मजदूरी कर परिवार का भरण-पोषण करते थे। परिजनों के अनुसार, गुरुवार देर शाम वह किसी काम से बाहर गए थे और पैदल ही घर वापस लौट रहे थे। इसी दौरान आगरा-लखनऊ एक्सप्रेसवे पर किसी अज्ञात वाहन ने उन्हें जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि रामचंद्र गंभीर रूप से घायल होकर सड़क पर गिर पड़े। राहगीरों ने घटना की सूचना पुलिस को दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने उन्हें अस्पताल पहुंचाने का प्रयास किया, लेकिन तब तक उनकी मौत हो चुकी थी। घटना की खबर मिलते ही परिवार में मातम छा गया। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। ग्रामीणों ने बताया कि रामचंद्र मेहनती और सरल स्वभाव के व्यक्ति थे। उनके परिवार में पत्नी, दो बेटे और दो बेटियां हैं। परिवार की आर्थिक स्थिति पहले से ही सामान्य थी और अब कमाने वाले सदस्य की मौत से परिवार पर आर्थिक संकट गहरा गया है। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। मामले की जांच की जा रही है और आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज भी खंगाली जा रही है। तहरीर और जांच के आधार पर आगे की विधिक कार्रवाई की जाएगी।

उन्नाव में सड़क सुरक्षा पर प्रशासन सख्त

ढाबा संचालकों को चेतावनी, अफसरों ने भारी वाहन सड़क किनारे खड़े न करने को कहा

तमसा संकेत, एजेंसी

उन्नाव। उन्नाव में सड़क दुर्घटनाओं को कम करने और यातायात सुरक्षा के प्रति जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से शुक्रवार को रिजर्व पुलिस लाइन में एक गोष्ठी आयोजित की गई। इसकी अध्यक्षता अपर पुलिस अधीक्षक उत्तरी अखिलेश सिंह और क्षेत्राधिकारी यातायात अजय कुमार सिंह ने की। गोष्ठी में पुलिस क्रिटिकल केयर (सीसी टीम) के सदस्यों के साथ जिले के होटल और ढाबा संचालक शामिल हुए। गोष्ठी को संबोधित करते हुए अपर पुलिस अधीक्षक उत्तरी अखिलेश सिंह ने कहा कि सड़क दुर्घटनाओं की रोकथाम केवल पुलिस की नहीं, बल्कि समाज के हर वर्ग की जिम्मेदारी है। उन्होंने होटल और ढाबा संचालकों से अपील की कि वे अपने प्रतिष्ठानों पर आने वाले वाहन चालकों, खासकर ट्रक और भारी वाहनों के चालकों को सुरक्षित और जिम्मेदार

सिंह ने बताया कि लंबे समय तक वाहन चलाने से चालक अक्सर थकान का शिकार हो जाते हैं, जो गंभीर दुर्घटनाओं का एक प्रमुख कारण है। उन्होंने चालकों को पर्याप्त विश्राम करने और थकान होने पर वाहन न चलाने के लिए जागरूक करने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूकता बढ़ाकर कई दुर्घटनाओं को टाला जा सकता है। क्षेत्राधिकारी यातायात अजय कुमार सिंह ने दुर्घटनाओं के प्रमुख कारणों, यातायात नियमों के पालन और दुर्घटना होने पर त्वरित सहायता प्रदान करने की प्रक्रिया के बारे में जानकारी दी। उन्होंने होटल और ढाबा संचालकों से अपने प्रतिष्ठानों पर सड़क सुरक्षा संदेश, पोस्टर और जागरूकता सामग्री प्रदर्शित करने का आग्रह किया।

ड्राइविंग के लिए प्रेरित करें। साथ ही, किसी भी दुर्घटना या आपात स्थिति की सूचना तत्काल पुलिस और आपातकालीन सेवाओं को देने पर जोर दिया। गोष्ठी में पुलिस क्रिटिकल केयर (सीसी टीम) के सदस्यों को भी विशेष निर्देश दिए गए। उन्हें सड़क दुर्घटनाओं में घायलों को त्वरित सहायता प्रदान करने, 'गोल्डन ऑवर' के महत्व को समझने और आपातकालीन स्थितियों में प्रभावी कार्रवाई करने के लिए प्रशिक्षित किया गया। अधिकारियों ने दुर्घटना पीड़ितों को शीघ्र चिकित्सा सहायता उपलब्ध कराकर उनकी जान बचाने के लिए संवेदनशील एवं सक्रिय कार्यशैली अपनाने पर बल दिया। कार्यक्रम में सड़क दुर्घटनाओं की रोकथाम, यातायात नियमों के पालन को बढ़ावा देने तथा पुलिस और समाज के विभिन्न वर्गों के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करने पर भी विस्तृत चर्चा हुई। अंत में उपस्थित सभी प्रतिभागियों ने सड़क सुरक्षा के प्रति जनजागरूकता फैलाने और दुर्घटनाओं को कम करने के लिए पुलिस प्रशासन का पूर्ण सहयोग करने का आश्वासन दिया।

घटना : बाराबंकी में पत्नी का पैर कटा, प्लेटफॉर्म पर बिलखते रहे तीन मासूम

चलती ट्रेन में चढ़ने की कोशिश में पति की मौत

तमसा संकेत, एजेंसी

बाराबंकी। बाराबंकी रेलवे स्टेशन पर गुरुवार रात एक दर्दनाक रेल हादसे ने हर किसी को झकझोर कर रख दिया। उत्सर्ग एक्सप्रेस में सवार होने के दौरान एक दंपती ट्रेन की चपेट में आ गया। हादसे में पति की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि पत्नी गंभीर रूप से घायल हो गई। सबसे मार्मिक दृश्य यह रहा कि घटना के समय उनके तीन छोटे-छोटे बच्चे प्लेटफॉर्म पर मौजूद थे और माता-पिता को इस हालत में देखकर फूट-फूटकर रोने लगे। ट्रेन की गति बढ़ने के दौरान मनोज का संतुलन बिगड़ गया और उनका पैर फिसल गया। देखते ही देखते वह ट्रेन और पटरी के बीच जा गिरे। हादसा इतना भयावह था कि उन्हें गंभीर चोटें आईं और मौके पर ही उनकी मौत हो गई।

आजमगढ़ जा रहा था पूरा परिवार

प्राप्त जानकारी के अनुसार, मृतक की पहचान मनोज कुमार (32 वर्ष) के रूप में हुई है, जो मूल रूप से आजमगढ़ के रहने वाले थे और लखनऊ के गोमती नगर क्षेत्र में एक निजी कंपनी में नौकरी करते थे। वह अपनी पत्नी वंदना (28 वर्ष), सात वर्षीय बेटी हिमांशी, चार वर्षीय बेटी स्नेहा और छह माह के बेटे आंशिक के साथ अपने घर आजमगढ़ जाने के लिए उत्सर्ग एक्सप्रेस से यात्रा कर रहे थे। परिवार ने जनरल कोच का टिकट लिया था और ट्रेन से अपने गंतव्य की ओर रवाना हुआ था।

“प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, ट्रेन के जनरल डिब्बे में अत्यधिक भीड़ थी। भीषण गर्मी के कारण बच्चों को काफी परेशानी हो रही थी। इसी दौरान जब उत्सर्ग एक्सप्रेस बाराबंकी रेलवे स्टेशन पर रुकी, तो मनोज ने परिवार को अधिक सुविधा देने के उद्देश्य से स्लीपर कोच में चढ़ाने का प्रयास किया। बताया जा रहा है कि पत्नी और बच्चे किसी तरह स्लीपर कोच में पहुंच गए।

बच्चों की चीख-पुकार सुनकर कांप उठा स्टेशन

हादसे के समय दंपती के तीनों बच्चे प्लेटफॉर्म पर मौजूद थे। अपने माता-पिता को खून से लथपथ हालत में देखकर बच्चे बुरी तरह घबरा गए। वे लगातार रोते-बिलखते रहे और मदद की गुहार लगाते रहे। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, बच्चों की चीख-पुकार और दर्दनाक दृश्य देखकर स्टेशन पर मौजूद यात्रियों की आंखें नम हो गईं। कई लोग बच्चों को संभालने की कोशिश करते रहे, लेकिन मासूमों को समझ ही नहीं आ रहा था कि उनके साथ क्या हो गया है। घटना की सूचना मिलते ही राजकीय रेलवे पुलिस (जीआरपी) और रेलवे अधिकारियों की टीम मौके पर पहुंच गई। पुलिस ने मृतक के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया, जबकि घायल महिला को अस्पताल पहुंचाने की व्यवस्था की गई।

यात्रियों ने मचाया शोर, इमरजेंसी ब्रेक लगाकर रोकी गई ट्रेन

घटना के बाद प्लेटफॉर्म पर अफरा-तफरी मच गई। यात्रियों ने जोर-जोर से शोर मचाकर ट्रेन को रोकने की कोशिश की। इसके बाद ट्रेन में आपातकालीन ब्रेक लगाए गए और ट्रेन को रोका गया।

सीतापुर में ज्वैलरी शॉप चोरी का खुलासा, दो गिरफ्तार

अंतरजनपदीय गिरोह के महिला-पुरुष सदस्य पकड़े गए, कार से करते थे वारदात

तमसा संकेत, एजेंसी

सीतापुर। सीतापुर के बिसवां कोतवाली क्षेत्र में पुलिस ने 6 जून को ज्वैलरी शॉप पर ग्राहक बनकर गहने चोरी करने के मामले का सफल खुलासा करते हुए अंतरजनपदीय चोर गिरोह के दो शातिर सदस्यों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपियों में एक महिला और एक पुरुष शामिल हैं। पुलिस ने उनके कब्जे से भारी मात्रा में चोरी के सोने के आभूषण, नकदी तथा घटना में प्रयुक्त कार बरामद की है। पुलिस अधीक्षक के निर्देशन में चलाए जा रहे अपराध नियंत्रण अभियान के तहत बिसवां पुलिस को यह सफलता मिली। पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली कि मगरहिया बाजार स्थित आभूषण

की दुकान में चोरी करने वाले आरोपी स्विफ्ट डिजायर कार से बिसवां की ओर आ रहे हैं।

सूचना पर पुलिस ने लहरपुर रोड स्थित सहरीसराय गांव के पास घेराबंदी कर कार को रोक लिया। तलाशी के दौरान पुलिस ने आसिया पत्नी स्वर्गीय अनीष अहमद निवासी अकैचनपुर टप्पा, थाना लहरपुर तथा फरीदी पुत्र स्वर्गीय जामिन को गिरफ्तार कर लिया। उनके कब्जे से 18 जोड़ी सोने के झाले, 21.06 ग्राम वजन का गला हुआ सोना तथा पांच हजार रुपये नकद बरामद किए गए।

पुलिस ने चोरी में प्रयुक्त कार को भी कब्जे में ले लिया। पूछताछ में आरोपियों ने स्वीकार किया कि उन्होंने अपनी एक अन्य महिला साथी रुखसाना के साथ मिलकर छह जून को मगरहिया बाजार स्थित जलोटा आभूषण की दुकान से चोरी की थी। आरोपी महिलाएं ग्राहक बनकर दुकान में प्रवेश करती थीं और दुकानदार की नजर बचाकर जेवर चोरी कर लेती थीं, जबकि उनका साथी बाहर वाहन लेकर तैयार रहता था। चोरी के कुछ आभूषणों को गलाकर सोने का गोला बनाया गया था और कुछ को बेच दिया गया था।

सम्पादकीय

फिर भड़का युद्ध

अमेरिका और ईरान के बीच फिर से युद्ध छिड़ने के कारण न केवल पश्चिम एशिया का संकट और गहरा गया है, बल्कि विश्व अर्थव्यवस्था के लिए भी समस्याएं बढ़ गई हैं। अमेरिकी हमलों के जवाब में ईरान ने जिस तरह होर्मुज समुद्री जल मार्ग को फिर से बंद करने का फैसला किया, उसके बाद अमेरिका और उसके बीच तनाव तो बढ़ेगा ही, खाड़ी के देशों से होने वाली तेल और गैस की आपूर्ति के भी बिल्कुल ठप होने का अंदेशा है। इसके चलते पहले से ही चढ़े तेल एवं गैस के मूल्य और बढ़ सकते हैं। इससे भारत समेत अन्य देशों और विशेष रूप से एशियाई देशों का संकट और बढ़ेगा। इससे खराब बात और कोई नहीं कि अमेरिका और ईरान के बीच समझौते की जो थोड़ी-बहुत गुंजाइश बन रही थी, वह भी समाप्त होती दिख रही है। इसके लिए दोनों ही पक्षों का अड़ियल रवैया जिम्मेदार है। जहां अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप यह चाहते हैं कि ईरान उनके मन मुताबिक समझौता करे, वहीं ईरानी नेतृत्व न तो परमाणु हथियार बनाने के अपने इरादे का परित्याग करने को तैयार है और न ही होर्मुज पर अपना दावा छोड़ने के लिए। वह इजरायल के लिए खतरा बने हिजबुल्ला को समर्थन देने से पीछे हटने के लिए भी तैयार नहीं। वह यह तो चाहता है कि इजरायल लेबनान में हिजबुल्ला के ठिकानों पर हमला करने से बाज आए, लेकिन वह इस संगठन को इजरायल को निशाना बनाने से रोकने के लिए तैयार नहीं। समस्या केवल यह नहीं कि ईरान होर्मुज पर अवैध कब्जा करना चाहता है, बल्कि यह भी है कि अमेरिकी सेना उसके बंदरगाहों की नाकेबंदी के चलते इस समुद्री जल मार्ग से इस बहाने जहाजों को नहीं निकलने दे रहा है कि वे या तो ईरान जा रहे थे या फिर वहां से आ रहे थे। इसी को आधार पर बनाकर उसने पिछले चार दिनों में तीन जहाजों पर हमले किए। इनमें से दो पलाऊ और एक गिनी-बिसाऊ का था, लेकिन इन तीनों में भारतीय नाविक सवार थे। इनमें से एक जहाज पर अमेरिकी हमला घातक साबित हुआ। इस हमले में तीन भारतीय नाविक मारे गए। साफ है कि अमेरिकी सेना निहायत ही गैर जिम्मेदारी का परिचय दे रही है। वह जहाजों को रोकने, जब्त करने के बजाय जिस तरह उन्हें ध्वस्त करने का काम कर रही है, वह अस्वीकार्य और अक्षम्य है।

यह सर्वथा उचित है कि भारत ने अपने तीन भारतीय नाविकों के मारे जाने की घटना पर अमेरिकी राजनयिक को तलब कर अपना विरोध दर्ज कराया, लेकिन केवल इतना ही पर्याप्त नहीं। उसे विश्व के अन्य देशों के साथ मिलकर अमेरिका और ईरान पर इसके लिए दबाव बनाना होगा कि वे कारोबारी जहाजों को निशाना बनाने से बाज आएं। भारत को ऐसा इसलिए करना होगा, क्योंकि खाड़ी क्षेत्र में 18 हजार से अधिक भारतीय नाविक देसी-विदेशी जहाजों पर कार्यरत हैं।

गृहिणी राष्ट्रनिर्माता है तो हिंसा की शिकार क्यों?

> “सर्वोच्च न्यायालय का यह निर्णय भारतीय समाज में महिलाओं के अवैतनिक श्रम को मान्यता देने की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम है। सदियों से गृहिणियों द्वारा किए जाने वाले कार्यों को केवल कर्तव्य या प्रेम का विस्तार मान लिया गया।

भारतीय समाज में महिलाओं को सशक्त बनाने के दावे लंबे समय से किए जाते रहे हैं। उन्हें 'आधी आबादी' और विकास की समान भागीदार कहा जाता है। शिक्षा, रोजगार, राजनीति और नेतृत्व के क्षेत्र में उनकी भागीदारी बढ़ाने के लिए अनेक योजनाएं बनाई जाती हैं। संसद और विधानसभाओं में महिलाओं को 33 प्रतिशत आरक्षण देने की प्रतिबद्धता जताई जाती है। सरकारें महिला सशक्तीकरण को अपनी प्राथमिकताओं में शामिल करती हैं और समाज भी महिलाओं की उपलब्धियों पर गर्व व्यक्त करता है। लेकिन इन सबके बीच कुछ ऐसे तथ्य सामने आते हैं, जो हमें इस सशक्तीकरण के वास्तविक स्वरूप पर पुनर्विचार करने के लिए विवश करते हैं। हाल ही में सर्वोच्च न्यायालय ने गृहिणियों के योगदान को राष्ट्र निर्माण में अत्यंत महत्वपूर्ण बताते हुए उन्हें 'नेशन बिल्डर' अर्थात् राष्ट्रनिर्माता कहा। न्यायालय ने यह भी माना कि घरेलू कार्यों और परिवार की देखभाल में महिलाओं द्वारा किए जाने वाले श्रम का आर्थिक मूल्य है और उसे नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। दूसरी ओर राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण (एनएफएचएस) के आंकड़े बताते हैं कि देश में ग्रामीण क्षेत्रों की प्रत्येक चौथी तथा शहरी क्षेत्रों की प्रत्येक छठी महिला किसी न किसी रूप में हिंसा का शिकार होती है। यह स्थिति एक गहरे विरोधाभास को उजागर करती है। जिस महिला को राष्ट्रनिर्माता कहा जा रहा है, वही महिला अपने घर, परिवार और समाज में असुरक्षा और हिंसा का सामना करने को विवश है।

घर की सफाई, भोजन बनाना, बच्चों का पालन-पोषण, बुजुर्गों की सेवा, परिवार के स्वास्थ्य और संस्कारों की रक्षा, घरेलू प्रबंधन और सामाजिक संबंधों का निर्वहन-इन सभी कार्यों को महिलाओं का स्वाभाविक दायित्व माना गया। परिणामस्वरूप उनके श्रम को कभी आर्थिक दृष्टि से नहीं आंका गया। वास्तव में यदि किसी परिवार में गृहिणी द्वारा किए जाने वाले सभी कार्यों के लिए अलग-अलग व्यक्तियों को नियुक्त किया जाए, तो उस पर भारी आर्थिक व्यय आएगा। इसके बावजूद गृहिणी के श्रम को न तो वेतन मिलता है और न ही सामाजिक मान्यता। वह चौबीस घंटे और वर्ष के तीन सौ पैंसठ दिन कार्यरत रहती है। उसका कोई अवकाश नहीं होता, कोई पदोन्नति नहीं होती और कोई सेवानिवृत्ति नहीं होती। इसलिए सर्वोच्च न्यायालय का यह कहना कि गृहिणी केवल परिवार नहीं, बल्कि राष्ट्र निर्माण में भी योगदान देती है, सामाजिक चेतना को नई दिशा देने वाला विचार है।

न्यायालय ने मोटर दुर्घटना मुआवजा मामले में गृहिणी की सेवाओं का मूल्यांकन न्यूनतम 30 हजार रुपये प्रतिमाह के आधार पर करने की बात कही। यह केवल एक कानूनी निर्णय नहीं, बल्कि उस सामाजिक मानसिकता को चुनौती है जो घरेलू श्रम को महत्वहीन समझती रही है। वास्तव में महिलाओं का यह अदृश्य श्रम देश की अर्थव्यवस्था की नींव है। यदि इस श्रम का आर्थिक मूल्यांकन किया जाए और उसे सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में शामिल किया जाए, तो भारत की अर्थव्यवस्था की तस्वीर काफी बदल सकती है। लेकिन इसी संदर्भ में दूसरा पक्ष और भी अधिक चिंता पैदा करता है। जिस महिला के योगदान को सर्वोच्च न्यायालय राष्ट्र निर्माण का आधार मान रहा है, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी अपने सफल 12 वर्ष के रिकार्ड प्रधानमंत्री शासन की आयोजनाओं के अवसर पर महिलाओं के सर्वांगीण विकास एवं सम्मान की अधिकारी मान कर रहे हैं, क्या उसे वह सम्मान, सुरक्षा और गरिमा प्राप्त है जिसकी वह अधिकारी है? दुर्भाग्य से इसका उत्तर संतोषजनक नहीं है। राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण (एनएफएचएस) के आंकड़े बताते हैं कि महिलाओं के विरुद्ध हिंसा आज भी एक गंभीर सामाजिक समस्या बनी हुई है। ग्रामीण क्षेत्रों में प्रत्येक चौथी महिला और शहरी क्षेत्रों में प्रत्येक छठी महिला हिंसा का सामना करती है। 18 से 49 वर्ष आयु वर्ग की विवाहित महिलाओं में लगभग 22 प्रतिशत ने स्वीकार किया है कि उन्हें वैवाहिक जीवन में घरेलू हिंसा झेलनी पड़ी। यह स्थिति एक गहरे विरोधाभास को उजागर करती है। जिस महिला को राष्ट्रनिर्माता कहा जा रहा है, वही महिला अपने घर, परिवार और समाज में असुरक्षा और हिंसा का सामना करने को विवश है। यह स्थिति तब है जब महिलाओं की सुरक्षा के लिए अनेक कानून बनाए जा चुके हैं और महिला अधिकारों को लेकर व्यापक जागरूकता अभियान चलाए जा रहे हैं। यह प्रश्न स्वाभाविक रूप से उठता है कि यदि कानून मौजूद हैं, योजनाएं चल रही हैं और महिला सशक्तीकरण को राष्ट्रीय एजेंडा बनाया जा चुका है, तो फिर महिलाओं के खिलाफ हिंसा क्यों नहीं रुक रही? आखिर क्यों घर से लेकर कार्यस्थल तक महिलाएं स्वयं को पूर्णतः सुरक्षित महसूस नहीं कर पातीं?

इसका उत्तर केवल कानूनी व्यवस्था में नहीं, बल्कि सामाजिक मानसिकता में छिपा है। भारतीय समाज का एक बड़ा हिस्सा आज भी पितृसत्तात्मक सोच से प्रभावित है। महिलाओं को परिवार की धुरी तो माना जाता है, लेकिन निर्णय लेने की स्वतंत्रता और समान अधिकार देने में संकोच किया जाता है। एक ओर उनके श्रम पर परिवार की पूरी व्यवस्था निर्भर रहती है, दूसरी ओर उनके योगदान को पर्याप्त सम्मान नहीं मिलता। यही मानसिकता कई बार घरेलू हिंसा, आर्थिक शोषण और सामाजिक भेदभाव का कारण बनती है। आज भी दहेज प्रथा समाज पर कलंक बनी हुई है। अनेक शिक्षित परिवारों में भी दहेज की मांग और उससे जुड़े अपराध सामने आते हैं। हाल के वर्षों में दहेज हत्या और उत्पीड़न के अनेक मामले राष्ट्रीय चर्चा का विषय बने हैं। यह विडंबना ही है कि एक लड़की की शिक्षा, पालन-पोषण और विवाह पर भारी व्यय करने वाले माता-पिता को विवाह के समय अतिरिक्त आर्थिक बोझ उठाने के लिए मजबूर किया जाता है। यह केवल सामाजिक कुरीति नहीं, बल्कि महिलाओं के सम्मान पर सीधा आघात है। इसके अतिरिक्त कई क्षेत्रों में महिलाओं को डायन बताकर प्रताड़ित करने, यौन हिंसा, बाल विवाह, मानव तस्करी और लैंगिक भेदभाव जैसी समस्याएं भी मौजूद हैं। विशेष रूप से ग्रामीण और आदिवासी क्षेत्रों में अंधविश्वासों तथा सामाजिक पिछड़ेपन के कारण महिलाओं के खिलाफ हिंसा की घटनाएं अधिक दिखाई देती हैं। यह स्थिति दर्शाती है कि आर्थिक विकास के बावजूद सामाजिक चेतना का विकास अपेक्षित स्तर तक नहीं पहुंच पाया है। महिला सशक्तीकरण को केवल राजनीतिक प्रतिनिधित्व या आर्थिक अवसरों तक सीमित नहीं किया जा सकता। सशक्तीकरण का वास्तविक अर्थ है-सम्मान, सुरक्षा, समान अवसर और स्वतंत्र निर्णय क्षमता। यदि कोई महिला आर्थिक रूप से सक्षम है, लेकिन घर में हिंसा का शिकार है, तो उसे पूर्णतः सशक्त नहीं कहा जा सकता। इसी प्रकार यदि उसे राजनीतिक प्रतिनिधित्व मिल जाए, लेकिन सामाजिक सम्मान न मिले, तो भी सशक्तीकरण अधूरा रहेगा।

ललित गर्ग

विद्यार्थीयों में अच्छी शिक्षा व संस्कारों का विकास हों

मन की खुराक विचार है। जैसा विचार ,वैसा ही आचार होता हैं । कैसा है व्यक्ति? वह उसके विचारों की अभिव्यक्ति बताती हैं । वह जहाँ विचारों की मलिनता है वहां नरक हैं । वह जहां विचारों की ऊंचाई है वही स्वर्ग है । साफ सुथरे विचार से ही आचार की स्वस्थता बढ़ती हैं । विकृत विचारों से व्यवस्था अतिक्रमित होती हैं । व्यक्ति को सुखी और दुःखी परिस्थिति नहीं बनाती हैं । व्यक्ति अच्छे व बुरे विचार से ही सुखी और दुःखी बनता हैं । हम जैसा सोचते हैं वैसा ही हमारा आचरण हो जाता हैं । हमारी वृत्तियां ,नीतियां व व्यवहार ही हमारे विचारों के दर्पण हैं । अतः शुभ सोचें पवित्र बनें,निर्मलता विकसायें ।संकीर्ण , मलिन विचारों को प्रश्रय न दे व न आग्रह पनपाएं। जैन आगम उतरा-ध्ययन में शिक्षा प्राप्ति में पांच प्रकार की बाधाएं बताईं गईं हैं । जिनके कारण व्यक्ति शिक्षा ग्रहण नहीं कर सकता हैं । इन पांच कारणों में पहला कारण अहंकार बताया गया हैं । अहंकार के कारण शिक्षा प्राप्ति में बाधा हो सकती हैं। यदि विद्यार्थी के मन में ज्ञान के प्रति सम्मान और विद्या के प्रति विनय हैं तो वह शिक्षा के क्षेत्र में अधिक आगे बढ़ सकेगा । इसके साथ ही ज्ञानदाता के प्रति भी सम्मान का भाव होना चाहिए । विद्यार्थी को कुछ ज्ञान प्राप्त हो जाए तो उस ज्ञान का भी घमंड नहीं करना चाहिए । उसका अच्छा उपयोग करना चाहिए । ज्ञान वह (investment) विनियोग हैं जिसके Dividend का जीवन पर्यन्त योग मिलता रहता है। ज्ञान का स्रोत केवल साहित्य पठन ही नहीं है, गुरुजनों की शिक्षा व विद्वतजनों की संगत से भी ज्ञान प्राप्त किया जा सकता है। दूसरी बाधा क्रोध हैं । क्रोध के कारण मस्तिष्क में जो प्रतिक्रिया रहती हैं तो ज्ञान प्राप्त करने में कठिनाईं पैदा हो जाती हैं । अतः विद्यार्थी को अधिक क्रोध से बचते हुए अपने स्वभाव को शांत रखने का प्रयास करना चाहिए । तिसरी बाधा प्रमाद हैं। विद्यार्थी पढ़ाईं को गौण कर अन्य चीजों जैसे खाने में , मौज - मस्ती , सिनेमा , नींद आदि में रस लेने लग जाए तो भला वह कितना ज्ञान ग्रहण कर पाएगा । इसलिए विद्यार्थी को प्रमाद से बचना चाहिए ।

> प्रदीप छाजेड़

यह संस्थागत...

दुर्गेश्वर राय

शैक्षिक पिरामिड की चुनौतियाँ और नीति आयोग की नई रणनीतिक रूपरेखा

जब देश वर्ष 2047 तक विकसित भारत बनने के महत्वाकांक्षी लक्ष्य की ओर अग्रसर है, तब शिक्षा की कसौटी केवल अक्षरों की सामान्य पहचान या कक्षाओं में भौतिक उपस्थिति तक सीमित नहीं रह सकती। आधुनिक युग में शिक्षा का वास्तविक उद्देश्य मानवीय क्षमताओं का सर्वांगीण संवर्धन करना है। नीति आयोग द्वारा जारी की गई व्यापक नीति रिपोर्ट, भारत में स्कूली शिक्षा प्रणालीः गुणवत्ता संवर्धन के लिए सामयिक विश्लेषण और नीतिगत रूपरेखा, इसी प्रगतिशील दृष्टिकोण को एक व्यवस्थित और व्यावहारिक धरातल प्रदान करती है। यह दस्तावेज़ वर्ष 2014-15 से 2024-25 तक के एक दशक लंबे आंकड़ों का गहन विश्लेषण प्रस्तुत करते हुए भारतीय स्कूली शिक्षा के क्रमिक विकास, वर्तमान संरचनात्मक चुनौतियों और भविष्य के नीतिगत रोडमैप को पूरी तरह स्पष्ट करता है।

स्वतंत्रता के बाद से ही भारत ने एक न्यायसंगत और सुलभ शिक्षा प्रणाली के निर्माण के लिए निरंतर प्रयास किए हैं। वर्ष 1952 के मुदालियर आयोग और 1964 के कोठारी आयोग की अनुशंसाओं ने आधुनिक शिक्षा के बुनियादी ढाँचे की मजबूत नींव रखी थी। इसके बाद 1968 और 1986 की राष्ट्रीय शिक्षा नीतियों ने देश भर में शिक्षा के सार्वभौमीकरण पर विशेष बल दिया। वर्ष 1995 में शुरू की गई मिड-डे मील योजना ने स्कूलों में बच्चों के नामांकन और उनके पोषण स्तर को सुधारने में बेहद महत्वपूर्ण भूमिका निभाई, जिसे बाद में सर्व शिक्षा अभियान और शिक्षा का अधिकार अधिनियम जैसे युगांतकारी कदमों से और अधिक सुदृढ़ किया गया। इसी ऐतिहासिक श्रृंखला को आगे बढ़ाते हुए राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 ने पुरानी व्यवस्था के स्थान पर एक नए शैक्षणिक ढाँचे को प्रतिपादित किया। नीति आयोग ने पिछले एक दशक की इसी यात्रा का मूल्यांकन करने के लिए यूडायस प्लस 2024-25 के स्कूल से सम्बंधित आंकड़े, परख 2024 के परीक्षा स्तर, एन०ए०एस० के 2017 और 2021 के बच्चों के स्कोर और एएसईआर 2024 के बच्चों के पढ़ने की क्षमता आधारित आंकड़ों का उपयोग किया है। भारतीय स्कूली शिक्षा प्रणाली आज लगभग चौदह लाख से अधिक स्कूलों, चौबीस करोड़ से अधिक विद्यार्थियों और एक करोड़ से अधिक शिक्षकों के साथ दुनिया की सबसे बड़ी शिक्षा व्यवस्था बन चुकी है। पिछले एक दशक में स्कूलों में बुनियादी ढाँचे जैसे बिजली, शौचालय और पेयजल की पहुँच के मामले में अभूतपूर्व प्रगति देखी गई है। इसी अवधि में डिजिटल शिक्षण व्यवस्था का भी विस्तार हुआ है और कंप्यूटर, इंटरनेट तथा स्मार्ट कक्षाओं तक बच्चों की पहुँच बेहतर हुई है। इसके साथ ही, सामाजिक समावेशन के स्तर पर लड़कियों तथा वंचित वर्गों के छात्रों के नामांकन में उत्साहजनक सुधार दर्ज किया गया है। महामारी के बाद के दौर में बुनियादी साक्षरता और संख्या ज्ञान में सुधार के संकेत भी मिले हैं, जिसे विभिन्न राष्ट्रीय मिशनों का लगातार समर्थन प्राप्त हो रहा है। इन तमाम सकारात्मक बदलावों के बावजूद, इस तंत्र का सबसे बड़ा ढाँचागत संकट इसका पिरामिडनुमा स्वरूप है जो उच्च स्तर पर जाते ही संकुचित हो जाता है। प्राथमिक स्तर पर स्कूलों की संख्या सबसे अधिक है और वहाँ नामांकन दर भी काफी मजबूत दिखाई देती है, लेकिन जैसे-जैसे छात्र उच्च प्राथमिक, माध्यमिक और उच्चतर माध्यमिक कक्षाओं की ओर बढ़ते हैं, सकल नामांकन अनुपात तेजी से कम होता जाता है। यह डेटा साफ तौर पर दर्शाता है कि उच्च कक्षाओं तक पहुँचते-पहुँचते बहुत से बच्चे अपनी पढ़ाई बीच में ही छोड़ देते हैं। देश में बहुत कम स्कूल ऐसे हैं जो प्राथमिक से लेकर बारहवीं कक्षा तक की निरंतर शिक्षा एक ही छत के नीचे प्रदान करते हैं। यह संस्थागत विखंडन छात्रों को बार-बार स्कूल बदलने के लिए मजबूर करता है, जिससे स्कूल छोड़ने की प्रवृत्ति बढ़ती है। इसके अतिरिक्त, देश में बड़ी संख्या में एकल-शिक्षक स्कूल और शून्य नामांकन वाले स्कूल भी मौजूद हैं, जो प्रशासनिक और वित्तीय अक्षमता को उजागर करते हैं। नीति आयोग ने विभिन्न हितधारकों के साथ व्यापक विचार-विमर्श के बाद शिक्षा प्रणाली की कई प्रमुख प्रणालीगत और शैक्षणिक चुनौतियों की पहचान की है। कक्षाओं में आज भी वास्तविक वैचारिक समझ विकसित करने के बजाय केवल पाठ्यक्रम पूरा करने और रटने की पद्धति पर अत्यधिक जोर दिया जाता है, जिससे बच्चों के वास्तविक सीखने के स्तर में अंतर आ जाता है।

'ऑपरेशन ममता' और 'आयुष्मान आरोग्य मंदिर' बने लखीमपुर के थारू अंचल में सुरक्षित मातृत्व एवं जन-स्वास्थ्य के मजबूत आधार

चिकित्सा और स्वास्थ्य के क्षेत्र में उत्तर प्रदेश इस समय मा0 मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी के सशक्त मार्गदर्शन और केंद्र सरकार के सहयोग से एक बड़े और ऐतिहासिक बदलाव के दौर से गुजर रहा है। 'आरोग्यं परमं भाग्यं' अर्थात् स्वास्थ्य ही सबसे बड़ा भाग्य है, के मूल मंत्र को साकार करते हुए राज्य के पुराने उप-स्वास्थ्य केंद्रों (ैभ्ब्ः) और प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों का पूरी तरह से कायाकल्प कर उन्हें 'आयुष्मान आरोग्य मंदिर' के रूप में उच्चीकृत किया जा रहा है। वर्तमान में राज्य भर में फैले आयुष्मान आरोग्य मंदिर पूरी सक्रियता से जनता की सेवा में जुटे हैं, जो विशाल आबादी वाले इस राज्य में 'सबके लिए स्वास्थ्य' के सपने को सच कर रहे हैं। इस अभूतपूर्व बदलाव का सबसे जीवंत और अनुकरणीय उदाहरण लखीमपुर खीरी जिले में देखने को मिला है। नेपाल सीमा से सटे दुधवा के जंगलों और दुर्गम रास्तों के बीच बसे थारू जनजाति बाहुल्य गांवों में स्वास्थ्य सेवाएं पहुंचाना कभी एक बड़ी चुनौती था। घने जंगलों और बिजली की कमी के कारण यहाँ के स्वास्थ्य केंद्र लगभग निष्क्रिय थे, जिससे रात के समय प्रसव पीड़ा से जूझती महिलाओं के लिए अस्पताल पहुंचना बेहद कठिन और जोखिम भरा होता था। इस संकट को दूर करने के लिए जिला प्रशासन के सतत प्रयासों से वर्ष 2020 में 'ऑपरेशन ममता' की शुरुआत की गई। इसके अंतर्गत घुसकिया, चन्दनचौकी, निझौटा, छेदिया पश्चिम, बनकटी और गौरीफण्टा के छह स्वास्थ्य उपकेंद्रों का शानदार जीर्णोद्धार किया गया। इन केंद्रों को आधुनिक चिकित्सा सुविधाओं से सुसज्जित करने के साथ ही सौर ऊर्जा संयंत्रों से जोड़ा गया, जिससे यहाँ 24 घंटे सातों दिन (24ग7) निर्बाध स्वास्थ्य सेवाएं संचालित हो रही हैं।

पूर्व के वर्षों में जहां इन दुर्गम क्षेत्रों में रात्रिकालीन प्रसव की कोई व्यवस्था नहीं थी, वहीं अब इन आयुष्मान आरोग्य मंदिरों में चौबीसों घंटे तैनात, प्रशिक्षित एएनएम की कुशल देखरेख में सुरक्षित संस्थागत प्रसव (प्देजपजनज-पवदंस क्मसपअमतल) कराए जा रहे हैं। स्वास्थ्य सेवाओं में आए इस बुनियादी सुधार का सकारात्मक असर धरातल और सरकारी आंकड़ों दोनों पर स्पष्ट रूप से प्रमाणित हो रहा है। थारू क्षेत्र के इन छह केंद्रों पर सुरक्षित संस्थागत प्रसव का ग्राफ वर्ष-दर-वर्ष लगातार मजबूत हुआ है; जिसके तहत वित्तीय वर्ष 2022-23 में 568, वर्ष 2023-24 में 580, वर्ष 2024-25 में 570 और वित्तीय वर्ष 2025-26 में 571 माताओं का सुरक्षित प्रसव संपन्न कराया गया। यह उल्लेखनीय प्रगति केवल आंकड़े नहीं, बल्कि जंगलों के बीच रहने वाले हजारों पारंपरिक थारू परिवारों के भीतर पनपे नव-विश्वास, शारीरिक सुरक्षा और सामाजिक सम्मान की एक गौरवशाली शुरुआत है। यहाँ तक कि कोविड-19 जैसी वैश्विक महामारी के अत्यंत कठिन दौर में भी इन उपकेंद्रों के स्वास्थ्य कर्मियों ने अपनी जान जोखिम में डालकर सुदूर झोपड़ियों तक कोविड मेडिसिन किट पहुंचाने, संक्रामक रोगों के प्रति जागरूकता फैलाने और स्थानीय स्तर पर प्राथमिक उपचार देने में अनुकरणीय भूमिका निभाई थी। लखीमपुर खीरी की तरह ही उत्तर प्रदेश सरकार पूरे राज्य के ग्रामीण और शहरी दोनों ही क्षेत्रों में आयुष्मान आरोग्य मंदिरों के नेटवर्क को युद्ध स्तर पर विस्तारित कर रही है। 15वें वित्त आयोग के वित्तीय सहयोग से इसके बुनियादी ढांचे को हर जनपद और ब्लॉक स्तर पर अत्यंत सुदृढ़ बनाया जा रहा है।

जरा हटके

ड्रिप सिंचाई प्रणाली ...

प्रदीप कुमार

प्रदेश में ड्रिप एवं स्प्रिंकलर सिंचाई पद्धति को अपनाकर किसान हो रहे समृद्ध

उत्तर प्रदेश एक कृषि प्रधान राज्य है, जहां बड़ी आबादी प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से खेती पर निर्भर है। बदलते जलवायु परिदृश्य, घटते भूजल स्तर, अनियमित वर्षा तथा बढ़ती सिंचाई लागत के बीच किसानों के सामने सबसे बड़ी चुनौती कम पानी में अधिक उत्पादन प्राप्त करने की रही है। ऐसे समय में उत्तर प्रदेश सरकार ने किसानों को आधुनिक सिंचाई तकनीकों से जोड़ने का व्यापक अभियान चलाया है। मा0 मुख्यमंत्री श्री योगी आदित्यनाथ जी के नेतृत्व में राज्य सरकार द्वारा ड्रिप एवं स्प्रिंकलर सिंचाई प्रणाली को बढ़ावा देकर खेती को अधिक लाभकारी, टिकाऊ और वैज्ञानिक बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कार्य किए जा रहे हैं।

ड्रिप और स्प्रिंकलर सिंचाई पद्धति आज केवल तकनीक नहीं, बल्कि किसानों की समृद्धि का माध्यम बन चुकी है। इससे पानी की बचत, उत्पादन में वृद्धि, श्रम लागत में कमी और फसल की गुणवत्ता में सुधार जैसे अनेक लाभ किसानों को मिल रहे हैं। सरकार की विभिन्न योजनाओं के माध्यम से किसानों को अनुदान देकर इन आधुनिक प्रणालियों को अपनाने के लिए प्रोत्साहित किया जा रहा है।

ड्रिप सिंचाई प्रणाली में पाइप और नोजल के माध्यम से पानी सीधे पौधों की जड़ों तक बूंद-बूंद पहुंचाया जाता है। इस तकनीक से फसल को आवश्यक मात्रा में ही पानी मिलता है, जिससे पानी की बर्बादी नहीं होती। यह प्रणाली विशेष रूप से फल, सब्जी, मसाला तथा बागवानी फसलों के लिए अत्यंत उपयोगी मानी जाती है। ड्रिप सिंचाई के माध्यम से खेत में नमी का संतुलन बना रहता है तथा पौधों की वृद्धि बेहतर होती है। इसमें उर्वरकों का प्रयोग भी अधिक प्रभावी ढंग से किया जा सकता है, जिसे फर्टिगेशन कहा जाता है। इससे उर्वरक की खपत कम होती है और उत्पादन बढ़ता है। स्प्रिंकलर सिंचाई में पाइपों और स्प्रिंकलर उपकरणों की सहायता से खेत में फुहार के रूप में पानी का छिड़काव किया जाता है। यह प्रणाली वर्षा जैसी सिंचाई का अनुभव प्रदान करती है। असमतल भूमि, रेतीली मिट्टी और कम पानी वाले क्षेत्रों में यह तकनीक अत्यंत लाभकारी सिद्ध हो रही है। स्प्रिंकलर प्रणाली से गेहूं, दलहन, तिलहन, चारा तथा सब्जी फसलों की सिंचाई प्रभावी ढंग से की जाती है। इससे खेत में समान रूप से पानी पहुंचता है और जल संरक्षण भी होता है। उत्तर प्रदेश सरकार ने जल संरक्षण को प्राथमिकता देते हुए “प्रति बूंद अधिक फसल” की अवधारणा को तेजी से आगे बढ़ाया है। ड्रिप एवं स्प्रिंकलर तकनीक से पारंपरिक सिंचाई की तुलना में 40 से 70 प्रतिशत तक पानी की बचत संभव हो रही है। इससे न केवल किसानों की सिंचाई लागत कम हो रही है, बल्कि भूजल संरक्षण में भी मदद मिल रही है। प्रदेश के बुंदेलखंड, विंध्य और पश्चिमी उत्तर प्रदेश के कई ऐसे क्षेत्र, जहां जल संकट की समस्या गंभीर रही है, वहां इन तकनीकों ने किसानों के लिए नई उम्मीद पैदा की है। कम पानी में अधिक उत्पादन मिलने से किसान आधुनिक खेती की ओर तेजी से आकर्षित हो रहे हैं।

प्रदेश सरकार द्वारा प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना (प्रति बूंद अधिक फसल) के अंतर्गत ड्रिप एवं स्प्रिंकलर सिंचाई प्रणाली पर किसानों को अनुदान उपलब्ध कराया जा रहा है। लघु एवं सीमांत तथा महिला किसानों को प्राथमिकता देते हुए सरकार उन्हें आधुनिक उपकरण सहित कुल लागत पर 75 से 90 प्रतिशत तक की सब्सिडी उपलब्ध करा रही है। अन्य सामान्य किसानों को 65 से 80 प्रतिशत तक का अनुदान दिया जाता है।

उद्यान विभाग के माध्यम से किसानों को तकनीकी मार्गदर्शन, प्रशिक्षण तथा उपकरणों की स्थापना में सहायता दी जा रही है। कई जिलों में किसानों के खेतों पर प्रदर्शन प्लॉट तैयार किए गए हैं, ताकि अन्य किसान भी इन तकनीकों के लाभ को प्रत्यक्ष रूप से देख सकें। ऑनलाइन आवेदन व्यवस्था और पारदर्शी चयन प्रक्रिया के माध्यम से किसानों तक योजनाओं का लाभ तेजी से पहुंचाया जा रहा है। सरकार का उद्देश्य है कि अधिक से अधिक किसान माइक्रो इरिगेशन तकनीकों को अपनाकर खेती को लाभकारी बनाएं। प्रदेश में इस योजना के अंतर्गत लाखों किसान लाभान्वित हुए हैं। ड्रिप सिंचाई प्रणाली का सबसे अधिक लाभ बागवानी क्षेत्र में देखने को मिल रहा है। आम, अमरूद, केला, पपीता, टमाटर, मिर्च, प्याज, आलू, हल्दी और अन्य सब्जी एवं मसाला फसलों में किसानों को बेहतर उत्पादन प्राप्त हो रहा है। कई जिलों में किसानों ने बताया कि ड्रिप सिंचाई अपनाने के बाद पानी की खपत कम हुई है तथा उत्पादन में 20 से 50 प्रतिशत तक वृद्धि हुई है। फसल की गुणवत्ता सुधरने से बाजार में बेहतर मूल्य भी प्राप्त हो रहा है। इससे किसानों की आय में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है।

पारंपरिक सिंचाई पद्धति में खेतों तक पानी पहुंचाने के लिए अधिक श्रम और समय की आवश्यकता होती थी। वहीं ड्रिप एवं स्प्रिंकलर प्रणाली में कम समय और कम श्रम में सिंचाई का कार्य पूरा हो जाता है। महिला किसानों के लिए यह बहुत उपयोगी है। इन तकनीकों से डीजल एवं बिजली की खपत भी कम होती है। खेत में खरपतवार कम उगते हैं, जिससे निराई-गुड़ाई की लागत घटती है। उर्वरकों का संतुलित उपयोग होने से खेती अधिक वैज्ञानिक और आर्थिक रूप से लाभकारी बन रही है।

आज मैं सुनवाई करूंगी, गवाह और सबूत पेश करिए, पुलिस ने खींचकर उतारा

जिला जज की कुर्सी पर बैठी महिला

हंगामा

तमसा संकेत, एजेंसी

वाराणसी। वाराणसी में शुक्रवार सुबह 9 बजे जिला जज की कुर्सी पर एक महिला बैठ गई। कुर्सी पर बैठते ही हैमर पटकते हुए चिल्लाई- ऑर्डर-ऑर्डर। वकीलों से कहा- आज मैं जिला जज हूं। गवाह और सबूत पेश करिए। आज सारे मामले की सुनवाई मैं करूंगी।

जो भी काम हो हमको बताया जाए। इसके बाद फाइलें उठाकर उनको पलटना शुरू कर दिया। एकाएक हुए इस घटनाक्रम से वकील चौंक गए। उन्होंने वीडियो बनाना शुरू किया तो महिला भड़क गई। वकीलों ने महिला को बाहर जाने के लिए कहा, लेकिन वह कुर्सी पर ही बैठी रही। इसके बाद महिला पुलिसकर्मियों को बुलाया गया। पुलिस महिला को हिरासत में लेकर कैंट थाने लेकर चली गई। करीब एक घंटे तक यह ड्रामा चला।

बताया जा रहा है कि शुक्रवार को जिला जज अवकाश पर थे।

वकीलों के अनुसार, वंदना का न्यायालय में कोई मामला लंबित नहीं है। वह पहले भी कई बार न्यायालय परिसर में पहुंचकर जज की कुर्सी पर बैठ चुकी है। महिला ने ऐसा क्यों किया? इस सवाल पर पुलिस का कहना है कि महिला से पूछताछ की जा रही है। क्या महिला की मानसिक हालत ठीक नहीं है? पुलिस अफसरों ने कहा कि जांच के बाद ही सारी स्थिति स्पष्ट होगी। यह देखकर वंदना गुप्ता बोली कि आप लोग खड़े मत हो। गवाह और सबूत पेश करिए। जो भी काम हो मुझे बताइए।

पुलिस ने कुर्सी से उठाया, थाने लेकर गई

जज की कुर्सी में वंदना के बैठने की सूचना मिलते ही कई वकील दौड़ते हुए कोर्ट रूम पहुंचे। उन्होंने वंदना से कुर्सी से नीचे उतरने को कहा। लेकिन वह नहीं मानी। वकील डायस के पास पहुंचे तो वह उन पर चिल्लाने लगी। पास आने वालों को धमकी दी। इसके बाद महिला पुलिस बल को बुलाया गया। पुलिस ने वंदना को जिला जज की कुर्सी से नीचे उतारा।

अपर जिला जज ने लगाई फटकार, तलब की रिपोर्ट

घटना की जानकारी पर अपर जिला जज यजुवेंद्र विक्रम सिंह मौके पर पहुंचे। उन्होंने ड्यूटी पर तैनात सुरक्षा कर्मियों की अनुपस्थिति पर नाराजगी जताई।

संबंधित अधिकारियों से स्पष्टीकरण मांगे जाने के निर्देश दिए।इसके बाद न्यायालय प्रशासन ने सभी प्रवेश द्वारों पर तैनात सुरक्षा कर्मियों को निर्देश दिए हैं कि उक्त महिला को कचहरी परिसर में प्रवेश न करने दिया जाए।

घटना के बाद न्यायालय परिसर की सुरक्षा व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े हो गए।

वकील वीडियो बनाने लगे तो वंदना उन पर भड़क गई।

कुर्सी पर बैठते ही महिला चिल्लाई- ऑर्डर-ऑर्डर

शुक्रवार सुबह जिला कोर्ट खुला। कर्मचारियों ने जिला जज समेत सभी कोर्ट में आज सुनवाई के लिए प्रस्तावित मुकदमों की फाइलें रख दीं। तभी शिवपुर निवासी बुज गुप्ता की पत्नी वंदना गुप्ता (50) कोर्ट में घुस आईं।जिला जज के आने का समय पूछा। कुछ देर बाद वह जिला जज की डायस पर पहुंच गईं और कुर्सी पर बैठ गई। हैमर उठाकर टेबल पर पटकते हुए जोर से चिल्लाकर कहा-ऑर्डर-ऑर्डर। यह सुनकर कोर्ट रूम में मौजूद वकील खड़े हो गए।

ऑटो की टक्कर से बच्ची की मौत

चित्रकूट में परिवार के साथ कन्या भोज से लौट रही थी

तमसा संकेत, एजेंसी

चित्रकूट। चित्रकूट के सदर कोतवाली क्षेत्र में एक सड़क हादसे में 10 साल की बच्ची की मौत हो गई। यह घटना शुक्रवार दोपहर खपटीहा गांव के पास हुई। हादसे के बाद परिवार और गांव में शोक का माहौल है।मृतक की पहचान खपटीहा गांव निवासी जितेंद्र सिंह की बेटी मनु (10) के रूप में हुई है। यह घटना शिवरामपुर चौकी क्षेत्र के अंतर्गत के. सिंह विद्यालय के सामने शुक्रवार दोपहर करीब तीन बजे हुई। परिजनों के अनुसार, मनु अपने परिवार के साथ गणेश बाग में आयोजित कन्या भोज कार्यक्रम से घर लौट रही थी। सीएनजी ऑटो में पूरा परिवार बैठा हुआ था। तभी अचानक ऑटो चालक ने ब्रेक मार दिया। जिससे तेज झटका लगा और

पीछे वाली सीट पर बैठी बच्ची ऑटो से छिटककर बाहर गिर गई। इसी दौरान उसकी गर्दन में लोहे का एंगल लग गया। वो गंभीर रूप से घायल हो गई। हादसे के तुरंत बाद परिजन और स्थानीय लोग उसे उपचार के लिए जिला अस्पताल ले गए। जहां परीक्षण के बाद उसे डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। सूचना मिलने पर शिवरामपुर चौकी पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल का निरीक्षण किया।

फास्ट न्यूज

आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत की ट्रेन पर पथराव

कानपुर। फिरोजाबाद में संघ प्रमुख मोहन भागवत की ट्रेन पर गुरुवार शाम को पथराव हुआ। पत्थर सीधे उसी बोगी पर लगा, जिसमें वह बैठे थे। इससे खिड़की का शीशा टूट गया। भागवत कानपुर से शताब्दी एक्सप्रेस से नई दिल्ली जा रहे थे। भागवत एग्जीक्यूटिव क्लास के E-1 कोच में थे। ट्रेन जब मक्खनपुर-फिरोजाबाद के बीच से गुजर रही थी, तभी अचानक बोगी को निशाना बनाकर पत्थर फेंका गया।

150 साल पुरानी हनुमान प्रतिमा खंडित

सीतापुर। सीतापुर के बिसवां कोतवाली नगर के प्रसिद्ध प्राचीन हनुमान मंदिर में शुक्रवार सुबह एक अप्रत्याशित घटना से श्रद्धालुओं में आक्रोश और चिंता का माहौल पैदा हो गया। मंदिर में स्थापित करीब 150 वर्ष पुरानी हनुमान जी की प्रतिमा अचानक क्षतिग्रस्त होकर आधी गिर गई, जिससे मंदिर परिसर में हड़कंप मच गया। घटना की जानकारी मिलते ही बड़ी संख्या में श्रद्धालु मंदिर पहुंच गए और वहां लोगों की भीड़ जुट गई। बताया जाता है कि मिट्टी से निर्मित यह प्रतिमा वर्षों से मंदिर की पहचान रही है और स्थानीय लोगों की गहरी आस्था इससे जुड़ी हुई है।

पेड़ पर लटका मिला युवक का शव

झांसी। झांसी में एक युवक ने सुसाइड कर लिया। वह घर से बिना बताए निकल गया था। रात को घर नहीं आया तो परिजनों ने तलाश शुरू कर दी। अगले दिन युवक घर से लगभग 500 मीटर दूर पेड़ पर लटका मिला है। परिजनों ने नशे में सुसाइड करने की बात कही है। पुलिस ने शव कब्जे में लेकर मामले की जांच शुरू कर दी है। पूरा मामला बरुआसागर थाना क्षेत्र का है। मृतक का नाम भगवान दास कुशवाहा (45) पुत्र हरिकिशन कुशवाहा था।

70 घंटे बाद भी 25 गांवों में बिजली गुल

अयोध्या में आंधी-तूफान से रायपुर फीडर की व्यवस्था गड़बड़ाई

तमसा संकेत, एजेंसी

अयोध्या। अयोध्या के रूदौली तहसील क्षेत्र में आए आंधी-तूफान के 70 घंटे बाद भी रायपुर फीडर से जुड़े 25 से अधिक गांवों में बिजली आपूर्ति बहाल नहीं हो पाई है। इससे करीब 10 हजार की आबादी अंधेरे में रहने को मजबूर है। उमस भरी गर्मी के कारण लोगों की परेशानी बढ़ गई है। बीते मंगलवार रात करीब दस बजे आए तेज आंधी-तूफान ने लगभग छह किलोमीटर के दायरे में भारी तबाही मचाई थी। तेज हवाओं के कारण कई स्थानों पर बड़े पेड़ विद्युत लाइनों पर गिर गए, जिससे अनेक विद्युत पोल टूट गए। मुख्य 11 केवी लाइन और एलटी तार भी कई जगह क्षतिग्रस्त हो गए। 20 से 25 गांव बिजली आपूर्ति की प्रतीक्षा कर रहे शुरुआत में रायपुर, डिलवल, मोहनलाल पुरवा, वजीराबाद, होलुपुर, बटैय्या, बिकावल, पुराय, चक्का सहित 50 से अधिक गांवों की बिजली आपूर्ति पूरी तरह बाधित हो गई थी।

अयोध्या के रुदौली तहसील क्षेत्र में आए आंधी-तूफान के 70 घंटे बाद भी 25 से अधिक गांवों में बिजली आपूर्ति बहाल नहीं हो पाई है।

4 पर हुई एफआईआर, राजभर बोले- अदिति मेरी भी बेटी, लेकिन अखिलेश अपनी गिरेबान में झांके

अखिलेश की बेटी पर आपत्तिजनक पोस्ट

तमसा संकेत, एजेंसी

कानपुर/प्रतापगढ़। अखिलेश यादव की बड़ी बेटी अदिति यादव (23) को लेकर सोशल मीडिया पर आपत्तिजनक पोस्ट करने के मामले में गुरुवार को कानपुर-प्रतापगढ़ में FIR दर्ज हुई। कानपुर में भरत पटेल, नागेश्वर सिंह बघेल और विनोद यादव और प्रतापगढ़ में शीतला सुजान कवि नाम की आईडी पर मुकदमा दर्ज हुआ है। आरोप है कि इन लोगों ने सोशल मीडिया पर अदिति के खिलाफ आपत्तिजनक पोस्ट की। इससे समाज में अखिलेश यादव और उनके परिवार की छवि धूमिल हुई। इसलिए इनके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए। इधर, भाजपा विधायक राजेश्वर सिंह ने आपत्तिजनक पोस्टों पर आपत्ति जताई है। कहा- सपा प्रमुख की बेटी के बारे में सोशल मीडिया पर अपमानजनक बातें फैलाना बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है। बेटियों का सम्मान राजनीति से ऊपर है। समाज को ऐसे गलत कामों के खिलाफ एकजुट होकर खड़ा होना चाहिए। मामले की जांच की जाए। वहीं, सपा नेता शिवपाल यादव ने कहा- भाजपा सरकार से निकृष्ट कोई सरकार हो नहीं सकती। ऐसे में क्या कहूं। अगर सपा के लोग जिले-जिले में उतर जाएं तो लॉ एंड ऑर्डर की दिक्कत हो जाएगी। मंत्री ने कहा-बेटी अदिति यादव के खिलाफ जो घटिया हरकत हुई है, गारंटी से कह सकता हूं कि उसमें भी कोई सपाई ही निकलेगा। इस तरह का घटिया प्रशिक्षण कोई लाल या हरी टोपी पहनने वाले मास्टर साहब की कक्षा में ही मिलता है।

कैबिनेट मंत्री ओम प्रकाश राजभर ने गुरुवार को एक्स पर लिखा- अदिति मेरी भी बेटी है। आप पर की गई आपत्तिजनक टिप्पणी से हम शर्मिंदा हैं। जिसने भी ऐसी हरकत की, वह शर्मनाक है। लेकिन अखिलेश अपनी गिरेबान में झांके। मेरे और मेरे परिजनों के बारे में क्या-क्या लिखवाते रहते हैं। गारंटी से कह सकता हूं कि यह घटिया हरकत करने वालों में कोई सपाई ही होगा।

राजभर बोले- बेटी, आप पर की गई टिप्पणी से हम शर्मिंदा

मंत्री राजभर ने लिखा- अदिति यादव मेरी भी बेटी है। लेकिन अखिलेश जी को क्या कहूं? पूरी तरह से ट्विटर, एसी और पीसी के नेता हैं। कोई गंभीरता नहीं। अदिति के खिलाफ लाल-हरी टोपी वालों में से जिसने भी आपत्तिजनक पोस्ट की है, वह शर्मनाक और गुनाह-ए-अजीम है। लेकिन यह समय स्वयं अखिलेश यादव जी समेत सपाइयों के लिए भी अपने गिरेबान में झांकने का है। उन्होंने कहा-सपाई हमेशा लोगों को गालियां देते और दिलवाते रहते हैं।

नारायणी नदी में नहाने गए दो किशोर हुए लापता

कुशीनगर में ग्रामीणों ने तीन बच्चों को बचाया, 10 बच्चे नदी में उतरे थे

तमसा संकेत, एजेंसी

कुशीनगर। कुशीनगर के बरवापट्टी थाना क्षेत्र के लक्ष्मीपुर गांव के पास नारायणी नदी में नहाने गए 10 बच्चों में से दो किशोर शुक्रवार दोपहर लापता हो गए। ग्रामीणों और मजदूरों की मदद से तीन अन्य बच्चों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया है। जानकारी के अनुसार, लक्ष्मीपुर गांव के लगभग 10 बच्चे और किशोर भीषण गर्मी से राहत पाने के लिए नारायणी नदी में स्नान करने गए थे। नदी में उतरते समय कुछ बच्चे गहरे पानी की ओर चले गए और डूबने लगे। बच्चों के शोर मचाने पर नदी किनारे काम कर रहे मजदूर और ग्रामीण मौके पर पहुंचे। प्रत्यक्षदर्शी मजदूर रामकिशन प्रसाद ने बताया कि पांच बच्चे गहरे पानी में फंस गए थे। शोर सुनकर मजदूर और ग्रामीण नदी में कूद पड़े और तीन बच्चों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया। हालांकि, दो किशोर पानी में लापता हो गए।

लापता किशोरों की पहचान पवन पुत्र विजय और शिवम पुत्र सुप्रजल के रूप में हुई है। घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय प्रशासन और पुलिस मौके पर पहुंच गई।

प्रशासन ने दोनों की तलाश के लिए राहत एवं बचाव अभियान शुरू कर दिया है। गोताखोरों की टीम नदी में खोजबीन कर रही है। बड़ी संख्या में ग्रामीण और परिजन भी नदी किनारे मौजूद हैं। अधिकारियों की निगरानी में बचाव कार्य जारी है। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है।

ग्रामीणों का कहना है कि हाल के दिनों में नदी का जलस्तर बढ़ा है। कई स्थानों पर तेज बहाव और गहरे गड्ढे होने के कारण दुर्घटनाओं का खतरा बना रहता है। समाचार लिखे जाने तक दोनों किशोरों का कोई सुराग नहीं मिल सका था और तलाश अभियान जारी था।

घर में घुसकर युवक से मारपीट और लूटपाट

जेवर-नकदी लूटने का आरोप, पुलिस को घटना पर संदेह, फॉरेंसिक टीम ने जुटाए साक्ष्य

तमसा संकेत, एजेंसी

सीतापुर। सीतापुर के मिश्रिख कोतवाली क्षेत्र के मोहल्ला चंदूपुर में गुरुवार देर रात संदिग्ध परिस्थितियों में घर में घुसकर युवक के साथ मारपीट किए जाने तथा जेवरात व नकदी ले जाने का संदिग्ध मामला सामने आया है। पीड़ित परिवार ने पुलिस को तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की है, जबकि पुलिस प्रथम दृष्टया घटना को संदिग्ध मानते हुए गहन जांच में जुट गई है। जानकारी के अनुसार मोहल्ला चंदूपुर निवासी रामबक्स पुत्र द्वारिका किसी रिश्तेदारी में गए हुए थे। घर पर उनकी पत्नी और पुत्र राहुल मौजूद थे। राहुल ने बताया कि रात करीब तीन बजे वह बाथरूम जाने के लिए उठा था। इसी दौरान घर में पहले से मौजूद तीन अज्ञात लोगों ने उसे पकड़ लिया और जबरन एक कमरे में ले गए। पीड़ित युवक के मुताबिक आरोपितों ने उससे घर में रखे जेवरात और नकदी के बारे में जानकारी मांगी। पहले उसने बक्से में रखा कुछ सामान उन्हें दे दिया, लेकिन आरोपित और अधिक सामान की मांग करने लगे। विरोध करने पर उसके साथ मारपीट की गई। डर के कारण उसने घर में रखे अन्य जेवरात और नकदी भी उन्हें सौंप दी। राहुल का आरोप है कि बदमाश चार सोने के कंगन, एक हार, झाला, मांगबेंदी, चांदी की पायल समेत करीब दो से चार हजार रुपये नकद लेकर फरार हो गए। बताया गया कि आरोपी घर के जीने के रास्ते छत पर चढ़कर मौके से निकल गए। घटना के बाद राहुल ने अपनी मां को पूरी जानकारी दी, जिसके बाद परिवार और आसपास के लोगों को मामले का पता चला। सूचना मिलने पर पुलिस ने मौके की जानकारी जुटाई और पीड़ित पक्ष से पूछताछ की। परिवार ने कोतवाली में लिखित शिकायत देकर कार्रवाई की मांग की है। इस संबंध में प्रभारी निरीक्षक प्रदीप सिंह ने बताया कि मामला प्रथम दृष्टया संदिग्ध प्रतीत हो रहा है। पुलिस सभी तथ्यों और परिस्थितियों की जांच कर रही है। जांच पूरी होने के बाद ही घटना की वास्तविकता सामने आ सकेगी।

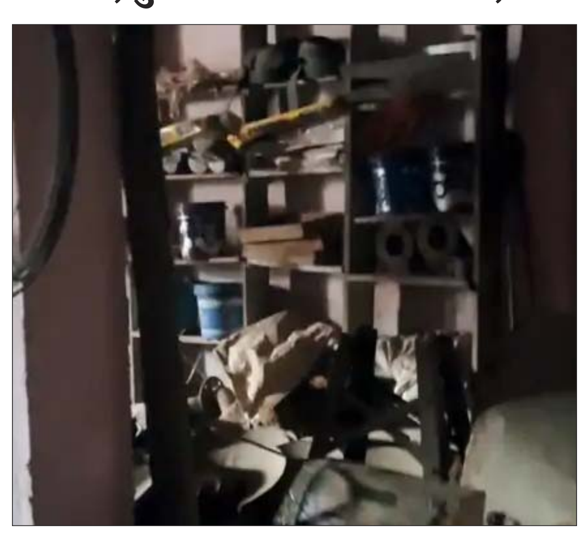

वारदात : कानपुर में बेटा परिवार के साथ ऊपर सोता रहा, पड़ोसियों को बदबू आने पर खुला राज

घर में 3 दिन तक सड़ती रही पिता की लाश

तमसा संकेत, एजेंसी

कानपुर। कानपुर में एक बंद कमरे में गन फैक्ट्री से रिटायर 92 साल के कर्मचारी का सड़ा-गला शव मिला। घर में करीब 3 दिन से लाश पड़ी रही और पूरा परिवार चैन से सोता रहा। लेकिन किसी को इसकी भनक तक नहीं हुई। बदबू आने पर परिजनों और पड़ोसियों को जानकारी हुई है। बुजुर्ग के परिजनों ने उनकी गुमशुदगी दर्ज कराकर रेलवे स्टेशन, अस्पतालों और अन्य स्थानों पर तलाश की थी। लेकिन उनका कोई सुराग नहीं मिला था। घर में बदबू आने के बाद अनहोनी की आशंका हुई। पड़ोसियों ने पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने बंद कमरे का दरवाजा खुलवाया। अंदर बुजुर्ग का न्यूड अवस्था में शव मिला। शव कई दिन पुराना होने के कारण पूरी तरह सड़-गल चुका था। परिजनों का कहना है कि उन्हें इसके बारे में कोई जानकारी नहीं थी। घटना शुक्रवार को रावतपुर थाना क्षेत्र स्थित आनंद नगर में हुई। रावतपुर के आनंद नगर में रहने वाले ईबख्श (92) ऑर्डिनेंस फैक्ट्री (गन फैक्ट्री) से सन 2003 में रियाटर हुए थे। उनकी पत्नी आफरीन ईसाई समुदाय से हैं। परिवार में बेटा अनुराग, बहू प्रगति, अनुराग के दो बेटे, बेटी शिप्रा और बहन अलका हैं। शिप्रा की शादी हो चुकी है। वह अपने ससुराल में रहती हैं, जबकि अलका इसी घर में ही रहती हैं।

ईबख्श, मृतक

अक्सर अकेले रहने की आदत थी

ईबख्स के बेटे अनुराग ने बताया- मेरे पिता ईबख्श 9 जून किसी को दिखाई नहीं दिए थे। हम लोगों को लगा कि वह अपने कमरे में आराम कर रहे हैं, क्योंकि उनकी आदत अक्सर अकेले रहने की थी। हालांकि, 9 जून की रात मुख्य गेट खुला मिला, जिससे परिवार को कुछ आशंका हुई। मैंने पिता के कमरे के पास जाकर देखा तो वहां बने चार कमरों में ताले लगे थे। इनमें तीन कमरों पर अंदर से और एक पर बाहर से ताला लगा हुआ था। 10 जून तक पिता के नहीं मिलने पर मैं और उनकी पत्नी ने रावतपुर थाने में गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कराई। अनुराग ने बताया कि शुरुआत में लोगों ने इस पर ज्यादा ध्यान नहीं दिया, लेकिन शुक्रवार को दुर्गंध तेज होने पर परिजनों को अनहोनी की आशंका हुई।

ईबख्श का 2 मंजिला मकान है। घर के निचले हिस्से में 5 कमरे बने हुए हैं। नीचे के कमरे में ईबख्श अकेले ही रहते थे। वहीं, बाकी का पूरा परिवार ऊपरी मंजिल पर रहता है।

बदबू आने पर स्थानीय लोगों ने पुलिस को सूचना दी

अनुराग ने बताया- 11 जून को घर के आसपास बदबू आने लगी। शुरुआत में लोगों ने इस पर ज्यादा ध्यान नहीं दिया, लेकिन शुक्रवार को दुर्गंध तेज होने पर परिजनों को अनहोनी की आशंका हुई। मोहल्ले के लोगों के कहने पर ने डायल 112 पुलिस को सूचना दी।

यूपी में आंधी-बारिश, सड़कें डूबीं, अस्पताल में पानी भरा

पेड़-पोल उखड़े, 15 शहरों में बरसात, आज 75 जिलों में अलर्ट

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ/वाराणसी/प्रयागराज/कानपुर। यूपी में प्री-मानसून एक्टिव हो गया है। गुरुवार देर रात से आगरा, मथुरा, सहारनपुर, हापुड़, शामली और हाथरस में रुक-रुक कर जोरदार बारिश हुई। सहारनपुर में तूफान के साथ इतनी बारिश हुई कि सड़कें डूब गईं। लोगों के घुटनों तक पानी भर गया। बारिश का पानी घरों में घुस गया। शामली में नगर पालिका परिसर, अस्पतालों में कमर तक पानी भर गया। हापुड़ में भी आंधी चली। हाथरस में पेड़ और पोल उखड़ गए। घंटों बिजली गुल रही। शुक्रवार तड़के बाराबंकी, लखीमपुर-खीरी, फर्रुखाबाद, एटा, बिजनौर और बागपत में झमाझम बारिश हुई। लखनऊ में बादल छाए रहे। कुछ इलाकों में हल्की बूंदाबांदी भी हुई है। आज सभी 75 जिलों में आंधी-बारिश का अलर्ट है। 16 जिलों में ओले भी गिर सकते हैं। मौसम विभाग (IMD) का कहना है कि प्रदेश में एक नया पश्चिमी विक्षोभ एक्टिव हो गया है। इससे प्री-मानसून जोर पकड़ने लगा है। ऐसे में आंधी-बारिश का सिलसिला फिलहाल जारी रहेगा।

लोग खराब मौसम के दौरान सावधानी बरतें और सुरक्षित स्थानों पर रहें। बीते 24 घंटे की बात करें तो गोरखपुर-मेरठ समेत 52 शहरों में आंधी के साथ जोरदार बारिश हुई। इस दौरान 4.9 मिमी बारिश हुई। जबकि, वैज्ञानिकों ने महज 1.5 मिमी बारिश का अनुमान लगाया था। हालांकि, एक से 11 जून के बीच बारिश ने मायूस किया है। एक्सपर्ट्स ने बताया कि 11.8 मिमी बारिश हुई। 17.3 मिमी बरसात होनी चाहिए थी। लखनऊ के वरिष्ठ मौसम वैज्ञानिक अतुल कुमार सिंह ने बताया- यूपी में प्री-मानसून की बारिश का सिलसिला शुरू हो गया है। अब मानसून की एंट्री तक प्रदेश में आंधी-बारिश का सिलसिला जारी रहेगा।

विरोध करने वालों का एनकाउंटर हो रहा, सपा शंकराचार्य के साथ है
चढ़ावे पर डकैती पड़ रही: अखिलेश

विरोध

तमसा संकेत, एजेंसी

कासगंज। कासगंज में सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने राम मंदिर के सवाल पर कहा कि चढ़ावे पर डकैती पड़ रही है। इस दौरान उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार में गैस सिलेंडर महंगा हुआ है, पेपर लीक हो रहे हैं। भाजपा वाले खुद को सनातनी बताते हैं, लेकिन ये सनातनी नहीं हैं। शंकराचार्य सरकार की कमियां बता रहे थे इसलिए उनके साथ गलत किया। सपा शंकराचार्य के साथ है। बीजेपी को अपना विरोध स्वीकार नहीं है। अगर कोई विरोध करेगा, तो उसका एनकाउंटर कर देंगे। कोई विरोध करेगा, तो उसे जेल भेज देंगे। अखिलेश यादव ने सपा के पूर्व सांसद कुंवर देवेंद्र सिंह यादव के उर्मिला गार्डन का उद्घाटन किया। देवेंद्र यादव लोकसभा 2024 चुनाव से पहले भाजपा में शामिल हुए थे, लेकिन आज अखिलेश यादव की मौजूदगी में सपा में घर वापसी की। अखिलेश को एक बाबा ने मंच पर मुकुट पहनाया, जिस पर अखिलेश बोले ये बाबा जिन्होने मुकुट पहनाया ये हमशक्ल किसी ओर के भी लगते हैं। मुकुट पहनाने से ज़्यादा उनका इंटरेस्ट था कि उनकी फोटो खिंच जाए और रील बन जाए। रील के लिए बाबा जी अपना आध्यात्मिक काम छोड़कर सोशल मीडिया पर असर डाल रहे हैं। पंचायत चुनाव में यह देरी हो रही है, 'वन नेशन, वन इलेक्शन' का फार्मूला फेल हो गया है। गांव के लोग तैयार हैं बीजेपी को सबक सिखाने के लिए क्योंकि उन्हें खाद की बोरी नहीं मिल रही, डीजल नहीं मिल रहा, पेट्रोल महंगा हो गया।

अखिलेश ने कहा कि जो सरकार चल रही है वो सिर्फ लूटने के लिए चल रही है। इतना लूटने का काम तो पहले किसी सरकार में नहीं हुआ। महंगाई ने हमारे किसानों की खुशियों को खत्म कर दिया है। साल 2014 में पेट्रोल की क्या कीमत थी और आज क्या कीमत है! आज जो पेट्रोल आपको मिल रहा है वो भी 20% मिलावट वाला मिल रहा है।

डीजल-पेट्रोल और सिलेंडर महंगा

अगर इनसे सवाल करो तो भारतीय जनता पार्टी के लोग कहते हैं कि वैश्विक कारणों और युद्ध की वजह से डीजल, पेट्रोल और सिलेंडर महंगा हो रहा है। भाजपा की जो विदेश नीति चल रही है, यह उसी का परिणाम है कि आज भारत की जनता को इस कमरतोड़ महंगाई का सामना करना पड़ रहा है। अखिलेश ने कहा कि अगर भाजपाई बेईमानी नहीं करते तो आज दिल्ली में और डबल इंजन की सरकार नहीं होती। बहुत जगह इन्होंने बेईमानी की है।

प्रोटोकॉल तोड़कर यूक्रन-ईरान में उतारते जहाज

बीजेपी के बड़े-बड़े नेता कहते थे कि हम 'विश्व गुरु' बनने जा रहे हैं। लेकिन जब सच में विश्व गुरु बनने का मौका आया, तो पता ही नहीं चला कि हमारे विश्व गुरु हैं कहां! सच्चाई तो यह है कि अगर हमारे देश के प्रधानमंत्री जी सच में विश्व गुरु बनने वाले होते तो जैसे उन्होंने एक बार प्रोटोकॉल तोड़कर अपना हवाई जहाज पाकिस्तान में उतारा था तो शायद आज दुनिया को युद्ध का सामना नहीं करना पड़ता।

पूर्व सांसद की सपा में वापसी कराई

अखिलेश यादव दोपहर 1 बजे कासगगंज पहुंचे। उन्होंने सपा के पूर्व सांसद कुंवर देवेंद्र सिंह यादव के उर्मिला गार्डन का उद्घाटन किया। देवेंद्र सिंह यादव ने दोबारा से सपा में वापसी की। 2024 के लोकसभा चुनाव से ठीक पहले देवेंद्र सिंह यादव भाजपा में शामिल हो गए। हालांकि, भाजपा में करीब सवा दो साल बिताने के बाद भी पार्टी में उचित कद व सम्मान न मिलने से आहत रहे।

कैंटीन संचालक ने ट्रेन के सामने कूदकर दी जान

बुलंदशहर में साथी बोला- पानी की बोतल न देने पर सिपाही ने थप्पड़ मारा था

तमसा संकेत, एजेंसी

बुलंदशहर। यूपी के बुलंदशहर में कैंटीन संचालक ने ट्रेन के आगे कूदकर जान दे दी। साथी वेंडर का आरोप है कि पानी की बोतल न देने पर जीआरपी सिपाही ने थप्पड़ जड़ा था। इससे आहत होकर कैंटीन संचालक ट्रेन के आगे खड़ा हो गया। आरोपी सिपाही सुनील ने ट्रैक पर छलांग लगाकर उसे बचाने की कोशिश की, लेकिन कैंटीन संचालक ने उसे धक्का दे दिया। इसी दौरान तेज रफ्तार गोरखधाम एक्सप्रेस आई और कैंटीन संचालक के ऊपर से गुजर गई। उसकी लाश कई टुकड़ों में बंट गई। घटना मुख्यालय से 35 किमी दूर गुरुवार रात 11:10 बजे खुर्जा स्टेशन पर हुई। आज इसका CCTV सामने आया है। कैंटीन संचालक अमरदीप सिंह (26) कानपुर का रहने वाला था। सीओ जीआरपी उदय प्रताप सिंह ने बताया- शुरुआती जांच और CCTV के आधार पर मामला आत्महत्या का लग रहा है। हालांकि, लगाए गए आरोपों की जांच होगी। पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट और जांच के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी। वेंडर सुरेश ने बताया कि अमरदीप सिंह की प्लेटफॉर्म नंबर-3 पर कैंटीन है। गुरुवार रात मैं अपने साथियों के साथ ट्रेन में पानी बेचकर लौट रहा था। कैंटीन के पास बैठकर हिसाब-किताब कर रहे थे। इसी दौरान एक बुजुर्ग व्यक्ति वहां आया। उसने कहा कि जीआरपी सिपाही सुनील के लिए पानी की बोतल चाहिए।

फास्ट न्यूज

बिजनौर डीएम ने योग दिवस की तैयारियों पर बैठक की

बिजनौर। बिजनौर की जिलाधिकारी जसजीत कौर की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में 12वें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस और योग सप्ताह के आयोजन को लेकर एक बैठक हुई। यह बैठक आज दोपहर 3 बजे आयोजित की गई। जिलाधिकारी जसजीत कौर ने कहा कि योग दिवस केवल एक कार्यक्रम नहीं, उन्होंने बताया कि 21 जून को मनाए जाने वाले 12वें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस का थीम 'योगा फॉर हेल्दी एजिंग' है।

5 को आजीवन कारावास-50 हजार का जुर्माना

आजमगढ़। आजमगढ़ कोर्ट ने विवाहिता की हत्या के दोषी पांच आरोपियों को आजीवन कारावास की सजा दी। हर एक को पचास हजार रुपए अर्थदंड की सजा भी सुनाई। अर्थदंड की अस्सी प्रतिशत धनराशि मृतका के पिता को दी जाएगी। यह फैसला जिला एवं सत्र न्यायाधीश जय प्रकाश पांडेय ने शुक्रवार को सुनाया। अभियोजन पक्ष के अनुसार सरायमीर की रहने वाली विमला का प्रेम संबंध गांव के ही हरेंद्र से हो गया था। जिसकी जानकारी होने पर सरायमीर थाने पर पंचायत हुई और इस पंचायत में 22 फरवरी 2015 को हरेंद्र और विमला का विवाह संपन्न हुआ।

सोशल मीडिया पर देवी-देवताओं पर की टिप्पणी

बलरामपुर। बलरामपुर जिले के कोतवाली देहात क्षेत्र में सोशल मीडिया पर धार्मिक भावनाओं को कथित तौर पर आहत करने वाली टिप्पणियों का मामला सामने आया है।
इस संबंध में सवर्ण आर्मी के पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने पुलिस को तहरीर दी है, कोतवाली देहात क्षेत्र के बहादुरपुर गांव निवासी 35 वर्षीय शटरिंग कारीगर प्रभु दयाल पर फेसबुक के माध्यम से देवी-देवताओं और ब्राह्मण समाज के संबंध में कथित आपत्तिजनक टिप्पणियां करने का आरोप है।

पांच आरोपियों को आजीवन कारावास

विवाहिता की हत्या किए जाने के मामले में कोर्ट ने सुनाया फैसला 9 गवाहों ने दी गवाही

तमसा संकेत, एजेंसी

आजमगढ़। आजमगढ़ में विवाहिता की हत्या किए जाने के मुकदमे में सुनवाई पूरी करने के बाद अदालत ने पांच आरोपियों को सश्रम आजीवन कारावास तथा प्रत्येक को पचास हजार रूपये अर्थदंड की सजा सुनाई है। अर्थदंड की अस्सी प्रतिशत धनराशि मृतका के पिता को दी जाएगी। यह फैसला जिला एवं सत्र न्यायाधीश जय प्रकाश पांडेय ने शुक्रवार को सुनाया। अभियोजन पक्ष के अनुसार वादी मुकदमा मदन लाल निवासी निजामुद्दीनपट्टी थाना सरायमीर की पुत्री विमला का प्रेम संबंध गांव के ही हरेंद्र से हो गया। जिसकी जानकारी होने पर सरायमीर थाने पर पंचायत हुई और इस पंचायत में 22 फरवरी 2015 को हरेंद्र और विमला का विवाह संपन्न हुआ। इस विवाह को हरेंद्र के घर वाले स्वीकार नहीं करते थे और विमला के मायके वालों से दहेज की मांग करने लगे। एक लाख रूपये तथा मोटर साइकिल की मांग को लेकर 14 मई 2017 को पति हरेंद्र, जेठ कलेन्द्र, देवर राजेन्द्र, ससुर भोपल तथा सास दुर्गावती ने विमला को बुरी तरह से मारा पीटा। सूचना पाकर पहुंचे विमला के पिता ने पहले संजरपुर स्थित निजी अस्पताल में फिर 15 मई को जिला अस्पताल में भर्ती कराया।

स्कूल में 10वीं के छात्र की चाकू मारकर हत्या

चंदौली में क्लासमेट चाकू लेकर पहुंचा, सीने पर वार किए, बाकी स्टूडेंट डरकर भागे

तमसा संकेत, एजेंसी

चंदौली। यूपी के चंदौली में 10वीं के छात्र की शुक्रवार सुबह स्कूल में हत्या कर दी गई। वारदात को क्लासमेट ने अंजाम दिया। आरोपी छात्र कमर में चाकू छिपाकर क्लास पहुंचा। वहां उसने सीने पर चाकू से वार किए। अचानक हुए हमले में लवकुश यादव (17) संभल नहीं पाया। खून से लथपथ होकर वह वहीं गिर गया।

क्लासरूम में हुई चाकूबाजी से भगदड़ मच गई। टीचर-स्टूडेंट्स क्लास छोड़कर भाग गए। शोर-शराबा हुआ तो बाकी टीचर मौके पर पहुंचे। घायल छात्र को जिला अस्पताल ले गए। जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। आरोपी छात्र भी नाबालिग है। उम्र 17 साल है। पुलिस ने वारदात के बाद वो क्लास में खड़ा रहा। टीचर ने उसे पकड़कर पुलिस को सौंप दिया। उसने अपना जुर्म कबूल किया है।

लवकुश
मृतक

टीचर बोले- अचानक उठकर आया, चाकू मारकर भागा

वारदात के दौरान क्लास में पढ़ा रहे टीचर दीनदयाल यादव ने बताया- सुबह बच्चों को एक्स्ट्रा क्लास के लिए बुलाया गया था। ये दोनों बच्चे भी आए थे। क्लास में लवकुश आगे बैठा था। जबकि हत्यारोपी उसके पीछे वाली सीट पर था। मैं बच्चों को पढ़ा रहा था। उस समय क्लास में 10 बच्चे थे। तभी अचानक वो पीछे से उठकर आगे आया और कुछ ही सेकेंड में लवकुश पर चाकू से वार कर दिए। बच्चों ने शोर मचाया तो मैं पीछे मुड़ा।

स्कूल में एक्स्ट्रा क्लास चल रही थी

प्रतापपुर गांव के बबलू यादव ड्राइवर हैं। वे एक प्राइवेट कंपनी में गाड़ी चलाते हैं। उनका बेटा लवकुश यादव (17) गांव में ही आदर्श इंटर कॉलेज में हाई स्कूल का छात्र था। उनका एक और 6 साल का बेटा अंश है। लवकुश अपने ही कॉलेज में समर वेकेशन में चलने वाली एक्स्ट्रा क्लास करता था। प्रत्यक्षदर्शी छात्र ने बताया कि क्लास में आरोपी पीछे वाली सीट पर बैठा था, जबकि लवकुश आगे वाली सीट पर था। कोचिंग शुरू होने के करीब 15 मिनट बाद अचानक आरोपी लवकुश के पास पहुंचा। बिना कुछ बोले उसने कमर से चाकू निकाला और उसके सीने पर 3 से 4 वार किए। दोनों में कुछ दिन पहले झगड़ा हुआ था। तब से दोनों आपस में बातचीत नहीं कर रहे थे। लेकिन आरोपी इतनी बड़ी वारदात कर देगा, ऐसा हम लोगों ने कभी नहीं सोचा था।

मृतक छात्र के पिता बबलू यादव और उसकी मां विमला गुरुवार को अयोध्या गए थे। बेटे की हत्या की सूचना मिलने के बाद चंदौली लौट रहे हैं। वारदात जिला मुख्यालय से 10 किमी दूर सदर कोतवाली क्षेत्र के प्रतापपुर गांव की है।

दादी बोलीं- आरोपी ने चार बार चाकू मारा

- लवकुश की दादी महराजी देवी और बुआ आरती का रो-रोकर बुरा हाल है। बुआ ने कहा- मेरा भतीजा बहुत शांत स्वभाव का था। वह पहले किसी से लड़ाई नहीं करता था। घर का बड़ा बेटा था और पढ़ने में भी होशियार था।
- दादी महराजी देवी ने बताया- मेरा पोता बहुत सीधा था। किसी से ज्यादा बातचीत नहीं करता था। पोस्टमॉर्टम हाउस पर हमने पोते की लाश देखी। आरोपी ने मेरे पोते को चार बार चाकू मारा है।

पार्टी ने राज्यपाल को ज्ञापन सौंपकर उच्चस्तरीय जांच की मांग की

राम मंदिर चढ़ावे में चोरी, मेरठ में 'आप' का प्रदर्शन

तमसा संकेत, एजेंसी

मेरठ। आम आदमी पार्टी (AAP) ने अयोध्या स्थित राम मंदिर के चढ़ावे में कथित चोरी और हेराफेरी के आरोपों को लेकर मेरठ में विरोध प्रदर्शन किया।

पार्टी के जिलाध्यक्ष अंकुश चौधरी के नेतृत्व में आयोजित इस प्रदर्शन में बड़ी संख्या में पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने भाग लिया।

प्रदर्शन के बाद राज्यपाल के नाम संबोधित एक ज्ञापन प्रशासनिक अधिकारियों को सौंपा गया, जिसमें पूरे मामले की उच्चस्तरीय एवं निष्पक्ष जांच कराने की मांग की गई। आम आदमी पार्टी नेताओं ने कहा कि पार्टी के वरिष्ठ नेता और राज्यसभा सांसद Sanjay Singh ने हाल ही में इस मुद्दे को सार्वजनिक रूप से उठाया है।

राज्यपाल को भेजा ज्ञापन

प्रदर्शन के बाद आम आदमी पार्टी के प्रतिनिधिमंडल ने प्रशासनिक अधिकारियों के माध्यम से राज्यपाल के नाम ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में मांग की गई कि राम मंदिर चढ़ावा मामले में लगाए गए आरोपों की स्वतंत्र और निष्पक्ष जांच कराई जाए तथा जांच रिपोर्ट सार्वजनिक की जाए। फिलहाल, आम आदमी पार्टी ने स्पष्ट किया है कि वह इस मामले में निष्पक्ष जांच की मांग को लेकर आगे भी अपनी आवाज उठाती रहेगी।

श्रद्धालुओं की आस्था से जुड़ा है मामला: अंकुश चौधरी

प्रदर्शन को संबोधित करते हुए जिलाध्यक्ष अंकुश चौधरी ने कहा कि भगवान श्रीराम करोड़ों लोगों की आस्था और विश्वास के केंद्र हैं। देशभर से श्रद्धालु अपनी श्रद्धा और मेहनत की कमाई का हिस्सा रामलला के चरणों में अर्पित करते हैं। ऐसे में चढ़ावे में कथित गड़बड़ी और हेराफेरी के आरोप बेहद गंभीर हैं और यह करोड़ों श्रद्धालुओं की भावनाओं से जुड़ा विषय है।

राजनीतिक गलियारों में चर्चा

राम मंदिर चढ़ावा मामले को लेकर आम आदमी पार्टी के इस विरोध प्रदर्शन के बाद राजनीतिक माहौल में बहस तेज हो गई है। पार्टी का कहना है कि वह इस मुद्दे को श्रद्धालुओं की आस्था और पारदर्शिता से जुड़ा विषय मानती है, जबकि मामले को लेकर विभिन्न राजनीतिक दलों की ओर से अलग-अलग प्रतिक्रियाएं सामने आ रही हैं।

मोहर्रम पर मेरठ रेंज में 4500 पुलिसकर्मी तैनात

शांतिपूर्ण आयोजन के लिए ड्रोन से होगी निगरानी

तमसा संकेत, एजेंसी

मेरठ। मेरठ रेंज पुलिस ने मोहर्रम को शांतिपूर्ण और सुरक्षित ढंग से संपन्न कराने के लिए व्यापक सुरक्षा व्यवस्था लागू की है। डीआईजी कलानिधि नैथानी ने सभी जिला प्रभारियों को निर्देश दिए हैं कि ताजिये निर्धारित मार्गों से ही निकाले जाएं और उनकी ऊंचाई परंपरा व मानकों के अनुरूप हो। उन्होंने स्पष्ट किया कि किसी भी नई परंपरा की अनुमति नहीं दी जाएगी।

मोहर्रम के दौरान मेरठ, बुलंदशहर, बागपत और हापुड़ जिलों में कुल 395 जुलूस, 241 मजलिसें और 560 ताजिये प्रस्तावित हैं। इनमें अकेले मेरठ में 95 जुलूस, 54 मजलिसें और 127 ताजिये निकाले जाएंगे। सुरक्षा व्यवस्था को सुदृढ़ करने के लिए रेंज में 7 एसपी, 25 सीओ, 102 इंस्पेक्टर, 512 सब इंस्पेक्टर, 922 हेड कांस्टेबल, 1540 कांस्टेबल, 832 होमगार्ड और पीआरडी जवानों के साथ एक कंपनी पीएसी और एक कंपनी बीएसएफ तैनात की गई है। कुल मिलाकर, लगभग 4500 पुलिसकर्मी सुरक्षा का जिम्मा संभालेंगे। रेंज में 83 स्थानों को संवेदनशील और हॉटस्पॉट के रूप में चिह्नित किया गया है, जिनमें मेरठ के 47 स्थान शामिल हैं। इसके अतिरिक्त, 24 जोन, 81 सेक्टर और 59 क्यूआरटी (क्विक रिस्पांस टीम) का गठन किया गया है। जुलूस मार्गों और संवेदनशील क्षेत्रों में 1072 सीसीटीवी कैमरों से निगरानी की जाएगी। मिश्रित आबादी वाले और अतिसंवेदनशील इलाकों में ड्रोन कैमरों के माध्यम से भी कड़ी नजर रखी जाएगी। डीआईजी ने निर्देश दिए हैं कि ताजिया मार्गों पर बिजली के तारों, अवरोधों और छतों पर रखी ईंट, पत्थर व अन्य संदिग्ध वस्तुओं को पहले ही हटवा लिया जाए। सोशल मीडिया पर अफवाह फैलाने वालों पर भी कड़ी निगरानी रखी जाएगी और अवैध हथियार लेकर चलने वालों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

पृष्ठ 01 का शेष...

हर शहर और गांव ...

इससे प्राकृतिक जल संसाधनों पर अतिरिक्त दबाव नहीं पड़ेगा। साथ ही प्रतिदिन 2080 किलोग्राम ऑक्सीजन का उत्पादन होगा, जो लगभग 1750 पेड़ लगाने के बराबर है। इसके अलावा इस परियोजना से प्रति वर्ष करीब 1000 टन कार्बन डाइऑक्साइड उत्सर्जन में कमी आने का अनुमान है। 42 यात्रियों की क्षमता वाली प्रत्येक बस में एक बार में 56 किलोग्राम हाइड्रोजन भरी जा सकेगी, जिससे लगभग 750 किलोमीटर तक की यात्रा संभव होगी। ग्रीन हाइड्रोजन आधारित मोबिलिटी परियोजना स्वच्छ ऊर्जा, पर्यावरण संरक्षण और टिकाऊ परिवहन की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम मानी जा रही है। यह परियोजना न केवल प्रदूषण कम करेगी, बल्कि भविष्य के हरित परिवहन मॉडल का भी मार्ग प्रशस्त करेगी।

पश्चिम बंगाल में ...

आग पर पूरी तरह काबू पाने में करीब 24 घंटे लगे। कांग्रेस ने कहा- सरकार और चुनाव आयोग को बताना चाहिए कि आग कैसे लगी और ऊपरी मंजिलों तक कैसे पहुंची। AAP ने कहा- आखिर ऐसा क्या हुआ कि एक सरकारी भवन में इतनी भीषण आग लग गई? आग कैसे लगी, और हजारों EVM इस आग की चपेट में कैसे आ गईं, भाजपा जवाब दे? पश्चिम बंगाल के दमकल एवं आपदा प्रबंधन राज्य मंत्री कौशिक चौधरी ने बताया कि आग सबसे पहले दूसरी और तीसरी मंजिल पर दिखी थी। इसके बाद यह सातवीं, आठवीं, नौवीं और दसवीं मंजिल तक पहुंच गई। उन्होंने सवाल उठाया कि चौथी, पांचवीं और छठी मंजिल को ज्यादा नुकसान पहुंचे बिना आग ऊपर कैसे पहुंची। फॉरेंसिक रिपोर्ट आने के बाद ही स्थिति साफ होगी, लेकिन साजिश की आशंका से इनकार नहीं किया जा सकता। दक्षिण 24 परगना प्रशासन की शिकायत पर अलीपुर थाने में FIR दर्ज की गई है। पुलिस आग की वजह तलाश रही है। अभी यह साफ नहीं है कि आग शॉर्ट सर्किट से लगी या किसी और कारण से। फॉरेंसिक टीम मौके से नमूने जुटाएगी। जांच में यह भी देखा जाएगा कि आग हादसा थी या किसी ने जानबूझकर लगाई थी।

आंदोलन करना ...

अभिजीत दोपहर डेढ़ बजे हाथ में संविधान की किताब लेकर इको गार्डन पहुंचे। उन्हें पुलिस ने सुरक्षा घेरे में अंदर तक पहुंचाया। प्रदर्शन के दौरान RAF (रैपिड एक्शन फोर्स), पीएसी और लोकल पुलिस के 1500 से ज्यादा जवान तैनात रहे। सैकड़ों छात्र और समर्थक पोस्टर-बैनर लेकर पहुंचे। उन्होंने 'पेपर लीक बंद करो, बंद करो' और 'UPSI स्कोर कार्ड जारी करो, जारी करो' के नारे लगे। कुछ छात्र-अभ्यर्थियों ने कॉकरोच पार्टी और अभिजीत दीपके का विरोध भी किया। कहा- हमारे इस आंदोलन का कॉकरोच पार्टी से कोई मतलब नहीं है। वे राजनीति कर रहे हैं। अगर अभिजीत दीपके यहां आ गए, तो हमारा आंदोलन तहस-नहस हो जाएगा। अभिजीत गुरुवार देर रात 2.20 बजे लखनऊ पहुंचे थे। उन्होंने टीम इंडिया की टी-शर्ट पहन रखी थी। अमौसी एयरपोर्ट पर से दीपके ने कहा था- हम दिल्ली और पुणे की तरह ही शांतिपूर्ण प्रदर्शन करेंगे। हम कहीं से कुछ भी गलत नहीं कर रहे हैं। बस लोकतंत्र में अपनी बात रख रहे हैं, जो हमारा संवैधानिक अधिकार है। अभिजीत दीपके की कॉकरोच पार्टी ने इससे पहले 11 जून को पुणे और 6 जून को दिल्ली के जंतर-मंतर पर प्रदर्शन किया था। 4 बजते ही पुलिस ने अनाउंस कर प्रदर्शन-कारियों को इको गार्डन से बाहर कर रही है। इस प्रदर्शन की अनुमति सुबह 10 से शाम 4 बजे तक थी। नोएडा से आए शिक्षक नितिन ने कहा कि कॉकरोच जनता पार्टी के चीफ अभिजीत ने इस पूरे प्रदर्शन को डिरेल करने की कोशिश की। उन्हें पता ही नहीं था कि किस मुद्दे पर प्रदर्शन हो रहा है। उनका कहना था कि यह प्रोटेस्ट का आह्वान किया, जबकि ऐसा नहीं है। इस प्रदर्शन की रूपरेखा हमने 15 दिन पहले तैयार की थी। उसमें उत्तर प्रदेश के तमाम प्रतियोगिता के परीक्षार्थी शामिल थे। यह प्रदर्शन पूरी तरह राज्य सरकार के परीक्षा लेने के तरीके के खिलाफ था। उन्हें यह बात पता ही नहीं थी, वह केंद्रीय शिक्षा मंत्री का इस्तीफा मांग रहे थे। प्रदर्शन में शामिल हुए आनंद आजाद ने कहा कि वर्तमान सरकार ने युवाओं को पूरी तरीके से नकार दिया है।

राज्यसभा नामांकन ...

दरअसल, मध्य प्रदेश की तीसरी सीट के लिए कांग्रेस ने मीनाक्षी नटराजन को उम्मीदवार बनाया था। कांग्रेस के पास पर्याप्त संख्या बल भी था, लेकिन 9 जून को मीनाक्षी का नामांकन फॉर्म निरस्त कर दिया गया। इसके खिलाफ कांग्रेस सुप्रीम कोर्ट पहुंची थी। याचिका खारिज होने पर मीनाक्षी ने कहा कि पहले वोट चोरी होती थी, इस बार सीट चोरी हुई। इसके बाद 11 जून को मध्य प्रदेश की तीनों सीटों पर भाजपा के राज्यसभा उम्मीदवारों रजनीश अग्रवाल, तरुण चुग और महेश केवट को निर्विरोध चुने जाने के सर्टिफिकेट दे दिए गए। वहीं, नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने कहा- जब किसी ने रिटर्निंग अफसर से पूछा कि आपने ऐसा क्यों किया तो वे बोले कि मुझे नौकरी करना है। वो रिटर्निंग ऑफिसर भी मानता है कि उसने दबाव में गलती की है। चुनाव आयोग ने सुप्रीम कोर्ट में गलत जानकारी दी। स्पष्ट है कि आयोग लोकतंत्र का गला घोंटने का काम कर रहा है। उधर, दिल्ली पहुंचे मध्य प्रदेश के कांग्रेस विधायकों ने राष्ट्रपति भवन तक मार्च निकालने की कोशिश की। पुलिस ने उन्हें रोकने के लिए सड़क पर बैरिकेडिंग कर दी। कांग्रेस नेता इस पर चढ़ गए तो पुलिस से उनकी झड़प हो गई। पुलिस ने हल्का बल प्रयोग करते हुए प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी, नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार समेत तमाम नेताओं को हिरासत में ले लिया। हालांकि, बाद में सभी को रिहा कर दिया गया।

पहली बारिश में ...

गांव की बुजुर्ग महिलाओं का कहना है कि पिछले करीब 20 वर्षों से रास्ते की स्थिति जस की तस बनी हुई है। इस दौरान कई प्रधान आए और गए, लेकिन सड़क निर्माण का मुद्दा केवल वादों तक ही सीमित रहा। ग्रामीणों का आरोप है कि उन्होंने कई बार ब्लॉक और तहसील स्तर पर शिकायतें कीं, लेकिन कोई स्थायी समाधान नहीं निकला। हर बार आश्वासन मिला, लेकिन हालात में सुधार नहीं हुआ। ग्रामीणों का कहना है कि मनरेगा, पंचायत निधि और 15वें वित्त आयोग जैसी योजनाओं के तहत विकास कार्यों पर भारी खर्च दिखाया जाता है, लेकिन गांव की मूलभूत समस्याएं अब भी जस की तस बनी हुई हैं। लोगों का सवाल है कि यदि विकास कार्यों की निगरानी के लिए जियो-टैगिंग और ऑनलाइन पोर्टल जैसी व्यवस्थाएं मौजूद हैं, तो फिर हर वर्ष बरसात में गांव की यही स्थिति क्यों सामने आती है? गांववासियों ने चेतावनी दी है कि यदि जल्द ही सड़क, इंटरलॉकिंग और पक्की नाली निर्माण का कार्य शुरू नहीं किया गया तो वे आंदोलन और धरना प्रदर्शन करने को मजबूर होंगे।

मनाली-लेह मार्ग ...

इन परियोजनाओं का मुख्य उद्देश्य जम्मू-कश्मीर और लद्दाख में चीन तथा पाकिस्तान से लगती सीमाओं पर सामरिक तैयारियों को और मजबूत करना है। अटल टनल, जोजिला टनल और प्रस्तावित शिंकुला टनल के बाद यह परियोजना क्षेत्रीय कनेक्टिविटी को नए आयाम देगी।

परियोजना के तहत बारालाचा दर्रे के नीचे लगभग 13 किलोमीटर लंबी सुरंग का निर्माण किया जाएगा। इसकी अनुमानित लागत 8 हजार 800 करोड़ रुपए है। परियोजना की विस्तृत रिपोर्ट (डीपीआर) अक्टूबर 2026 तक तैयार होने की संभावना है।

लाचुंगला दर्रे के नीचे लगभग 11 किलोमीटर लंबी सुरंग प्रस्तावित है, जिसकी अनुमानित लागत 4,500 करोड़ रुपये आंकी गई है।

इस परियोजना की डीपीआर दिसंबर 2026 तक पूरी होने की उम्मीद है। लद्दाख के तंगलंग ला दर्रे के नीचे लगभग पांच किलोमीटर लंबी सुरंग का निर्माण किया जाएगा। इस परियोजना पर 2,250 करोड़ रुपये खर्च होने का अनुमान है।

कॉमनवेल्थ गेम्स में 9 गोल्ड जीते, अपने कोच के निधन का पता चलते ही मनु भाकर ने ट्रेनिंग रोकी

शूटर जसपाल राणा का निधन

दुःखद

नई दिल्ली, एजेंसी

भारत के दिग्गज शूटर जसपाल राणा का शुक्रवार को निधन हो गया। 1 जून को जर्मनी से लौटते समय फ्लाइट में 49 साल के राणा की तबीयत बिगड़ी थी। दिल्ली पहुंचने पर उन्हें एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया था, जहां उनके हार्ट में स्टेंट डाला गया था। नेशनल राइफल एसोसिएशन ऑफ इंडिया (NRAI) के प्रेसिडेंट कालीकेश नारायण सिंह देव ने उनके निधन की पुष्टि की। जसपाल के पिता नारायण सिंह राणा इंडो-तिब्बत बॉर्डर पुलिस, यानी ITBP में तैनात थे। उन्होंने 10 साल की उम्र में ही जसपाल को पिस्टल और राइफल शूटिंग के बारे में बताया। जसपाल ने शुरुआत में पिस्टल और राइफल दोनों से अभ्यास किया, लेकिन बाद में फेडरेशन ने एक इवेंट के लिए एक ही शूटर चुनने का नियम लागू किया, जिसके बाद उन्होंने पिस्टल शूटिंग को चुना। जसपाल 11-12 साल की उम्र तक ही राज्य और राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिताओं में हिस्सा लेने लगे थे। 1988 में सिर्फ 12 वर्ष की उम्र में उन्होंने अहमदाबाद में आयोजित 31वीं नेशनल शूटिंग चैंपियनशिप में सिल्वर मेडल जीता था। 2008 ओलिंपिक में भारत को शूटिंग का पहला गोल्ड मेडल दिलाने वाले अभिनव बिंद्रा ने जसपाल राणा के निधन पर शोक जताया है। उन्होंने सोशल प्लेटफॉर्म X पर लिखा- 'जसपाल के निधन की खबर सुनकर दुखी हूं। वे मेरे टीम मेट रहे हैं और भारतीय निशानेबाजी को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने वाली पीढ़ी के अहम सदस्य थे।

जसपाल राणा ने एशियन गेम्स में 4 गोल्ड जीते थे।

कॉमनवेल्थ और एशियन गेम्स में 23 मेडल जीते

जसपाल राणा ने कॉमनवेल्थ और एशियन गेम्स को मिलाकर कुल 23 मेडल अपने नाम किए थे। इनमें एशियन गेम्स में 4 गोल्ड, 2 सिल्वर और 2 ब्रॉन्ज मिलाकर कुल 8 मेडल थे। कॉमनवेल्थ गेम्स में उन्होंने 9 गोल्ड, 4 सिल्वर और 2 ब्रॉन्ज को मिलाकर कुल 15 मेडल जीते थे। उन्हें 18 साल की उम्र में अर्जुन अवॉर्ड से सम्मानित किया गया था।

जसपाल राणा ने कॉमनवेल्थ गेम्स में 9 बार गोल्ड मेडल जीते थे। इनमें लगातार 4 एडिशन के गोल्ड शामिल रहे। राणा पेरिस ओलिंपिक में डबल ओलिंपिक मेडल जीतने वाली शूटर मनु भाकर के कोच भी थे। उन्हें फरवरी 2025 में 25 मीटर पिस्टल के लिए भारतीय जूनियर टीम का हाई परफार्मेंस कोच बनाया गया था।

मनु भाकर ने ओलिंपिक मेडल जीतने के बाद जसपाल राणा के साथ फोटो पोस्ट की थी।

वर्ल्ड चैंपियनशिप में दर्द से कराहते हुए गोल्ड जीता था

जसपाल राणा ने कई इंटरनेशनल इवेंट्स में मेडल जीते, लेकिन 1994 में मिलान वर्ल्ड शूटिंग चैंपियनशिप में उनकी जीत यादगार रही। प्रतियोगिता से एक दिन पहले उनके घुटने में फोड़ा हो गया था। डॉक्टरों ने उन्हें सर्जरी की सलाह दी और अस्पताल से छुट्टी देने से इनकार कर दिया था। डॉक्टरों की सलाह के उलट जसपाल और उनके कोच सनी थॉमस ने प्रतियोगिता में हिस्सा लेने का फैसला किया, लेकिन अस्पताल से निकलने के बाद उसी रात फोड़ा फूट गया, जिससे उनका दर्द बढ़ गया।

बांग्लादेश ने पहली बार ऑस्ट्रेलिया को वनडे सीरीज में हराया

ढाका, एजेंसी

बांग्लादेश ने गुरुवार को ढाका स्टेडियम में खेले गए दूसरे वनडे में ऑस्ट्रेलिया को 5 विकेट से हरा दिया। इसके साथ ही बांग्लादेश ने 3 मैचों की सीरीज में 2-0 से अजेय बढ़त बना ली।

यह क्रिकेट इतिहास में पहली बार है, जब बांग्लादेश ने ऑस्ट्रेलिया को वनडे सीरीज में हराया है। जीत के बांग्लादेश टीम के कप्तान और ऑलराउंडर मेहदी हसन मिराज को मैच के तुरंत बाद अस्पताल में भर्ती कराना पड़ा। बल्लेबाजी के दौरान उनके सिर पर ऑस्ट्रेलिया के तेज गेंदबाज की एक खतरनाक बाउंसर लगी थी, जिससे उन्हें कन्कशन की शिकायत हुई। तबीयत बिगड़ने के कारण उन्हें डॉक्टरों की निगरानी में ढाका के एक अस्पताल ले जाया गया, जहां वे अगले 24 घंटे तक ऑब्जर्वेशन में रहेंगे। हालांकि, अस्पताल जाने से पहले मेहदी ने गंभीर रूप से चोटिल होने के बावजूद मैदान नहीं छोड़ा और छक्का लगाकर टीम को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ इतिहास की पहली वनडे सीरीज जीत दिलाई।

बांग्लादेश की बल्लेबाजी के दौरान 34वें ओवर में ऑस्ट्रेलियाई पेसर रिले मैरेडिथ की तेज बाउंसर मेहदी हसन के हेलमेट के साइड में लगी। गेंद लगते ही मेहदी दर्द से घुटनों के बल बैठ गए। बांग्लादेश के फिजियो बायजेदुल इस्लाम खान तुरंत मैदान पर पहुंचे और उनकी जांच की। स्थिति को देखते हुए ऑस्ट्रेलियाई टीम के डॉक्टर भी उनके पास आए। एहतियात के तौर पर स्ट्रेचर भी मंगाया गया था। मेडिकल ट्रीटमेंट के दौरान मेहदी परेशान दिखे और उन्हें मैदान पर ही उल्टी हुई, जो कन्कशन का बड़ा लक्षण है।

नाइजीरियाई सिंगर बर्ना बॉय ने भी परफॉर्म किया, मैक्सिको ने साउथ अफ्रीका को हराया

पॉपस्टार शकीरा ने फुटबॉल वर्ल्डकप ओपनिंग में 'डाई-डाई' सॉन्ग गाया

मैक्सिको, एजेंसी

फुटबॉल वर्ल्ड कप की शुरुआत हो चुकी है। गुरुवार रात को मैक्सिको में 39 दिन चलने वाले इस टूर्नामेंट की ओपनिंग सेरेमनी हुई। इसमें पॉप स्टार शकीरा और नाइजीरियाई सिंगर बर्ना बॉय ने परफॉर्म किया। दोनों ने मिलकर FIFA का ऑफिशियल सॉन्ग 'डाई-डाई' गाया। करीब 2 घंटे तक चली ओपनिंग सेरेमनी के बाद FIFA प्रेसिडेंट जियानी इन्फेंटिनो ने हॉलीवुड एक्ट्रेस सलमा हाएक की मौजूदगी में वर्ल्ड कप ट्रॉफी पेश की। यहां कोलंबियाई सिंगर जे बलवीन ने भी परफॉर्म किया। इसके बाद मैक्सिको ने ओपनिंग मैच में साउथ अफ्रीका को 2-0 से हराया।

मैक्सिको को बढ़त 9वें मिनट में मिली। साउथ अफ्रीका के कप्तान और गोलकीपर रोनवेन विलियम्स की गलती टीम पर भारी पड़ गई। विलियम्स के बैकपास का फायदा उठाकर जूलियन क्विनोनेस ने टूर्नामेंट का पहला गोल दाग दिया।

वर्ल्ड कप की ओपनिंग सेरेमनी में कोलंबियाई पॉपस्टार शकीरा और नाइजीरियाई सिंगर बर्ना बॉय ने परफॉर्म किया।

अब वर्ल्ड कप के पहले मैच की रिपोर्ट पढ़ें

ओपनिंग मैच के 9वें मिनट में मैक्सिको के जूलियन क्विनोनेस ने गोल किया। इसके बाद 67वें मिनट में स्ट्राइकर राउल जिमेनेज बेहतरीन हेडर लगाकर बढ़त दोगुनी कर दी। मैक्सिको सिटी के एज्टेका स्टेडियम में रेफरी ने 3 रेड कार्ड दिए। साउथ अफ्रीका के स्पेफेलो सिथोले और थेम्बा ज्वाने को रेड कार्ड मिला। वहीं मैक्सिको के सेसर मोंटेस को एक्स्ट्रा टाइम में रेड कार्ड दिखाया गया।

44वें मिनट में क्विनोनेस का शॉट गोल पोस्ट से टकराकर बाहर आ गया। दूसरी ओर साउथ अफ्रीका पहले हाफ में अटैक नहीं कर सकी और हाफ टाइम तक 1-0 से पीछे रही।

67वें मिनट में मैक्सिको के रोबर्टो अल्वाराडो ने क्रॉस डाला। इस पर स्ट्राइकर राउल जिमेनेज ने हेडर लगाकर गेंद को गोल में पहुंचा दिया। इस गोल के साथ मैक्सिको ने अपनी बढ़त 2-0 कर ली और मैच अपने नाम कर लिया।

> **वर्ल्ड कप के बीच मैक्सिको में विरोध प्रदर्शन भी जारी रहा। टीचर्स की सैलरी बढ़ाने और बेहतर सुविधाओं की मांग को लेकर लोग सड़क पर उतरे। प्रदर्शनकारियों का आरोप था कि सरकार सामाजिक समस्याओं को नजरअंदाज कर वर्ल्ड कप आयोजन पर ध्यान दे रही है।**

फुटबॉल वर्ल्डकप जीतने का सबसे बड़ा दावेदार स्पेन

नई दिल्ली। फुटबॉल वर्ल्ड कप 2026 की शुरुआत हो चुकी है। दुनिया की 48 बेस्ट टीमें खिताब के लिए भिड़ रही हैं। ऑप्टा सुपरकंप्यू-टर और EPSN ने एनालिसिस किया और कहा कि इस वर्ल्ड कप की सबसे बड़ा दावेदार स्पेन है।

इस टीम का सबसे चर्चित चेहरा हैं 18 साल के लेमिन यमाल। उन्हें 16 गोल करने के लिए स्पेन के सबसे बड़े टूर्नामेंट ला लीगा का प्लेयर ऑफ द सीजन चुना गया। साथ ही रोड्री और पेड्री जैसे भरोसेमंद मिडफील्डर्स के ये टीम ताकतवर हैं।

2018 का वर्ल्ड कप जीत चुकी फ्रांस इस बार दूसरी बड़ी दावेदार है, जिसके स्टार खिलाड़ी किलियन एम्बापे इन-फॉर्म हैं। जिन्होंने पिछले वर्ल्ड कप में गोल की हैट्रिक बनाई थी। वर्ल्ड कप में फ्रांस की टीम का नेतृत्व एम्बापे के हाथ में ही है।

18 साल के यमाल ताकत, फ्रांस नंबर-2

इसके बाद नंबर है इंग्लैंड का, जिनके कैप्टन हैरी केन जबरदस्त फॉर्म में हैं। वे इस टूर्नामेंट में गोल्डन बूट के दावेदार भी माने जा रहे हैं। वे 2025-26 के सीजन में 51 मैचों में 61 गोल कर चुके हैं। चौथी दावेदार है पिछली विजेता अर्जेंटीना। जिनके स्टार खिलाड़ी लियोनल मेसी से इस बार भी करिश्मे की उम्मीद है। मेसी पिछले वर्ल्डकप में गोल्डन बूट विजेता थे और फाइनल में भी उन्होंने 2 गोल किए थे। टीम ने 2024 यूरो कप जीता था और उसके बाद UEFA नेशंस लीग के फाइनल तक पहुंची थी।

फीफा वर्ल्ड कप 2026 में स्पेन को खिताब का सबसे बड़ा दावेदार माना है। स्पेन के चैंपियन बनने के चांस 16.1% हैं, जो सभी टीमों में सबसे ज्यादा है। स्पेन इकलौती ऐसी टीम रही, जिसके क्वार्टर फाइनल में पहुंचने की संभावना 50% से ज्यादा रही। स्पेन को ग्रुप-एच में उरुग्वे, सऊदी अरब और काबो वर्डी के साथ रखा गया है।

मनोरंजन

महिला आयोग का प्रणित मोरे हिमांशु जांगड़ा को नोटिस

सेजल पवार के कमेंट्स पर ए आई एम एस ए ने कार्रवाई की मांग की

नई दिल्ली, एजेंसी

राष्ट्रीय महिला आयोग (NCW) ने गुरुग्राम में हुए कॉमेडियन प्रणित मोरे के स्टैंड-अप कॉमेडी शो से जुड़े विवाद का स्वतः संज्ञान लिया है। 370 की बिरयानी वाली वीडियो के मामले में आयोग ने प्रणित मोरे और हिमांशु जांगड़ा को सुनवाई नोटिस जारी किया है। मामले की सुनवाई 22 जून को शाम 4 बजे आयोग के सामने तय की गई है।

न्यूज एजेंसी पीटीआई के अनुसार, NCW ने कहा कि वायरल वीडियो का कंटेंट और उसे मनोरंजन के रूप में प्रस्तुत किए जाने पर गंभीर चिंता है। मामले को गंभीरता से लेते हुए

NCW की अध्यक्ष विजया रहाटकर ने हरियाणा के पुलिस महानिदेशक को पत्र लिखा है। उन्होंने मामले में जल्द, सख्त और तय समय के भीतर कार्रवाई करने की मांग की है। साथ ही आयोग ने पुलिस से सात दिनों के अंदर की गई कार्रवाई की पूरी रिपोर्ट भी मांगी है। आयोग ने एफआईआर दर्ज होने की स्थिति, भारतीय न्याय संहिता (BNS) और अन्य लागू कानूनों के तहत की गई कार्रवाई, वायरल वीडियो की जांच और वेरिफिकेशन, तथा आयोजकों, कलाकारों और वेन्यू मैनेजमेंट की भूमिका से संबंधित जानकारी मांगी है। बता दें कि प्रणित मोरे के शो में दर्शक हिमांशु जांगड़ा ने आपत्तिजनक टिप्पणी की थी। यह वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद हिमांशु और प्रणित की आलोचना हुई। हिमांशु गुरुग्राम की जिस डिजाइन और मार्केटिंग एजेंसी में काम करते थे, उसने इस विवाद के बाद उन्हें नौकरी से निकाल दिया।

मेकर्स पर बिना अनुमति फिल्म बनाने का आरोप, बोले- मूवी में अंडरवर्ल्ड कनेक्शन दिखाया गया

फिल्म 'काला हिरण' को लेकर सलमान खान हाईकोर्ट पहुंचे

नई दिल्ली। एक्टर सलमान खान शुक्रवार को फिल्म काला हिरण के प्रोड्यूसर के खिलाफ दिल्ली हाईकोर्ट पहुंचे हैं।

बार एंड बेंच की रिपोर्ट के अनुसार, सलमान खान ने अदालत में दायर याचिका में कहा है कि फिल्म उनके बिना अनुमति के बनाई गई है। उन्होंने यह भी आरोप लगाया है कि फिल्म में उनके अंडरवर्ल्ड से संबंध होने का संकेत दिया गया है।

बता दें कि काला हिरण मामले से प्रेरित फिल्म 'काला हिरणः द बैटल फॉर लेगेसी' का फर्स्ट लुक आज ही जारी किया गया था। जिसमें सलमान खान का जिक्र अयान खान और

लॉरेंस का जिक्र लॉयन के नाम से किया गया है। फिल्म के प्रोड्यूसर अमित जानी ने सलमान खान की ओर से मिले लीगल नोटिस को फाड़ दिया था। जानी ने आधिकारिक इंस्टाग्राम अकाउंट पर शेयर किए वीडियो में कहा था,हर कोई मुझसे पूछ रहा है, मीडिया, दोस्त, कि सलमान खान के नोटिस पर आपको क्या कहना है? इस नोटिस पर मैं क्या कहूं? पिछले 36 घंटों से उनकी डोंगरी, धारावी, जोगेश्वरी के मुस्लिम लड़कों की फैन फॉलोइंग, उनके टूलकिट ने मुझे जान से मारने, मुंबई आने और सिर कलम करने के हजारों मैसेज भेजे हैं और उनके टूलकिट के जरिए एक मैसेज, चाहे वह असली हो या नकली, मुझे नहीं पता, डी-कंपनी के नाम से भेजा गया है। डी-कंपनी छोड़ेगी नहीं।

वीडियो में काला हिरण शिकार केस और कानूनी लड़ाई से जुड़े मामले को दिखाया गया है। फिल्म का निर्देशन भारत एस. श्रीनाथ ने किया है। जबकि अमित जानी इसके लेखक और निर्माता हैं। फिल्म का टीजर 20 जून को रिलीज किया जाएगा।

'काला हिरण' को लेकर सलमान ने लीगल नोटिस भेजा था

'काला हिरण' को लेकर सलमान की ओर से लीगल नोटिस भेजा गया था। न्यूज18 की रिपोर्ट में बताया गया था कि सलमान की ओर से लॉ फर्म DSK लीगल ने कास्टिंग डायरेक्टर अक्षय पांडे को एक लीगल नोटिस भेजा है। इस नोटिस में 'काला हिरण' नाम की प्रस्तावित फिल्म के प्रोडक्शन और प्रमोशन को तुरंत रोकने की मांग की गई।

कैटरीना कैफ और जैकलीन फर्नांडिस से मिली प्रेरणा

नोरा कहती हैं- मैंने बॉलीवुड में कभी काम करने के बारे में नहीं सोचा था। इंडस्ट्री में आने से पहले मैंने 'देवदास' और 'कुछ कुछ होता है' जैसी फिल्में देखी थीं। मुझे लगता था कि सिर्फ इंडियन लड़कियां ही बॉलीवुड में एक्ट्रेस बन सकती हैं। बॉलीवुड में काम करने की प्रेरणा मुझे कैटरीना कैफ और जैकलीन फर्नांडिस से मिली। फिर मैंने बहुत ऑडिशन देने शुरू किए। स्ट्रगल के दिनों में आर्थिक स्थिति इतनी खराब थी कि उन्हें गुजारे के लिए छोटे-मोटे काम करने पड़े। नोरा ने कॉफी शॉप में वेटर का काम किया और लॉटरी टिकट भी बेचे। मॉडलिंग और छोटे प्रोजेक्ट्स मिलने लगे थे, लेकिन कई बार काम के बाद भी भुगतान नहीं मिलता था।

नोरा फतेही बोलीं- मेरा मजाक उड़ाया गया, 'दिलबर' जैसे कई गाने फ्री में करने पड़े

काम दिलाने की आड़ में ठगे गए 20 लाख रुपए

मुंबई। मुंबई की चमक-दमक के पीछे ठगी, ताने और संघर्ष की लंबी कहानी भी छुपी है। नोरा फतेही की जिंदगी भी ऐसी ही रही, जहां काम दिलाने का वादा कर 20 लाख रुपए ठग लिए गए और कई बार उन्हें बिना फीस के गाने करने पड़े। "मेरा मजाक उड़ाया गया, दिलबर जैसे कई गाने फ्री में करने पड़े"- यह दौर उनकी पहचान बनने से पहले के संघर्ष को दिखाता है। कनाडा से मुंबई आई नोरा ने वेटर से लेकर ऑडिशन तक हर रास्ता अपनाया, लेकिन हार नहीं मानी। यही संघर्ष आगे चलकर उनकी स्टारडम की सबसे बड़ी ताकत बना। नोरा का जन्म एक रूढ़िवादी मुस्लिम परिवार में हुआ। घर में डांस को लेकर कड़ा विरोध था, लेकिन उनके अंदर बचपन से ही डांस का जुनून था। उन्होंने कभी प्रोफेशनल डांस ट्रेनिंग नहीं ली।

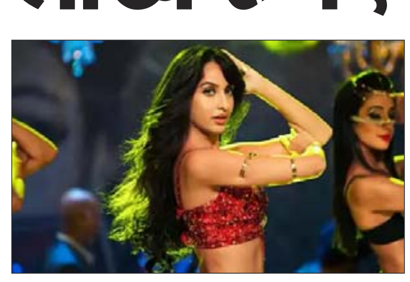

नोरा के लिए सबसे मुश्किल समय वह था जब पैसों की कमी के कारण उन्हें खाने तक के लिए संघर्ष करना पड़ता था। उन्होंने बताया कि कई बार दिनभर सिर्फ ब्रेड और अंडे खाकर गुजारा करना पड़ा। इसके बावजूद उन्होंने मुंबई छोड़ने का विचार नहीं किया और अपने सपनों के लिए डटी रहीं।

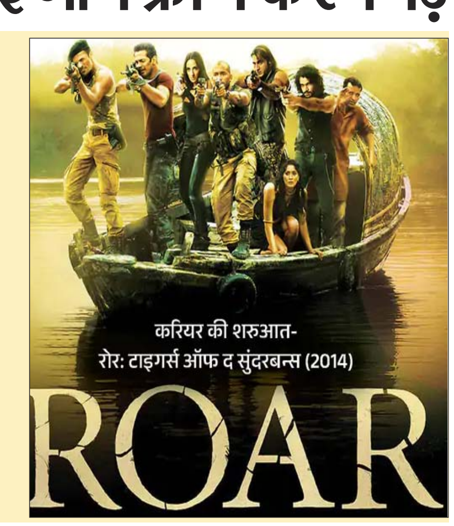

करियर की शुरुआत- रोर: टाइगर्स ऑफ द सुंदरबन्स (2014)

हिंदी न आने पर उड़ाया जाता था मजाक

नोरा ने बताया कि भारत आने के बाद सबसे बड़ी चुनौती भाषा थी। हिंदी न जानने की वजह से ऑडिशन में उन्हें बार-बार रिजेक्ट किया जाता था। कई बार लोग उनके उच्चारण और एक्सेंट का मजाक उड़ाते थे। हालांकि उन्होंने हार नहीं मानी और लगातार खुद को बेहतर बनाने की कोशिश करती रहीं।

नोरा कहती हैं- फिल्म इंडस्ट्री में आने से पहले मैंने कोई तैयारी नहीं की थी। मुझे लगा था कि मुंबई पहुंचते ही स्टार बन जाऊंगी। मैंने कपड़े पैक किए और मुंबई आ गई। यहां आने के बाद पता चला कि बहुत कुछ सीखना है। मुझे हिंदी नहीं आती थी।

हफ्ते के 3 हजार रुपए में चलाना पड़ता था खर्च

अपने स्ट्रगल के दिनों को याद करते हुए नोरा फतेही कहती हैं कि उस समय जिस एजेंसी के साथ काम कर रही थी, वह उन्हें हफ्ते के सिर्फ 3 हजार रुपए देती थी। इतने कम पैसों में रोज का खर्च चलाना बहुत मुश्किल होता था। बॉलीवुड में पहचान बनाने से पहले मेरे साथ ठगी हुई। मैंने बताया था कि जब मैं कनाडा से भारत आई थी, तब मेरी पहली एजेंसी ने मुझे काम दिलाने का वादा किया। उनके कहने पर मैंने 20 लाख रुपए दे दिए। लेकिन बाद में उनका व्यवहार बदल गया। जब मैंने एजेंसी छोड़ने और पैसे वापस मांगने की बात की, तो उन्होंने साफ कह दिया कि पैसे नहीं मिलेंगे।

वे कभी परमाणु हथियार नहीं बनाएंगे, ईरान बोला- अभी हमने कोई फैसला नहीं लिया

ईरान के साथ आज जंग खत्म हुई : ट्रम्प

दावा

तेल अवीव, एजेंसी

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने शुक्रवार को दावा किया कि अमेरिका ने ईरान के साथ युद्ध खत्म कर दिया है। एक वर्चुअल रैली में ट्रम्प ने अपने समर्थकों से यह बात कही। उन्होंने यह भी दावा किया कि ईरान कभी परमाणु हथियार नहीं बनाएगा। ईरान ने ट्रम्प के इस दावे को खारिज कर दिया है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता इस्माइल बघई ने कहा कि शांति समझौते पर अभी कोई आखिरी फैसला नहीं लिया गया है। इससे पहले ट्रम्प ने व्हाइट हाउस में पत्रकारों से कहा था कि सुप्रीम लीडर मुजतबा खामेनेई ने नई डील को मंजूरी कर लिया है। उन्होंने यह भी कहा कि ईरान के साथ शांति समझौते पर इसी सप्ताह यूरोप में साइन हो सकता है। अगर सब कुछ ठीक रहा तो उपराष्ट्रपति जेडी वेंस भी इसमें शामिल होंगे।

अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प गुरुवार को ओवल ऑफिस में प्रेस के सवालों का जवाब देते हुए।

इजराइल बोला- एक हफ्ते में हिजबुल्लाह के 310 ठिकानों पर हमला किया

इजराइली सेना ने दावा किया है कि उसने पिछले एक हफ्ते में दक्षिणी लेबनान में हिजबुल्लाह के 310 ठिकानों को निशाना बनाया और करीब 80 लड़ाकों को मार गिराया।

सेना के मुताबिक, गाजा में भी 20 से ज्यादा फिलिस्तीनी लड़ाके मारे गए, जबकि कब्जे वाले वेस्ट बैंक में 50 लोगों को गिरफ्तार किया गया।

एक्सपर्ट्स- ट्रम्प ईरान युद्ध खत्म करने के दबाव में

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प पर ईरान के साथ जारी संघर्ष खत्म करने का घरेलू दबाव बढ़ रहा है। यह युद्ध अमेरिका में अलोकप्रिय साबित हुआ है और इसका आर्थिक असर भी महसूस किया जा रहा है।

अल जजीरा की रिपोर्ट के मुताबिक, एक्सपर्ट्स का मानना है कि ट्रम्प ऐसे रास्ते की तलाश में हैं जिससे युद्ध खत्म हो, राजनीतिक नुकसान रुके और अर्थव्यवस्था को राहत मिले। माना जा रहा है कि वह नवंबर में होने वाले मध्यावधि चुनावों से पहले यह संकट सुलझाना चाहते हैं।

भारत ने 24 घंटे में दूसरी बार अमेरिकी राजनयिक को तलब किया

भारत ने 24 घंटे के भीतर दूसरी बार अमेरिका के कार्यवाहक राजदूत (चार्ज डी'अफेयर्स) जेसन मीक्स को तलब किया है। यह कदम ओमान तट के पास भारतीय नाविकों वाले कारोबारी जहाजों पर लगातार हो रहे हमलों को लेकर उठाया गया है।

विदेश मंत्रालय (MEA) ने अमेरिकी नौसेना की कार्रवाई पर कड़ा विरोध दर्ज कराते हुए कहा कि ऐसे हमले तुरंत बंद होने चाहिए।

अमेरिकी कार्रवाई का शिकार बने तेल टैंकर MT सेटेबेलो पर लापता तीन भारतीय नाविकों की मौत की पुष्टि हो चुकी है। इससे पहले 8 जून को अमेरिकी सेना ने MT मारिवैक्स को निशाना बनाया था। गुरुवार को ओमान तट के पास भारतीय क्रू वाले जहाज जलवीर से जुड़ी एक और घटना सामने आई।

अमेरिकी राजनयिक 45 बाद विदेश मंत्रालय से निकले

मेरिकी चार्ज डी'अफेयर्स जेसन मीक्स शुक्रवार को करीब 45 मिनट तक विदेश मंत्रालय में रहे। उन्हें ओमान तट के पास भारतीय क्रू वाले कारोबारी जहाजों पर हुए हमलों को लेकर भारत की ओर से तलब किया गया था। सूत्रों के मुताबिक विदेश मंत्रालय ने अमेरिकी पक्ष के समक्ष भारतीय नाविकों की सुरक्षा को लेकर गहरी चिंता जताई और कमर्शियल जहाजों पर हो रही सैन्य कार्रवाइयों पर कड़ा विरोध दर्ज कराया।

ट्रम्प ने 39वीं बार कहा- ईरान समझौता करीब

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प अब तक 39 बार अमेरिका-ईरान के बीच शांति समझौता जल्द होने का दावा कर चुके है। हालांकि, ईरान भी लगातार कहता रहा है कि अभी कोई अंतिम समझौता नहीं हुआ है और कई अहम मुद्दों पर फैसला बाकी है।

राहुल गांधी बोले- 3 भारतीयों की मौत पर भी मोदी खामोश

कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने अंतर-राष्ट्रीय जलक्षेत्र में भारतीय नाविकों की मौत को लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर निशाना साधा है। उन्होंने आरोप लगाया कि तीन दिनों में तीन जहाजों पर अमेरिकी हमलों में तीन भारतीयों की जान गई, लेकिन प्रधानमंत्री ने इस पर अब तक एक शब्द भी नहीं कहा।

राहुल गांधी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म X पर लिखा, अंतरराष्ट्रीय जल में तीन दिन में तीन जहाजों पर अमेरिकी हमलों में तीन भारतीयों की मृत्यु हो गई। और हमारे Compromised PM? एक शब्द तक नहीं।

उन्होंने कहा, जब कोई विदेशी ताकत किसी भारतीय की हत्या करे, तो प्रधानमंत्री को बोलना पड़ता है। लेकिन मजाल है जो ये एक शब्द बोल जाएं।

रिपोर्ट- ट्रम्प के ईरान पर हमले न करने के फैसले से नेतन्याहू हैरान

राष्ट्रपति ट्रम्प के ईरान पर हमले को रोक देने के फैसले की जानकारी इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू को पहले से नहीं दी गई थी।

एक्सिओस की रिपोर्ट के मुताबिक, ट्रम्प के सार्वजनिक बयान से पहले नेतन्याहू को कोई चेतावनी नहीं मिली और वह इस घोषणा से हैरान रह गए।

रिपोर्ट में दावा किया गया है कि नेतन्याहू और इजराइली अधिकारी लगातार अमेरिका से ईरान पर सैन्य दबाव बनाए रखने की मांग कर रहे थे।

अमेरिकी हमलों में 3 भारतीय नाविकों की मौत: अमेरिकी सेना ने 10 जून को ओमान तट के पास भारतीय क्रू मेंबर वाले सेटेबेलो जहाज पर हमला किया। गुरुवार को 3 भारतीय नाविकों की मौत की पुष्टि हुई।

होर्मुज के पास 4 दिन में 3 जहाजों पर हमला: अमेरिकी सेना ने मैरीवेक्स, सेटेबेलो और जलवीर नाम के जहाज पर हमला किया। इन जहाजों पर करीब 70 भारतीय क्रू मेंबर सवार थे।

भारत ने अमेरिकी राजदूत को तलब किया : भारतीय क्रू वाले जहाज MT जलवीर पर हमले के बाद भारत ने अमेरिकी राजदूत को तलब किया और जहाजों पर हमले तुरंत रोकने की मांग की।

ईरान पर सबसे बड़े हमले की धमकी: ट्रम्प ने ईरान के तेल ठिकानों पर कब्जा करने की धमकी दी। उन्होंने सोशल मीडिया पर लिखा कि वे आज रात ईरान पर सबसे बड़ा हमला करेंगे।

हमले से पलटे ट्रम्पः ट्रम्प ने 5 घंटे बाद सोशल मीडिया पोस्ट में कहा कि ईरान के खिलाफ नए हवाई हमले करने का फैसला रद्द कर दिया है। उनकी ईरानी लीडरशिप से बातचीत काफी आगे बढ़ गई है।

रिपोर्ट- ट्रम्प के ईरान पर हमले न करने के फैसले से नेतन्याहू हैरान

राष्ट्रपति ट्रम्प के ईरान पर हमले को रोक देने के फैसले की जानकारी इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू को पहले से नहीं दी गई थी। एक्सिओस की रिपोर्ट के मुताबिक, ट्रम्प के सार्वजनिक बयान से पहले नेतन्याहू को कोई चेतावनी नहीं मिली और वह इस घोषणा से हैरान रह गए। रिपोर्ट में दावा किया गया है कि नेतन्याहू और इजराइली अधिकारी लगातार अमेरिका से ईरान पर सैन्य दबाव बनाए रखने की मांग कर रहे थे। उनका मानना था कि तेहरान बातचीत का इस्तेमाल समय हासिल करने के लिए कर रहा है।

भारत की सुरक्षा पर कभी नहीं सोचा, अब तेल पर दे रहे ज्ञान

यूरोप पर जयशंकर का पलटवार

हेलसिंकी, एजेंसी

पश्चिमी देशों के दोहरे रवैये पर कड़ा प्रहार करते हुए विदेश मंत्री एस जयशंकर ने 2022 में यूक्रेन पर मास्को के आक्रमण के बाद रूसी तेल खरीदने के भारत के फैसले का बचाव किया है। उन्होंने स्पष्ट किया कि यह कदम वैश्विक तेल की कीमतों को कम रखने के लिए संयुक्त राज्य अमेरिका के अनुरोध पर उठाया गया था।

फिनलैंड की अपनी यात्रा के दौरान एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए जयशंकर ने रूसी तेल पर अमेरिका के बदलते प्रतिबंधों की भी कड़ी आलोचना की। 2022 में यूक्रेन पर हमले के बाद अमेरिका द्वारा रूस पर प्रतिबंध लगाने और उसके तेल की कीमत तय करने के बाद भारत रूसी तेल का एक प्रमुख खरीदार बनकर उभरा था।

फिनलैंड के कल्टारेंटा में आयोजित एक कार्यक्रम में जयशंकर ने कहा कि उस समय अमेरिका ने तेल बाजार को स्थिर करने के लिए विशेष रूप से भारत से रूसी तेल खरीदने के लिए कहा था। एक पत्रकार द्वारा भारत पर रूस के प्रति बहुत अधिक सहानुभूति रखने और रूस से तेल खरीदने के लिए बहुत अधिक इच्छुक होने का आरोप लगाए जाने के बाद उन्होंने कहा, ₹मैं लागत और उपलब्धता के आधार पर तेल खरीदता हूं। जयशंकर ने इस बात पर जोर दिया कि उस समय बाजार में उपलब्ध अधिकांश तेल रूस का था क्योंकि यूरोपीय देश अनिवार्य रूप से मध्य पूर्व का तेल खरीद रहे थे, जो कि हमारा पारंपरिक सप्लायर था।

पाक में खौफ का माहौल, भारत ने पहली बार तैनात किए 12 परमाणु हथियार

इस्लामाबाद, एजेंसी

दक्षिण एशिया में रणनीतिक संतुलन और सैन्य ताकत को लेकर वैश्विक हथियारों की निगरानी करने वाली प्रतिष्ठित संस्था स्टॉकहोम इंटरनेशनल पीस रिसर्च इंस्टीट्यूट (सिप्री) की रिपोर्ट के बाद पूरे पाकिस्तान में हड़कंप मच गया है। रिपोर्ट के अनुसार, भारत ने इतिहास में पहली बार अपने परमाणु हथियारों को केवल स्टॉकपाइल में रखने के बजाय सीधे तौर पर ऑपरेशनल मोड में तैनात कर दिया है।

इस खुलासे के तुरंत बाद पाकिस्तान सरकार और वहां के विदेश मंत्रालय की तरफ से बेहद डरा हुआ बयान सामने आया है, जिसमें इस्लामाबाद ने खुले तौर पर माना है कि भारत की परमाणु ताकत अंतरराष्ट्रीय अनुमानों से कहीं ज्यादा बड़ी और घातक हो सकती है।

भारत की इस बढ़ती सैन्य और परमाणु ताकत से घबराए पाकिस्तान ने अब दुनिया के अमीर और ताकतवर देशों से गुहार लगानी शुरू कर दी है। पाकिस्तानी विदेश मंत्रालय ने अंतरराष्ट्रीय समुदाय और विशेष रूप से भारत को उन्नत रक्षा प्रौद्योगिकियां और आधुनिक हथियार सप्लाई करने वाले देशों से अपील की है कि वे इस पर तुरंत रोक लगाएं।

इस्लामाबाद का तर्क है कि भारत की यह आधुनिक होती सैन्य शक्ति दक्षिण एशिया में रणनीतिक स्थिरता और क्षेत्रीय सुरक्षा के संतुलन को पूरी तरह बिगाड़ देगी। हालांकि, रक्षा विशेषज्ञों का मानना है कि पाकिस्तान का यह बयान उसकी अपनी आंतरिक आर्थिक व राजनैतिक कमजोरियों और भारत के मुकाबले रक्षा बजट में लगातार पिछड़ने की हताशा को दर्शाता है।

फास्ट न्यूज

ब्रिटेन के रक्षा मंत्री जॉन हीली ने दिया इस्तीफा

लंदन। ब्रिटिश रक्षा मंत्री जॉन हीली ने गुरुवार को अचानक इस्तीफा दे दिया। उन्होंने कहा कि बढ़ते खतरे के इस दौर में सरकार सेना पर पर्याप्त खर्च करने को तैयार नहीं है।

हीली ने प्रधानमंत्री कीएर स्टार्मर से कहा कि सरकार का रक्षा निवेश प्लान इस खतरनाक समय में जितनी जरूरत है, उससे काफी कम है।

'समुद्र में डकैती कर रहा अमेरिका'

तेहरान। ओमान के तट पर एक कमर्शियल जहाज पर हुए हमले के बाद अंतरराष्ट्रीय स्तर पर राजनयिक प्रतिक्रियाओं का दौर शुरू हो गया है। इस घटना में तीन भारतीय नागरिकों के मारे जाने की बात सामने आई है। इस घटनाक्रम के बाद जहां एक तरफ ईरान ने इसे अमेरिका की सशस्त्र डकैती करार दिया है, वहीं दूसरी तरफ भारत के विदेश मंत्रालय ने हमले की निंदा करते हुए क्षेत्र में शांति और कूटनीतिक समाधान की अपील की है। ईरान के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता इस्माइल बघाई ने भारतीय वाणिज्यिक जहाजों पर हुए इन कथित अमेरिकी हमलों की कड़ी निंदा की है।

मस्क आज दुनिया के पहले ट्रिलिनियर बनेंगे

न्यूयॉर्क। दुनिया के सबसे अमीर कारोबारी इलॉन मस्क की रॉकेट कंपनी स्पेसएक्स आज, 12 जून को अमेरिकी शेयर बाजार नैस्डैक पर लिस्ट होगी। गुरुवार को कंपनी ने अपने आईपीओ का फाइनल प्राइस 135 डॉलर तय कर दिया है। 1.77 ट्रिलियन डॉलर यानी करीब 168 लाख करोड़ रुपए के वैल्यूएशन पर हो रही इस लिस्टिंग के बाद इलॉन मस्क दुनिया के पहले ट्रिलिनियर बन सकते हैं।

ईरान-अमेरिका में समझौते की खबरों से शेयर मार्केट चढ़ा

सेंसेक्स में 1695 अंकों की तेजी, 75,527 पर बंद

मुंबई, एजेंसी

ईरान-अमेरिका के बीच संभावित शांति समझौते की खबरों से शुक्रवार को शेयर बाजार में तेजी रही। सेंसेक्स 1,695 अंक उछलकर 75,527 पर बंद हुआ, जबकि निफ्टी 461 अंक चढ़कर 23,622 के स्तर पर पहुंच गया। कारोबार के दौरान रियल्टी, प्राइवेट बैंक, सरकारी बैंक और फाइनेंशियल सर्विसेज सेक्टर के शेयरों में सबसे ज्यादा खरीदारी देखने को मिली। सुबह भी बाजार मजबूत शुरुआत के साथ खुला था।

बाजार में तेजी की वजह अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प का बयान रहा। ट्रम्प ने दावा किया कि ईरान के सर्वोच्च नेता मुजतबा खामेनेई ने एक नए समझौते को मंजूरी दे दी है। उनके मुताबिक, इस समझौते के तहत ईरान परमाणु हथियार नहीं रखेगा और डील होने पर होर्मुज जलडमरूमध्य को भी खोल दिया जाएगा। हालांकि, ईरान ने अभी तक इस दावे की आधिकारिक पुष्टि नहीं की है। इसके बावजूद समझौते की उम्मीद से निवेशकों का भरोसा बढ़ा और शेयर बाजार में तेजी देखने को मिली। शेयर बाजार में कल यानी 11 जून को मिला-जुला कारोबार रहा। सेंसेक्स डे हाई से 562 अंक गिरकर 73,833 के स्तर पर बंद हुआ। वहीं निफ्टी 23,162 के स्तर पर आ गया है। कल के कारोबार में आईटी और बैंकिंग शेयरों में सबसे ज्यादा बिकवाली रही। सेंसेक्स सुबह गिरावट के साथ खुला था। लेकिन कारोबार के दौरान ये करीब 400 अंक चढ़कर 74,394 के डे हाई पर पहुंच गया।

ग्लूकोमा से पीड़ित एक मरीज की आंख की पुतली में लगाया गया इंजेक्शन

उम्र रोकने की दवा का पहली बार इंसान पर हुआ परीक्षण

बोस्टन, एजेंसी

मेडिकल साइंस के सबसे महत्वपूर्ण लक्ष्यों में से एक 'रिवर्स-एजिंग' यानी बुढ़ापा रोकने की दवा का इंसानों पर पहला ट्रायल शुरू हो गया है। पहली बार उम्र के असर को उलटने वाला इंजेक्शन किसी इंसान को लगाया गया है।

अमेरिका के बोस्टन स्थित बायोटेक स्टार्टअप 'लाइफ बायोसाइंसेज' ने बताया कि उनके पहले मरीज को सेल्यूलर रीप्रोग्रामिंग का इंजेक्शन दे दिया गया है। परीक्षण के तहत यह इंजेक्शन ग्लूकोमा (काला मोतिया) से पीड़ित मरीज की एक आंख की पुतली में लगाया गया है।

इस ट्रायल का मुख्य उद्देश्य उम्र बढ़ने के कारण कमजोर हो चुकी कोशिकाओं को फिर से युवा और सक्रिय बनाना है। अगले 6 महीने तक वैज्ञानिक इसके असर और साइड इफेक्ट्स पर नजर रखेंगे।

लाइफ बायोसाइंसेज के सीईओ जेरी मैकलॉघलिन ने कहा कि यह उनकी कंपनी या एजिंग बायोलॉजी ही नहीं, पूरे मेडिकल साइंस के लिए संभावित रूप से बड़ा और परिवर्तनकारी पल है।

अगर यह क्लिनिकल ट्रायल सफल रहा, तो एजिंग थेरेपी में नया युग शुरू हो सकता है। लक्ष्य पूरे शरीर की कोशिकाओं को फिर से युवा और सक्रिय बनाना है, ताकि उम्र बढ़ने के साथ डीएनए के काम करने और उसके एक्सप्रेशन के तरीके में सुधार हो सके।

इससे पहले चूहों और बंदरों पर हो चुका है सफल टेस्ट

अब डॉक्टर और वैज्ञानिक आने वाले कई महीनों तक मरीज की बारीकी से निगरानी करेंगे, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि यह तकनीक इंसानी शरीर के लिए पूरी तरह सुरक्षित है या नहीं।

इस थेरेपी में सबसे पहले मरीज की आंख में एक सिंगल जीन थेरेपी इंजेक्शन दिया गया है। इसके बाद कुछ हफ्तों तक एंटीबायोटिक दवाओं का एक विशेष कोर्स कराया जाएगा।

यह एंटीबायोटिक दवा शरीर के भीतर जाकर उन तीन इलाज करने वाले जीनों के लिए 'ऑन स्विच' का काम करेगी, जो कोशिकाओं को रीप्रोग्राम (युवा) करना शुरू करते हैं। इससे पहले चूहों और बंदरों पर हुए टेस्ट में इसने उनकी रोशनी सफलतापूर्वक वापस लौटा दी थी।

इस थैरेपी के लिए इंसानों की आंख को इसलिए चुना गया है, क्योंकि आंख शरीर के बाकी हिस्सों से अलग और सुरक्षित होती है। इससे साइड इफेक्ट्स पर नजर रखना भी आसान होता है।

जांच : एफएसएसएआई ने नेस्ले, केएफसी और फ्लिपकार्ट को नोटिस भेजा

मैगी और ओपन सीक्रेट के पैकेट में मिले जिंदा कीड़े

नई दिल्ली, एजेंसी

भारतीय खाद्य सुरक्षा और मानक प्राधिकरण (FSSAI) ने सोशल मीडिया पर आई शिकायतों के बाद एक्शन लेते हुए नेस्ले सहित कई बड़ी कंपनियों को कारण बताओ नोटिस जारी किया है। नेस्ले को यह नोटिस उसके सबसे लोकप्रिय प्रोडक्ट मैगी के एक पैकेट में कीड़े (लार्वा) मिलने की शिकायत के बाद दिया गया है। FSSAI ने इस मामले में कंपनी से तुरंत एक्शन टेकन रिपोर्ट पेश करने को कहा है।

FSSAI ने सोशल मीडिया पर वायरल हुई अन्य शिकायतों पर भी एक्शन लेते हुए हाइजीन (साफ-सफाई) से जुड़े मुद्दों को लेकर फास्ट-फूड चेन KFC को भी नोटिस दिया है। इसके अलावा, खजूर के एक प्रोडक्ट में कीड़े मिलने की शिकायत पर फ्लिपकार्ट इंडिया और ओपन सीक्रेट कंपनी को भी रेगुलेटर ने जवाब देने को कहा है।

खाद्य नियामक (FSSAI) ने नेस्ले इंडिया से जो डिटेल्ड एक्शन टेकन रिपोर्ट मांगी है, इसमें तीन मुख्य क्षेत्रों को शामिल करने के निर्देश दिए गए हैं:

सोर्स और क्वालिटी चेक लॉगः नेस्ले को सबसे पहले उस खास बैच (ग्रुप) का पता लगाना होगा, जिसमें गड़बड़ी की शिकायत मिली है। कंपनी को यह बताना होगा कि इस बैच का कच्चा माल किस वेंडर से आया था और पैकेट ग्राहकों तक पहुंचने से पहले कंपनी के अंदर इसकी क्वालिटी की जो जांच हुई थी, उसके पूरे रिकॉर्ड (कागजात) पेश करना होगा। कंपनी को यह साबित करना होगा कि शिकायत वाले बैच या संभावित रूप से प्रभावित स्टॉक को बाजार और सप्लाई चेन से हटाने के लिए उसने तुरंत क्या सुधारात्मक कदम उठाए हैं, ताकि यह ग्राहकों तक न पहुंचे।

सोशल मीडिया पर वायरल शिकायतों के बाद कार्रवाई

नेस्ले, KFC, फ्लिपकार्ट इंडिया और ओपन सीक्रेट को एक साथ जारी हुए नोटिसों से फूड सेफ्टी रेगुलेशन का एक नया पैटर्न दिखाई दे रहा है। अब सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स पर वायरल होने वाली उपभोक्ताओं की शिकायतें सीधे आधिकारिक रेगुलेटरी नोटिस में बदल रही हैं। इससे किसी व्यक्तिगत शिकायत और कंपनी से मांगी जाने वाली आधिकारिक रिपोर्ट के बीच का समय बहुत कम हो गया है। भारत में काम कर रही खाद्य और क्विक सर्विस कंपनियों के लिए यह एक बड़ा ऑपरेशनल रिस्क (कामकाजी जोखिम) बन चुका है, जहां एक सिंगल वायरल पोस्ट कंपनी के लिए कानूनी और प्रतिष्ठा से जुड़ी मुश्किलें खड़ी कर सकती है।

कैलिफोर्निया: मेडिकल इक्विपमेंट गोदाम में लगी भीषण आग

आस-पास की इमारतें कराई गई खाली

वाशिंगटन, एजेंसी

कैलिफोर्निया में गुरुवार को एक मेडिकल उपकरण गोदाम में भीषण आग लग गई। इस घटना के बाद आसमान में काले धुएं का गुबार छा गया, जिसके चलते अधिकारियों को आग पर काबू पाने के दौरान आस-पास की अन्य इमारतों को भी एहति-यातन खाली कराना पड़ा।

आग सैन फ्रांसिस्को से लगभग 88.5 किलोमीटर पूर्व में स्थित ट्रेसी शहर में लगी। गोदाम प्रमुख मेडिकल-सर्जिकल उत्पाद प्रदाता कंपनी मेडलाइन का वितरण केंद्र है। साउथ सैन जोकिन काउंटी फायर अथॉरिटी के फायर चीफ रैंडल ब्रैडली के अनुसार, आग सड़क पार कर एक फेडेक्स सुविधा तक फैल गई थी, लेकिन दमकल कर्मियों ने आग पर काबू पाने में सफल रहे।

शहर के पुलिस विभाग के सार्जेंट माइकल रिचर्ड्स ने बताया कि तेज हवाओं के कारण आग की लपटें और चिंगारियां फैलने का खतरा बढ़ गया था, इसलिए इलाके के एक बड़े हिस्से को खाली करा लिया गया है। 93,000 वर्ग मीटर का यह गोदाम एक विशाल औद्योगिक पार्क में स्थित है, जहां अमेजन, होम डिपो और फेडेक्स के फुलफिलमेंट और डिस्ट्रीब्यूशन सेंटर भी मौजूद हैं।

राहत की बात यह है कि मेडलाइन ने पुष्टि की है कि घटना के वक्त साइट पर मौजूद उनके सभी कर्मचारी और अन्य कर्मी सुरक्षित हैं। कंपनी के एक प्रवक्ता ने बयान में कहा, कि हम आग के प्रभाव का आकलन कर रहे हैं ।

तमसा संकेत
tamsa.newslko@gmail.com

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक विद्या देवी द्वारा कृष्णा डाइनेस्टी प्रिंटिंग प्रेस म0 न0 195 सेक्टर 6-बी, वृन्दावन योजना, रायबरेली रोड लखनऊ-226 029 (उ0प्र0) से मुद्रित व प्रकाशित।

सम्पादक : विद्यादेवी

समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ होगा

समाचार पत्र में प्रकाशित लेख, राजनीतिक विश्लेषण, लेखकों के अपने विचार हैं। सम्पादक का इन विचारों से सहमत होना आवश्यक नहीं हैं।
मो0- 9415799533
R.N.I. NO. UPHIN/2021/83676